श्रद्धा से श्राद्ध

यह विशेषांक जब तक आपके हाथों में पहुँचेगा, श्राद्ध पक्ष की शुरूआत हो चुकी होगी। श्राद्ध लौकिक जनजीवन में एक कर्मकांड भर है। हमें यह बताया जाता है कि श्राद्धपक्ष में पितरों की प्रसन्नता के लिए यह करना चाहिए, पितर खुश होंगे, तो हमें सुख-समृद्धि देगें। भारतीय संस्कृति का यह पर्व वस्तुतः परिवार के बुजुर्गो का महत्व प्रतिपादित करने और उनके प्रति श्रद्धा भाव जगाने का पर्व है। जब दिवंगत पूर्वजों के प्रति मात्र आहूति देने से हमें सुख-समृद्धि मिल सकती है, तो अंदाजा लगाएं जो बुजुर्ग हमारे बीच रह रहे हैं, उनके प्रति श्रद्धा भाव हमें क्या नहीं दे सकता। बुजुर्ग अनुभवों की खान है, विचारों का समुह है। उनका साथ निश्चित ही हमारी अपने लक्ष्यों तक पहुँचने की राह आसन कर सकता है। निश्चित ही आज के युवा वर्ग को यह दर्शन समझाने की जरूरत है, तभी श्राद्ध पक्ष में किए अनुष्ठानों की सार्थकता है। यह विशेषांक समाज के वरिष्ठ नागरिकों को समर्पित करते हुए रोमांचित हूँ कि आप तक उन बुजुर्गो की बात पहुँचाने में श्री माहेश्वरी टाइम्स सफल हो पाया, जिन्होंने वृद्धावस्था को मात देकर समाज में अपनी अलग पहचान बनाई। युवाओं के लिए तो वे प्रेरणीय हैं ही, बुजुर्ग अवस्था की ओर बढ़रहे लोगों के लिए भी पथ प्रदर्शक हैं कि वे भी अपने बुढ़ापे को इतना उपयोगी बनाने में जुट जाएं कि उन्हें बच्चे वृद्धाश्रम भेजने का विचार भी मन में ना ला सकें।

यहां मैं चेन्नई के पद्मश्री बंशीलाल राठी का उल्लेख करना जरूरी समझता हूं, जो 83 वर्ष की अवस्था में भी समाज की सेवा में अनवरत जुटे है। आदित्य विक्रम बिरला सहयोग केन्द्र के माध्यम से समाज के युवा उद्यमियों की सहायता के लिये 25 करोड़ रू. का लक्ष्य का संकल्प लेकर लगातार जुटे हुए हैं। वे स्थाओं के साथ मिलकर समाज की सेवा में जुटे हैं। इस कड़ी में इंदौर के शिक्षा सारथी पुरूषोत्तमदास पसारी, सोड़ानी दंपत्ति, डॉ. एस.के.माहेश्वरी आदि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व भी हम सब के लिए प्रेरणा स्त्रोत है।

इस अंक का दूसरा पहलू समाज संगठन की यात्रा की बात है। जयपुर चुनाव ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हमारा समाज ने केवल सक्षम अपितु वैचारिक नजरिये से भी समुन्नता है। इस चुनाव में सत्यनारायण काबरा की जीत इस बात की द्योतक है कि समाज को धन-दौलत दिखाकर बरगलाया नहीं जा सकता। समाज का सिरमोर वही होगा जिसमें विजन है, क्षमता है और समाज को आगे ले जाने की सफल कार्यशैली है। मतदाता दाम को नहीं काम को सलामी देने को प्रतिबद्ध हैं। यह बात अब अ.भा. माहेश्वरी महासभा को भ समझ में आ जातना चाहिए। अब समय है कि महासभा अपने मौजूदा कार्यक्रम की समीक्षा कर ले, अन्यथा समाज उन्हें भी आईना दिखाने से नहीं चूकेगा।

इस अंक में भी आप सभी स्थायी स्तंभों के साथ अन्य रोचक, ज्ञानवर्धक आलेख पाएंगे। अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया हमें अवश्य भेंजें।

पुष्कर बाहेती

जिनके आशीषों से हम बड़े हुए हैं उन्हें विनम्र प्रणाम

बैंगलोर निवासी श्री रामगोपाल मूंदड़ा व्यवसाय व समाजसेवा दोनों क्षेत्रों की एक जानी-मानी हस्ती हैं। आपका जन्म 3 जनवरी सन 1940 को बीकानेर (राजस्थान) में स्व. श्री छोटूलाल मूंदड़ा व श्रीमती मीनाबाई मूंदड़ा के यहां हुआ था। व्यावसायिक तौर पर आप "मूंदड़ा लाईटिंग सेंटर" के नाम से विद्युत उपकरणों का अत्यंत वृहद स्तर पर व्यवसाय कर रहे हैं। समाज संगठन के अंतर्गत आप वर्ष 1988-92 में माहेश्वरी सभा बैंगलोर के अध्यक्ष, वर्ष 1994-98 में माहेश्वरी ट्रस्ट के अध्यक्ष, कर्नाटक प्रांतीय माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष तथा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य रहे हैं। स्थानीय माहेश्वरी भवन व माहेश्वरी होस्टल माहेश्वरी फाउंडेशन बैंगलोर के संरक्षक ट्रस्टी हैं। लायंस क्लब नानगानाल्लूर मद्रास के वर्ष 1969 से चार्टर्ड सदस्य हैं। लायंस क्लब बैंगलोर सिटी के सिल्वर वर्ष 1984 में सचिव रहे और वर्तमान में भी सदस्य हैं। वर्ष 1972-73 में इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन बैंगलोर के उपाध्यक्ष रहे। इसके साथ कर्नाटक चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, सिनियर सिटीजन की संस्था जन ज्योति व डिग्निटी फाउंडेशन से भी सम्बद्ध हैं। दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण होने के बावजूद वर्ष 2009 से मैराथन में सतत भाग ले रहे हैं।

वृद्धावस्था जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है। लेकिन विडम्बना है कि यही सबसे ज्यादा उपेक्षित भी है। उम्र के इसी मोड़ पर मनुष्य को सेवा-सुश्रुषा की जरूरत होती है। सेवा शरीर की होती है, सुश्रुषा मन की होती है। शरीर को पथ्य देना, बीमारी में दवा देना, सुलाना, जगाना, यह सेवा है। मन बहलाने के लिए मीठी-मीठी बातें करना और अच्छी बातें करना सुश्रुषा है। 'सु' का अर्थ सुनने से भी है। अच्छी बात कहना-सुनना। वृद्ध भी शारीरिक रूप से असमर्थ और अशक्त होते हैं। उन्हें सुनना बातचीत करना, सुखकर लगता है। बुढ़ापे में सेवा और सुश्रुषा दोनों की जरूरत होती है। यह जीवन की एक अनिवार्य अवस्था है। सभी को इस अवस्था से गुजरना पड़ता है। इसे नकारना मनुष्य के लिए संभव नहीं है। यह सब जानते हुए भी वर्तमान में यदि सबसे अधिक किसी की उपेक्षा हो रही है, तो बुजुर्गों की ही। इन सबके मूल में संयुक्त परिवारों का विग्रह भी है।

पहले परिवार पर वरिष्ठों का नियंत्रण था। संगत को भी कड़ी कसौटी पर परखा जाता था। संगी-साथी का खानदान कैसा है? मां-बाप कैसे हैं? किन-किन घरों में आना जाना रहता है? इन सब बातों पर परिवार के बड़े बुजुर्गों द्वारा पैनी निगाह रखी जाती थी। आज स्थिति एकदम उलटी है। संगी-साथी का कोई विचार नहीं रहा। समय-कुसमय का भी ध्यान नहीं है। आहार-विहार का तो कोई नियम ही नहीं है। पास-पड़ौस का रिश्ता भी नदारत हो गया। शहरी सभ्यता पनप रही है। औद्योगिक सभ्यता का अर्थ ही शहरी सभ्यता है। परिवार का बंधन या अंकुश दुःखों का नाश करता है। आपका उठना-बैठना, सोना-जागना, बोलना-चलना और आहार-विहार नियंत्रित है, तो आधा दुःख तो वैसे ही खत्म हो जाएगा। यह नियंत्रण परिवार से ही संभव है जिसका विस्तृत रूप समाज है।

यदि हम वर्तमान में बढ़ते इन अपराध व असुरक्षा की स्थितियों तथा चारित्रिक पतन पर नजर डालें, तो इनके मूल में संयुक्त परिवार का विग्रह व बुजुर्गों की उपेक्षा ही है। संयुक्त परिवार में बुजुर्ग की स्थिति परिवार के मुखिया की थी, जो सम्पूर्ण परिवार पर नियंत्रण रखता था। वह सम्पूर्ण परिवार पर सुरक्षा व स्नेह की एक ऐसी छाया था, जिसके नीचे सम्पूर्ण परिवार सुखद जीवन व्यतीत कर रहे थे। यदि हम उसी सुखद जीवन की कामना करते हैं, तो परिवार के बुजुर्गों को फिर से वही मान-सम्मान व महत्त्व देना होगा। विदेश तो अब हमारे इस आदर्श परिवारवाद पर शोध कर इसे अत्यन्त हितकर मानकर अपनाने के लिए ललायित है, लेकिन दुर्भाग्य कि हम ही इससे दूर हो रहे हैं। यदि समय रहते हमने अपनी इस भूल को सुधारा नहीं तो हम बहुत कुछ खो देंगे। याद रखें बुजुर्गों की स्थिति तो ठीक वृक्षों की तरह है, जो लेते तो बहुत कम हैं, लेकिन देते बहुत कुछ हैं।

अंत में मैं वर्तमान दौर में समाज के समस्त संगठनों में सबसे सक्रिय रूप से सेवा प्रदान करने के लिये अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन व उसको नेतृत्व प्रदान कर रही अध्यक्ष सुशीला काबरा को बधाई देना चाहूंगा। वर्तमान में समाज संगठन इसलिये निष्क्रिय होते जा रहे हैं कि उनसे समर्पित कार्यकर्ता दूर हो रहे हैं। समाज संगठन केवल धन से नहीं चलता, इसके लिये नेतृत्व का आचरण भी श्रेष्ठ होना जरुरी है। संस्थाओं को स्वप्रचार का केंद्र न बनाएं। समाज के लिये कुछ, स्वयं के लिये अलग नियम नहीं चल सकते। कार्यकर्ता की सेवा का सही-सही आंकलन हो और उसे उसकी सेवा का उचित सम्मान प्राप्त हो, तभी समर्पित कार्यकर्ता समाज संगठन से जुड़ेंगे। अन्यथा ये तो चंद लोगों की संस्थाऐं बन कर रह जाएंगे।

रामगोपाल मूँदड़ा
अतिथि सम्पादक
E-mail : mundhralighting@gmail.com

श्री बैकेश्वरी (बाकल) माताजी

श्री बैकेश्वरी माताजी का मंदिर राजस्थान के जोधपुर जिले में उम्मेद नगर के पास एक पहाड़ी पर छोटे स्थान पर स्थित है। जब तक माँ बैकेश्वरी के इस स्थान का पता नहीं था, तब तक लड्ढा खाँप वाले सच्चियाय माता को ही पूजते थे। किन्तु प्रथक से पता चलने पर यह स्थान प्रकाश में आया और अब अधिकतर लड्ढा खाँप वाले माता बैकेश्वरी को ही पूजते है। लड्ढा खाँप की गौत्र सिलांस व सपीबंधर है। माताजी का स्थान जोधपुर के औसियाँ मार्ग पर उम्मेद नगर बस स्टेण्ड से 5 कि.मी. की दूरी पर दीपली, भाखरी नामक स्थान पर एक पहाड़ी के उपर हैं। माहेश्वरी समाज के उन्मेद नगर में कुछ समय पूर्व 90 घर थे लेकिन अब औसियाँ व अन्य स्थानों पर चलें जाने से केवल 6 घर हैं। यहाँ सभी लड्ढा खाँप के ही परिवार हैं। माताजी के स्थान पर केवल एक चबूतरा था, जहाँ माताजी की प्रतिमा स्थापित थीं। इसे ही पूजा जाता था। अब यहाँ एक मंदिर का निर्माण किया जाना है, जिसका शिलान्यास। यहाँ शीघ्र ही मकराना पत्थर की एक नई प्रतिमा स्थापित की जा रही हैं।

विशेष आयोजन

केवल नवरात्रि में ही यहाँ ज्योति के दिव्य दर्शन होते हैं। नवरात्रि में प्रातः संध्या दीप ज्योति होती है। वर्ष में एक बार जागरण का आयोजन भी होता है। यहाँ दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालुजन आते हैं। जन

श्री बैकेश्वरी माताजी को कहीं-कहीं बाकल माताजी या बीसल माताजी भी कहा गया है। इन्हें मुख्यतः लड्ढा खाँप वाले परिवार ही मानते और पूजते हैं। किन्तु कुछ अंशों में डागा खाँप वाले भी पूजते हैं।

सहयोग से ऊपर जाने के लिए सीढ़ियाँ व अन्य निर्माण प्रस्तावित व प्रक्रिया में है।

कहाँ ठहरे

यहाँ आने वाले समाजजनों के ठहरने की व्यवस्था के लिए यहाँ रहने वाले प्रत्येक परिवार यथा संभव सहयोग के लिए तत्पर रहते है। समीप के शहर जोधपुर में माहेश्वरी भवन आदि भी हैं, जहाँ ठहरा जा सकता है। इसके अलावा अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होटल भी उपलब्ध हैं।

प्रमुख सम्पर्क बिंदू

1) श्री घनश्याम चम्पालाल लड्ढा
सदर बाजार, उम्मेद नगर तह. तिवरी जिला जोधपुर
फोन : 02926- 222572,
मो. 097841-10148, 099503-33300

2) श्री बाबूलाल लड्ढा
मसूरिया, जोधपुर
मो. 094140-70008

कैसे पहुँचें

जोधपुर व औसियाँ के मध्य में औसियाँ से 22 कि.मी. जोधपुर की ओर तथा जोधपुर से 35 कि.मी. औसियाँ की ओर मठानिया रेल्वे स्टेशन से उम्मेद नगर 4 कि.मी. एवं नागौर मार्ग से व्हाया भवाद आने पर बावड़ी से 24 कि.मी. की दूरी पर औसियाँ में रेल व बस सुविधा उपलब्ध हैं।

युवा संगठन ने दिखाऐ ''शाइनिंग स्टार्ज''

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन का हुआ पुणे में आयोजन-300 से अधिक प्रतिभाओं ने दी प्रस्तुति

पुणे। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के आह्वान पर महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा पुणे जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में ''ABMYS शाइनिंग स्टार्ज'' अंतराष्ट्रीय यूथ फेस्टीवल का 11 से 13 सितम्बर तक ऐतिहासिक आयोजन हुआ। इस युवा महाकुंभ में देश-विदेश से करीब 300 प्रतियोगी समेत करीब 1 हजार लोगों की जबरदस्त उपस्थिति थी। शाइनिंग स्टार्ज में ''आजा नचले'', ''वाइस ऑफ माहेश्वरी'', ''माहेश्वरीज गोट टैलेंट'' एवं ''मिस एवं मिस्टर माहेश्वरी'' स्पर्धा का आयोजन किया गया।

गत 11 सितम्बर को सायं 7.01 बजे पुणे के महेश सांस्कृतिक भवन के सुंदर लॉन में कार्यक्रम का उद्‌घाटन हुआ। इसमें उद्‌घाटनकर्ता के रूप में महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, मुख्य अतिथि महासभा के दक्षिणांचल उपसभापति रामनिवास जेथलिया व विशिष्ट अतिथि के रूप में युवा संगठन के भूतपूर्व अध्यक्ष चंद्रमोहन नागौरी, श्याम सोनी, रमेश मर्दा, अनिल मानधनी, अशोक इनानी, संजीव चांडक आदि मौजूद थे। युवा संगठन के इतिहास में यह पहला मौका था कि लगभग सभी भूतपूर्व अध्यक्ष भी युवा संगठन के कार्यक्रम में मौजूद थे।सभी अतिथियों का पुष्प व मोमेन्टो देकर स्वागत किया गया। स्वागत पश्चात निशा मारू द्वारा स्वागत गीत गाया गया। स्थानीय अध्यक्ष ब्रह्मानंद लाहोटी और प्रदेश अध्यक्ष सचिन चांडक ने भी प्रदेश की तरफ से स्वागत भाषण दिया। उसके पश्चात अतिथियों द्वारा अपना-अपना संबोधन रखा गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा ने बताया कि ''शाइनिंग स्टार्ज'' में कई माहेश्वरी प्रोफेशनल ने भी सामने आकर समाज के लिए कुछ करने के भाव से रुचि दिखाई। जिसमें दिल्ली की इमेज मेकर एवं ट्रेनर शिखा कोठारी व मिस्टर इंडिया 2014 के रनर अप व कई मशहूर ब्रांड के लिए मॉडलिंग कर चुके मुंबई के पंकज मूंदड़ा प्रमुख थे। इस अवसर पर युवा संगठन की सदस्य पुस्तिका ''एम-कनेक्ट'' का विमोचन भी किया गया। राष्ट्रीय संयोजक राहुल भूतड़ा ने आभार व्यक्त किया।

कब क्या हुआ

12 सितम्बर को सभी प्रतियोगिताओं के अलग-अलग जगह पर पहले व द्वितीय चरण आयोजित हुए। गायन के दोनों चरण पुणे के सुप्रसिद्ध डॉन रिकॉर्डिंग स्टूडियो में हुए। वहीं नृत्य के सभी राउंड गणेश क्रीड़ा व मुक्तांगना ऑडिटोरियम व मिस्टर एंड मिस/मिसेस माहेश्वरी का श्रीजी बेंकवेट्स में आयोजन हुआ।

12 सितम्बर सायं 4 बजे -श्री महेश सांस्कृतिक भवन में राष्ट्रीय युवा संगठन की पंचम कार्यसमिति व तृतीय कार्यकारी बैठक आयोजित हुई। जिसमें 14-15-16 जनवरी 2015 को आयोजित राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कार्निवाल के मेस्कोट ''तंबी'' का विमोचन किया गया। तंबी एक तमिल शब्द है। जिसका मतलब है छोटा भाई। विमोचन पश्चात चेन्नई से खास स्पोर्ट्स कार्निवाल की रूप रेखा बताने आए अनुराग माहेश्वरी, शैलेष बिसानी, अनिल दलाल, जयप्रकाश राठी, चंद्रप्रकाश टावरी आदि ने कार्यक्रम का पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया। इसके साथ आगामी अगस्त 2016 में राजस्थान में युवा महाधिवेशन व दिसम्बर 2016 में लिविंग ऑफ माहेश्वरी आयोजित करने हेतु चर्चा हुई। आई.टी. संयोजक अक्षय सारड़ा ने MITF संयोजक कैलाश गाँधी के साथ मिलकर ''एम-कनेक्ट'' मोबाइल ऐप लॉन्च किया।

13 सितम्बर दोपहर 3.15 बजे-गणेश कला क्रीडा मंच ऑडिटोरियम में शुरू हुआ ''ABMYS शाइनिंग स्टार्ज'' का ग्रान्ड फिनाले। राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा, सांस्कृतिक मंत्री संदीप करनानी, महामंत्री राजकुमार काल्या, संयोजक राहुल भूतड़ा, निर्वतमान अध्यक्ष संजीव चांडक, निवर्तमान महामंत्री नारायण मालपानी, भूतपूर्व अध्यक्ष अशोक इन्नानी आदि उपस्थित थे। सभी प्रतियोगिताओं में प्रतियोगी की कला को देखकर दर्शकगण, अतिथि व सभी जज मंत्र मुग्ध हो गए।

ग्रान्ड फिनाले में उद्घाटनकर्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू राजस्थान की जलदायी मंत्री किरण माहेश्वरी, माहेश्वरी बोर्ड के चेयरमेन रामअवतार जाजू, डिसर्व ग्रुप मुंबई के मनीष सारडा, महासभा के कोषाध्यक्ष रमेश बंग, महासभा संगठन मंत्री संदीप काबरा आदि उपस्थित थे।

ये बने सफलता के सारथी

इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष सचिन चांडक, सचिव राहुल बाहेती समेत पूरी पुणे जिला माहेश्वरी युवा संगठन की टीम जुटी थी। कार्यक्रम के दानदाता मुख्य स्पोंसर डी.एम. राठी एंड डेव्लपर्स पुरस्कार पार्टनर डीसर्व ग्रुप मुंबई के मनीष सारडा, श्री महेश बैंक, केलिक्स ग्रुप, श्री बालाजी एजुकेशन सोसायटी, स्माइल्स हॉलिडे आदि प्रमुख थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भूतड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम की सफलता के पीछे राष्ट्रीय संगठन की पूरी टीम लगी हुई थी। जिसमें विशेष तौर पर सांस्कृतिक मंत्री संदीप करनानी ने दिन-रात एक करके पूरे देश के प्रतियोगियों से सीधा संपर्क साध कर पुणे में ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज करवाई।

इन्होंने फहराया परचम

- **वाइस ऑफ माहेश्वरी विजेता-** तनय मिमानी, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल व **उप-विजेता-** प्रियंका झंवर, पिपरिया, मध्यप्रदेश।
- **आजा नच ले (एकल) ए-विजेता-** रैना बिसानी, चेन्नई, तमिलनाडू व **उप-विजेता-** ऋषि मेहता, चेन्नई, तमिलनाडू।
- **आजा नच ले-(एकल) बी-विजेता-** नेहा मालू, सांगली , महाराष्ट्र व **उप-विजेता-** तरुण राठी, बालोद।
- **आजा नच ले (ग्रुप) विजेता-** टीम मुंबई (राखी फलोद, गरिमा रान्दड, प्रिया मूना, अर्चना मालपानी, आस्था बागड़ी व **उप-विजेता-** टीम पुणे।
- **मिस-मिसेस माहेश्वरी 2015- विजेता-** डॉ. सुनीता पेड़ीवाल,जयपुर, राजस्थान व **उप-विजेता-** विभा भट्टड़, पुणे महाराष्ट्र।
- **मिस्टर माहेश्वरी 2015- विजेता-** चैतन्य राठी, पुणे, महाराष्ट्र व **उप-विजेता-** संदेश मूंदड़ा, अहमदाबाद, गुजरात
- **माहेश्वरी गोट टेलेन्ट-** विजेता जाजू, लुधियाना (पंजाब हरियाणा प्रदेश) व **उप-विजेता-** हर्षिता मालपानी, हैदराबाद (आंध्रप्रदेश)।

प्रतिभा व शिक्षकों का किया सम्मान

हैदराबाद। राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा प्रतिवर्षानुसार प्रतिभा पुरस्कार वितरण एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन विकास समिति संयोजक गोपालदास सारड़ा, सह संयोजक अजय अग्रवाल व समन्वयकर्ता जितेंद्र विजयवर्गीय द्वारा हरिनारायण व्यास के मार्गदर्शन में किया गया। इसके मुख्य अतिथि एटला राजेंद्र वित्त मंत्री तेलंगाना सरकार एवं नैना जायसवाल थी। विशेष अतिथि के रूप में अशोक टिबडेवाल उपस्थित थे। प्रतिभा विकास समिति की गतिविधि के बारे में संयोजक गोपाल सारड़ा ने जानकारी दी। अध्यक्ष गिरधारीलाल तोषनीवाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। राजस्थानी स्नातक संघ के मंत्री विनोद बंग ने संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। परामर्शदाता हरिनारायण व्यास द्वारा आरजीए स्वर्ण जयंती शिक्षा न्यास के बारे में जानकारी दी। जिसके परिणाम स्वरूप गोविंदराम बंग ने प्रभावित होकर पांच लाख रुपए का इण्डोमेंट फंड में योगदान दिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में गुरुओं का सम्मान किया गया। इस वर्ष शिक्षक सम्मान समारोह के अंतर्गत गुरुजी बालकिशन शर्मा एवं विजयकुमार बांगड को आमंत्रित किया गया। इस बार प्रतिभा पुरस्कार के लिए 183 छात्र-छात्राओं की प्रविष्टियां आईं। मंचासीन अतिथियों ने प्रतिभाओं को पुरस्कार वितरित किये। कार्यक्रम के अंत में संघ के सहमंत्री प्रदीप चांडक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रेषित किया।

''जिला संगठन आपके'' द्वारा विमोचित

उदयपुर। दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की कार्य समिति एवं कार्यकारी मंडल की बैठक प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम सोमानी की अध्यक्षता में माहेश्वरी भवन श्रीनाथ मार्ग में सम्पन्न हुई। इसमें चेतना लहर, परिवार परिवेदना प्रकोष्ठ, कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर एवं कॅरियर गाईडेन्स कार्यक्रमों की महत्ता पर चर्चा कर आयोजन हेतु निर्णय लिया गया। इस अवसर पर जिला माहेश्वरी सभा उदयपुर द्वारा डॉ. पी.आर. सोमानी के सम्पादन एवं मुरलीधर गट्टानी की संरक्षकता में समाज हितार्थ प्रकाशित पुस्तिका ''जिला संगठन आपके द्वार'' का विमोचन किया गया। जिला अध्यक्ष मोहनलाल देवपुरा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष जानकीलाल मूंदड़ा ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। प्रदेश महामंत्री इंदरमल छापरवाल एवं जिलामंत्री सम्पतलाल मंडोवरा ने आभार व्यक्त किया।

> सबसे फायदेमंद सौदा होता है
> बुजुर्गों के पास बैठना।
> चंद लम्हों के बदले
> वर्षों का तजुर्बा दे देते हैं।

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला केंद्र की बैठक सम्पन्न

उपस्थित नहीं हो पाईं श्रीमती बिड़ला ▸▸केंद्र ने सेवा के लिये कोष वृद्धि का लिया संकल्प

चैन्नई। श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की बैठक गत 19 सितम्बर को सम्पन्न हुई। इस बैठक में केंद्र की सदस्य संख्या व कोष की वृद्धि कर सहयोग को और भी अधिक बढ़ाने का निर्णय किया गया।

केंद्र अध्यक्ष राजश्री बिड़ला अपने श्वसुर श्री बसंतकुमार बिड़ला की अस्वस्थता के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सकी। अतः बैठक की अध्यक्षता कार्याध्यक्ष बंशीलाल राठी ने ही की। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए हर सदस्य से 1 से 2 नवीन सदस्य बनाने और आगामी वर्ष में केंद्र का कोष वर्तमान के 16 करोड़ 9 लाख 37 हजार 537 रुपये से 25 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित न हो पाने पर केंद्र अध्यक्ष श्रीमती बिड़ला का लिखित अध्यक्षीय संबोधन प्राप्त हुआ, जिसे पढ़कर सुनाया गया। अपने इस संबोधन में श्रीमती बिड़ला ने कार्याध्यक्ष श्री राठी व महामंत्री कस्तूरचंद बाहेती की उनकी समर्पित सेवाओं के लिये सराहना की। इसके साथ उन्होंने स्कील डिवलपमेंट योजना प्रारंभ करने का सुझाव भी दिया। श्री राठी ने भी श्री बाहेती की सेवाओं की सराहना करते हुए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित हुए "नार्थ अमेरिका माहेश्वरी महासभा" के सभापति पराग बजाज का भी अभिनंदन किया गया। बैठक के दौरान कई सदस्यों ने विचार व्यक्त किये, जिनमें व्यवसायियों को प्रदान की जाने वाली ऋण राशि के तीन लाख रुपये किये जाने का प्रस्ताव प्रमुख था। इस अवसर पर महामंत्री कस्तूरचंद बाहेती का उनकी सेवाओं तथा 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर श्री राठी सहित सदस्यों ने अभिनंदन किया।

नई कार्यकारिणी हुआ गठन

आगामी सत्र 2015-18 हेतु नई मेनेजिंग कमेटी एवं सहयोगी कमेटी का गठन चुनाव अधिकारी हरिकृष्ण झँवर ने सभी की सहमती से चुनाव प्रक्रिया में न जाते हुय चयन प्रक्रिया के माध्यम से करने के लिए बंशीलाल राठी को अधिकृत किया गया। इसमें सर्वसम्मति से 21 सदस्यों की मेनेजिंग कमेटी का चयन किया है। इनमें पद्मभूषण राजश्रीजी बिरला मुंबई (अध्यक्ष), पद्मश्री बंशीलाल राठी चेन्नई (कार्याध्यक्ष), कस्तुरचन्द बाहेती चेन्नई (महामंत्री), हरिकृष्ण झँवर चेन्नई (अर्थमंत्री), श्यामसुन्दर काबरा मुंबई (सहमंत्री), नवलकिशोर राठी चेन्नई, पुरूषोत्तम सोमाणी निजामाबाद, रामगोपाल मुंदड़ा सूरत, रमेशकुमार बंग हैदराबाद, कमलकिशोर चांडक जोधपुर, सुरेश राठी नागौर, कृष्णगोपाल गट्टाणी उदयपुर, सत्यनारायण लाहोटी बीड़ (महा.), जगदीशप्रसाद सोमाणी भीलवाड़ा, अशोक जाजू जलगाँव, रामविलास सोनी औरंगाबाद, बाबूलाल करवा मुंबई, रामरतन मुंदड़ा भाटापारा एवं शेखर चांडक चेन्नई शामिल है। महासभा के पदेन सदस्य के रूप में जोधराज लड्ढा कोलकाता एवं रामकुमार भूतड़ा जलोर शामिल हैं।

उपस्थित सभी सदस्यों ने केन्द्र के नये पदाधिकारी, मेनेजिंग कमेटी एवं सहयोगी समिति सदस्यों को हार्दिक बधाई देते हुए अभिनन्दन किया और विश्वास दिलाया कि केन्द्र कार्य में उनका सदैव पूर्ण सहयोग रहेगा।

अब जन-जन तक पहुँचेगा केन्द्र

श्री आदित्य विक्रम बिडला केन्द्र अब अपनी सेवाओं को द्रुतगति से संचालित करने के लिये हाईटेक हो रहा है। इसके अन्तर्गत www.avbmkendra.in के नाम से केन्द्र की वेबसाइट का शुभारम्भ पद्मश्रीबंशीलाल जी राठी के हाथों किया गया। वेबसाइट में महासभा एवं केन्द्र से संबंधित और भी जानकारी सम्मिलित की जावेगी। महामंत्री श्री बाहेती ने बताया कि केन्द्र की योजनाओं के प्रचार-प्रसार को ध्यान में रखते हुए केन्द्र द्वारा त्रैमासिक न्यूज लेटर प्रकाशित करने की योजना है। इस हेतु 'अनुठा प्रयास' के नाम से न्यूज लेटर का पंजीकरण भी हो गया है। आगामी सितम्बर माह में केन्द्र का यह पत्र प्रकाशित किया जायेगा। इसके अलावा सॉफ्टवेयर के माध्यम से किस्त ड्यू एवं जमा की सूचना भी हितग्राही बन्धुओं को एसएमएस द्वारा भेजने का कार्य दीपावली तक पूर्ण हो जावेगा।

समाज की महाराष्ट्र व्यापी आद्य शिक्षा संस्था
माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल
स्थापना : १९२१

Applications are invited for MVPM's Maheshwari Scholar - 2015

A Tribute to Academic Excellence

What is the award?

✓ A Gold Medal worth Rs 50,000 to Maheshwari Scholars and a certificate of merit.

✓ A Gold / Silver Medal worth Rs 25,000 to Promising Maheshwari Scholars and a certificate of merit.

Who is eligible?

✓ **Maheshwari students who have completed or are likely to complete their course between 1st October 2014 & 30th September 2015 from following disciplines:**

- BE/B. Tech / B. Arch / ME/M.Tech /M.Arch /MCA
- BDS/MBBS / MDS/MD/MS/ M.Ch / DM
- PGDM/ MBA
- CA/ICWA/CS/CFA
- Ph.D (any discipline)

✓ Exceptional students with outstanding academic records from other disciplines may also be considered by the management.

✓ **Maheshwari** Candidates who have qualified Civil Services (UPSC) examinations & have been selected for appointment, are also encouraged to apply.

How are awardees selected?

✓ The scholars are supposed to have consistently outstanding academic credentials & are selected through a rigorous selection process carried out by an eminent jury.

How to apply?

✓ Download an application form from MVPM website & send a hard as well as soft copy to MVPM office **latest by 31st October 2015.**

Address for Correspondence

1099 / A, Model Colony, Pune - 411 016. Ph.: +91-20-25671090 / 91
• E-mail: scholar@mvpm.org • URL: www.mvpm.org

9 जनवरी 2016 से त्रिदिवसीय महिला महाधिवेशन

प्रथम बार होगा राष्ट्रीय स्तर पर समाज की प्रोफेशनल महिलाओं की वर्कशाप व सेमिनार का आयोजन

इंदौर। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन 9 से 11 जनवरी 2016 तक इंदौर में महिला महाधिवेशन का आयोजन करने जा रहा है। इसमें इस बार समाज की प्रोफेशनल महिलाओं की वर्कशाप व सेमिनार का आयोजन भी होगा। इसमें शामिल होने के लिये आगामी 20 नवम्बर तक पंजीयन होगा।

उक्त जानकारी देते हुए संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने बताया कि इंदौर जिला महिला संगठन के आतिथ्य में होने वाले इस राष्ट्रीय महाधिवेशन में सम्पूर्ण भारत से 5 हजार से अधिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। श्रीमती काबरा ने बताया कि इस महाधिवेशन में विभिन्न उपयोगी व रोचक कार्यक्रमों के साथ भव्य उद्घाटन समारोह, यात्रा, बेनर प्रजेंटेशन, स्वास्थ्य शिविर, औद्योगिक मेला व सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान भी होंगे। भाषण, देशभक्ति, पोस्टर व स्लोगन एवं नृत्य नाटिका प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभाओं को अपनी कला व्यक्त करने के सुअवसर के साथ समाज को उपयोगी संदेश देने का अनूठा प्रयास होगा। प्रथम बार समाज की प्रोफेशनल बहनों के सेमिनार का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ, सी.ए., फैशन डिजाईनर व छोटे उद्योग या व्यवसाय करने वाली उद्यमी बहनों की अलग-अलग कार्यशालाएं, टॉक शो या परिचर्चा का आयोजन कर समाज को उनसे लाभांवित करने का प्रयास किया जाएगा।

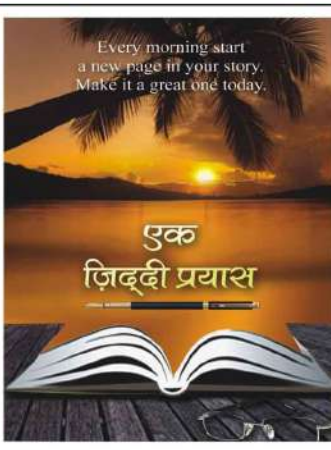

लेखक/संकलन : श्याम राठी - BE (Hons) Chartered Engineer
मोबाईल नं. : 09011026801
Email Id : usham.rathi@gmail.com
BOI A/C NO : 870610110008740

मीरा अपार्टमेंट, पहला माला,
यशवंत स्टेडियम के सामने,
धंतोली,
नागपूर-४४००१२

मुल्य रु. 300/-

पूर्व अध्यक्ष : तहसील, जिल्हा तथा प्रादेशिक सभा
पूर्व संयुक्त मंत्री-महासभा पूर्व संचालक: माहेश्वरी बोर्ड
पूर्व समिती प्रमुख - महासभा कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिती

विमोचन

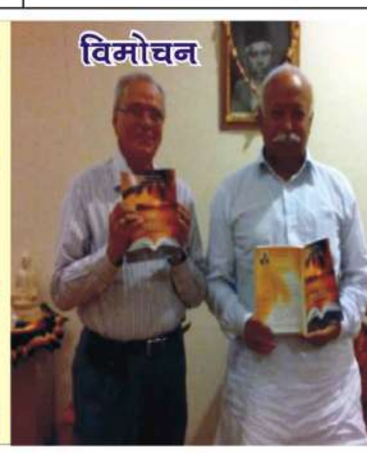

सिंहस्थ महाकुंभ में सेवा में जुटा माहेश्वरी समाज

नाशिक। गत 29 अगस्त से यहाँ सिंहस्थ महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। इसमें माहेश्वरी समाज की विभिन्न संस्थाऐं अपने-अपने ढंग से सेवा प्रदान करने में जुटी हुई हैं।

इस महाकुंभ में बड़ी संख्या में देश-विदेश से माहेश्वरी समाजजन भी शामिल हुए। इनमें से अधिकांश तो अपने-अपने रिश्तेदारों के यहाँ ठहरे थे लेकिन जिनके पास यह सुविधा नहीं है, उनके लिये अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर द्वारा नाशिक जिला माहेश्वरी सभा के सौजन्य तथा माहेश्वरी प्रगति मंडल नाशिक रोड के सहयोग से "श्रीमती मोहनबाई नंदलाल जी राठी माहेश्वरी भवन नाशिक रोड" में ठहरने की व्यवस्था की गई थी। यहाँ श्रद्धालुओं के आवास के साथ उनके भोजन, चाय, दूध, नाश्ता आदि की भी व्यवस्था की गई। जिसकी सभी ने सराहना की। श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर ट्रस्ट नाशिक सिटी द्वारा नाशिक माहेश्वरी समाज के सौजन्य से श्री बालाजी मंदिर व चौपड़ा एम्पायर में एसी व नॉन एसी कमरों व हॉल के साथ आवास, भोजन, चाय, नाश्ता व आवागमन की व्यवस्था की गई। महेश भवन सिडको में खेड़पा के महाराज श्री पुरुषोत्तमदास जी के आवास के साथ 400 से 500 श्रद्धालुओं के आवास की भी व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त समाज की कई संस्थाएं व समाजजन मेला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अन्नक्षेत्र व भंडारे सहित श्रद्धालुओं के लिये आवश्यक सुविधाएं करने में जुटे रहे।

अतिथियों का स्वागत करते हुए
नाशिक माहेश्वरी समाज के पदाधिकारीगण

उज्जैन सिंहस्थ के मेला अधिकारी श्री गोपाल डाड एवं
उनकी धर्मपत्नी का अभिनन्दन करते हुए

काबरा बने मध्य राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष

पुष्कर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन प्रांगण में गत 30 अगस्त को मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें किशनगढ़ के गोपाललाल काबरा ने विजय हासिल की। अशोक राठी ने बताया कि चुनाव अधिकारी जगदीशप्रसाद कोगटा थे। मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अंतर्गत अजमेर, नागौर, टोंक, सवाई माधोपुर जिले के प्रदेश एवं महासभा कार्यकारी मंडल के 123 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष भंवरलाल बजाज व रमेशचंद्र तापड़िया, कोषाध्यक्ष सूरजनारायण रांदड़, मंत्री श्यामसुंदर मंत्री, संगठन मंत्री ताराचंद मूंदड़ा, संयुक्त मंत्री बिहारीलाल चांडक व सुनील जैथलिया तथा सहमंत्री रामरतन छापरवाल चुने गये। कार्य समिति सदस्यों का भी चयन तथा प्रदेश कार्यकारी मंडल के सदस्यों का मनोनयन किया गया। इस अवसर पर अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के महामंत्री सुनील मूँदड़ा भी उपस्थित थे।

नासिक कुंभ यात्रा का किया आयोजन

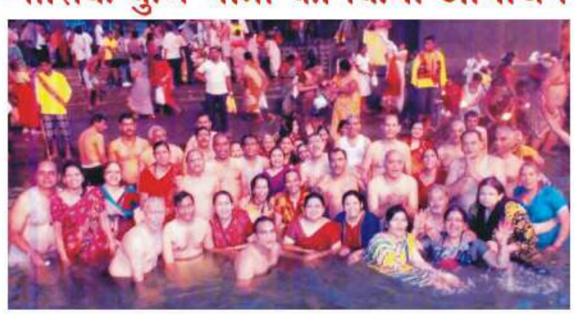

बेंगलूरू। स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा चार दिवसीय नासिक कुंभ स्नान एवं ज्योतिर्लिंग के दर्शनों की यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें 81 सदस्यी दल ने नासिक में कुंभ स्नान एवं त्र्यम्बकेश्वर, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के दर्शनों का लाभ उठाया। उक्त जानकारी सचिव निर्मल कुमार तापड़िया ने दी।

"वरिष्ठजन उसी पेड़ की तरह है
जो फल तो नहीं दे पाता
लेकिन छाया जरूर देता है।"

योग शिविर का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। योग व स्वास्थ्य लाभ शिविर का आयोजन विजयसिंह पथिक नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा 13 से 17 सितम्बर तक किया गया। इसमें योग गुरु सुखदेव आचार्य व उनके सहायक रविकांत लड्ढा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। अध्यक्ष प्रकाश गंदोडिया व मंत्री अमित तोषनीवाल ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में शिव मूंदड़ा, अभिषेक न्याती, दीपक गगराणी, गोविंद अजमेरा, सतीश सोड़ानी, अशोक मुरोठिया, सत्यनारायण मूंदड़ा तथा योग शिविर में प्रभारी बद्रीलाल काबरा एवं सह प्रभारी जयप्रकाश गंदोड़िया आदि का विशेष सहयोग रहा।

सामूहिक रूप से मनाये व्रत-त्यौहार

सूरत। श्री जैसल मैत्री मंडल द्वारा गत 17 अगस्त को हरियाली तीज का सामूहिक उज्ज्वना माहेश्वरी भवन पर किया गया। जिसमें 275 महिलाओं की उपस्थिति रही। इसके पश्चात 22 अगस्त को सावन की पिकनिक का आयोजन फार्म हाउस पर 65 महिलाओं की उपस्थिति के साथ किया गया। 9 सितम्बर को बछबारस का उज्ज्वना सामूहिक रूप से 250 महिलाओं की उपस्थिति के साथ किया गया। उक्त जानकारी देते हुए संगठन मंत्री मीना बिसानी ने बताया कि कार्यक्रम में मंडल की सभी सदस्याओं का विशेष सहयोग रहा।

बंग बने आं.प्रा. माहेश्वरी सभा ट्रस्ट के चेयरमैन

हैदराबाद। आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ट्रस्ट का सत्र 2015-18 के लिये पदाधिकारियों का चुनाव जाखोटिया आर्केड, बशीरबाग में सम्पन्न हुआ। इसमें ट्रस्ट के चेयरमैन रमेश कुमार बंग निर्विरोध निर्वाचित हुए। वाइस चेयरमैन ओमप्रकाश जाखोटिया एवं मनेजिंग ट्रस्टी ओमप्रकाश टावरी भी निर्विरोध चुने गये। उक्त जानकारी चुनाव अधिकारी रामपाल अट्टल ने दी।

वन विहार में छाए मस्ती के रंग

हैदराबाद। माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) का वन-विहार कार्यक्रम गत 13 सितम्बर को शादनगर स्थित बालाजी मंदिर में आयोजित हुआ। इस अवसर पर बच्चों के लिये ऊँट-घुड़सवारी, इनफ्लेटबल स्लाईड्स, महिलाओं के लिए झूले-चिरमियाँ, युवाओं के लिए कबड्डी, ट्रेजर हंट, क्रिकेट आदि कई मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्य अशोकानंद द्वारा योग तथा घरेलु उपचारों के बारे में जानकारी दी गई। सहमंत्री लक्ष्मीकांत झंवर मुख्य संयोजक तथा जगदीश झंवर सह संयोजक थे। गोविंद प्रसाद भक्कड़ तथा गणेशचंद सोनी सहित माहेश्वरी युवा समिति का विशेष योगदान रहा।

श्री महेश राठी व मूंदड़ा सम्मानित

मकराना। माहेश्वरी एकता पत्रिका के तत्वावधान में गत 25 अगस्त को श्रीरामधन रान्दड़ भवन मकराना में माहेश्वरी एकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि रामकुमार भूतड़ा महामंत्री अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा थे। अध्यक्षता महावीरप्रसाद बिदादा अध्यक्ष नागौर जिला माहेश्वरी सभा ने की। अतिथि स्वागत सत्यनारायण झंवर अध्यक्ष माहेश्वरी पंचायत बोर्ड मकराना ने किया। विशिष्ठ अतिथि के रूप में घनश्याम भट्टड़ उपाध्यक्ष अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन, पुरूषोत्तम लाहोटी, सुनिता रान्दड़ महामंत्री मध्य राजस्थान माहेश्वरी महिला मंडल संगठन, हरिप्रसाद राठी साहित्यकार जोधपुर, आचार्य श्याम शंकरलाल शास्त्री कथा वाचक वृन्दावन आदि उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रीति जाजू के निर्देशन में तैयार किया गया। सम्मेलन में माहेश्वरी समाज के महेश राठी केकडीवाले मुम्बई को वर्ष 2013-2014 के लिए एवं रामगोपाल मून्दड़ा सूरत को वर्ष 2014-2015 के लिए ''माहेश्वरी ऑफ दी डिकेट'' से सम्मानित किया गया।

"तर्क के साथ लोगों को
जीतनेकी अपेक्षा
अपनी मुस्कान के साथ
उन्हें पराजित कीजिए
क्योंकि जो लोग आपसे हमेशा
बहस करनेकी इच्छा करतेहैं
आपकी चुप्पी से
कभी बहस नहीं कर सकते।"

काबरा के हाथों में अब जयपुर समाज का नेतृत्व

▸▸ कार्यकारिणी में भी काबरा टीम के 50 सदस्य जीते ▸▸ भाला टीम 22 पर सिमटी

जयपुर। अत्यंत प्रतिष्ठित माने जाने वाले श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के सत्र 2015-18 के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें समाज ने समाजसेवी सत्यनारायण काबरा की सेवा व उनकी क्षमता पर विश्वास करते हुए उन्हें अध्यक्ष के रूप में समाज का नेतृत्व सौंपा है।

इस चुनाव में अध्यक्ष पद के लिये श्री काबरा का मुकाबला केदारमल भाला से था। चुनाव अधिकारी डी.एन. जाजू से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री काबरा को 7613 वोट एवं श्री भाला को 6629 वोट मिले। सत्यनारायण काबरा 984 वोट से अध्यक्ष पद हेतु विजयी घोषित किये गये। कार्यकारिणी की 72 सीटों पर श्री काबरा की टीम के 50 एवं श्री भाला की टीम के 22 प्रत्याशी विजयी हुए।

सत्यनारायण काबरा - एक नजर

गारमेंट एक्सपोर्टर सत्यनारायण काबरा का जन्म 4 दिसम्बर 1952 को सांभरलेक में स्व. श्री रामजीदास काबरा एवं स्व. श्रीमती स्वरूपी देवी काबरा के यहां हुआ। सांभरलेक में विभिन्न संस्थाओं में सक्रिय रहे श्री काबरा की कर्मभूमि जयपुर है। वे गत 38 वर्षों से श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर में सक्रिय हैं। इसमें वे पूर्व संगठन एवं प्रचार मंत्री (स. 1996-99), सामूहिक गोठ संयोजक (सन् 1998), पूर्व कोषाध्यक्ष, दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर (सत्र 2002-2005), पूर्व भवन मंत्री दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर (सत्र 2005-2008), पूर्व शिक्षा सचिव-एम.पी.एस., प्रताप नगर, जयपुर कार्यकारिणी सदस्य श्री माहेश्वरी समाज जयपुर (सत्र 2012-15), कार्यकारिणी सदस्य- श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन 'उत्सव', कार्यकारिणी सदस्य अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवासदन, पुष्कर, संरक्षक- महेश मेडिकल रिलीफ सोसायटी (महेश अस्पताल जयपुर, संरक्षक- मालवीय नगर निकास समिति, जयपुर, अध्यक्ष- सांभर समाज जयपुर, पूर्व अध्यक्ष- सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर, पूर्व अध्यक्ष- उद्योग प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी, पूर्व सचिव-फोर्टी जयपुर, पूर्व संयुक्त मंत्री- श्री श्याम सेवा ट्रस्ट काचरोदा (राज.) पूर्व कोषाध्यक्ष- श्री माहेश्वरी समाज, सांभरलेक आदि की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। श्री काबरा अपनी टीम के सदस्यों के साथ ही समाज के सभी बंधुओं को साथ लेकर समाज के समग्र विकास के स्वप्न को साकार करने का संकल्प पूरा करना चाहते हैं। उन की धर्मपत्नी सुमित्रा काबरा, पुत्र सुमित काबरा एवं पुत्रवधु पूजा काबरा भी समाज सेवा में समर्पित हैं।

समाज ने किया तख्ता पलट

वास्तव में देखा जाऐ तो इस चुनाव में समाजजनों ने अध्यक्ष ओमप्रकाश दरगड़ की कार्यशैली से नाराज होकर उनका ही तख्ता पलट कर यह दिखा दिया है कि सिर्फ पैसा ही सब कुछ नहीं बल्कि साफ सुथरी छवि व समाज के लिये समर्पण, विजन (दृष्टि) तथा सम्मान ज्यादा जरूरी है। पराजित प्रत्याशी केदारमल भाला व उनकी टीम श्री दरगड़ के द्वारा समर्पित थी, जिसका खामियाजा उन्हें ही भुगतना पड़ा। मतदाताओं ने उनके और उनकी टीम के खिलाफ रोष व्यक्त किया। वहीं इस चुनाव के विजेता श्री काबरा को इस जीत में जयपुर माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष बजरंग जाखोटिया का समर्थन अत्यंत सहयोगी सिद्ध हुआ। श्री जाखोटिया की छवि जयपुर में एक अत्यंत सफल समाज अध्यक्ष के रूप में हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में जयपुर समाज को उसके गौरव "उत्सव भवन" तथा कन्या महाविद्यालय छात्रावास आदि कई शिक्षण संस्थाओं की सौगात दी, जिसे समाज कभी भूल नहीं सकता। गत चुनाव में जोड़तोड़ की राजनीति के कारण ही श्री जाखेटिया को हार का मुंह देखना पड़ा। लेकिन समाज ने इस बार अपनी गलती फिर से सुधार ली।

श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के
चुनाव में सफलता पर
नवनिर्वाचित अध्यक्ष

सत्यनारायण काबरा

एवं उनकी टीम को
हार्दिक बधाई
व उनके उज्ज्वल सेवाकाल के लिए
मंगलकामनाएँ...

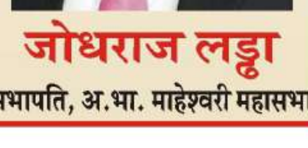

जोधराज लड्ढा
सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सातुड़ी तीज का हुआ आयोजन

माहेश्वरी समाज की महिलाओं द्वारा अपनी मारवाड़ी परम्परा कापर्व सातुड़ी तीज पूरे उत्साह व रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हुआ, जिसमें महिलाओं ने खुलकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

▸▸ बैंगलोर। स्थानीय राजराजेश्वरी नगर की माहेश्वरी एवं राजस्थानी महिलाओं ने सामूहिक तीज व्रत का आयोजन किया गया। इसमें नीमडी पूजन शोभा लखोटिया के आवास पर कर प्रत्येक वर्ष की भांति पूरे हर्षोल्लास से पर्व मनाया गया।

▸▸ कालांवाली। माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने अपनी राजस्थानी परम्परा का पालन करते हुए सातुड़ी तीज का त्यौहार धूमधाम से मनाया। महिला मण्डल कालांवली की प्रधान वीना माहेश्वरी के नेतृत्व में अनेक सुहागिन माहेश्वरी महिलाओं ने व्रत रखा। इस अवसर पर खुशबू माहेश्वरी, राज श्री कोठारी, प्रियल कोठारी, वीना लखोटिया, शीनम लखोटिया, रंजू राठी, सीमा राठी, कीर्ति कोठारी सहित अनेक महिलाऐं उपस्थित थीं।

▸▸ संगरिया (जिला हनुमानगढ़)। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 27 अगस्त को तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवती लखोटिया, भगवती करवा व पूर्व पार्षद कमला सोमानी द्वारा की गई। कार्यक्रम में अनेक मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के प्रवक्ता कपिल करवा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान ग्रामोत्थान विद्यापीठ गृहविज्ञान महाविद्यालय में छात्र कल्याण परिषद में निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर मनीषा सोमानी का अभिनंदन भी महिला मंडल पदाधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम को महिला मंडल की प्रदेश प्रतिनिधि सरला सोमानी व कांता लखोटिया ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सुरभि राठी ने किया। उपाध्यक्ष विमला पेड़ीवाल, सचिव बिंदु सोमानी, सहसचिव विम्पल गट्टाणी, सांस्कृतिक मंत्री नीरू सोमानी आदि सहित समस्त सदस्याओं एवं युवा संगठन सदस्यों ने सहयोग दिया।

▸▸ अमृतसर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा एक होटल में तीज का सिंजारा महोत्सव मनाया गया। इसमें सभी माहेश्वरी संगठन की महिलाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में रेखा पेड़ीवाल को पुरस्कृत किया गया। डांस, तम्बोला, क्विजगेम्स के कार्यक्रम भी रखे गये। अंत में स्वरूचि भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। महिला मंडल अध्यक्षा अरूणा बिडला ने आगन्तुकों का अभिनन्दन किया एवं सचिव वीना साबू ने आभार व्यक्त किया। महिला सदस्यों को महिला संगठन की ओर से गिफ्ट दिया गया।

▸▸ हापुड़। स्थानीय महिला मंडल द्वारा कजरी तीज उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि शीला लोहिया, कांता, पुष्पा एवं जिलाध्यक्ष आशा जी सोमानी ने किया। कार्यक्रम का संचालन मीनू महेश एवं संतोष माहेश्वरी ने किया। विभिन्न स्पर्धाओं में निर्णायक की भूमिका डॉ. जया शर्मा, शालिनी खटौड़ एवं रश्मि ने निभाई। शिल्पा एंड ग्रुप द्वारा "सेव द गर्ल चाईल्ड" तथा महिला मंडल द्वारा "थैंक्स यू फेस बुक" नाटिका की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान के लिये सौरभ साबू, दिनेश बाहेती एवं राकेश माहेश्वरी का महिला संगठन ने आभार भी व्यक्त किया।

हैदराबाद। आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा प्रदर्शनी के साथ सावन व तीज मेला का आयोजन किया गया। संगठन की अध्यक्ष कलावती जाजू ने बताया कि इस तरह की प्रदर्शनी लगाने से लघु उद्यमी महिलाओं को एक मंच मिलता है। मंत्री रेणु सारड़ा ने बताया इस मेले का उद्घाटन अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री रमेश बंग ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रेमसिंह राठौर उपस्थित थे। विशेष अतिथि रामपाल अट्टल, लक्ष्मीनारायण राठी, गोविन्द राठी, राम भण्डारी, विनोद बंग एवं हरिकिशन चाण्डक थे। इस मेले से प्राप्त राशी नारायण सेवा संस्थान की प्रमुख अल्का चौधरी को सौंपी गई। इस मेले को सफल बनाने में उर्मिला साबू, मंजू लाहोटी, किशोरी लाहोटी, श्यामा नावंदर, किरण बंग, पार्वती मणियार, प्रेमलता काकाणी आदि का सहयोग रहा।

ब्यावर। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड की ओर से 'बड़ी तीज सिंजारा' के उपलक्ष्य में आयोजित सामूहिक गोठ में समाज के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। सामूहिक गोठ प्रबंधक जुगल किशोर मणियार ने बताया कि 'सातुड़ी तीज' की पूर्व संध्या पर महिलाओं ने सावन व तीज के गीत प्रस्तुत किए। मंत्री रमेश चितलांग्या और अभिनंदन समारोह प्रबंधक राजेन्द्र काबरा ने बताया कि इस अवसर पर समाज के प्रांत स्तरीय पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया। इसमें अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के अध्यक्ष श्यामसुंदर बिड़ला, मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गोपाललाल काबरा, अजमेर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रमाकांत बाल्दी व महामंत्री शिवदत्त बाहेती, नगर परिषद सभापति बबीता चौहान, उपसभापति सुनील कुमार मूंदड़ा आदि शामिल थे। इस मौके पर अध्यक्ष सत्यनारायण झंवर, उपाध्यक्ष विष्णुगोपाल हेड़ा, मंत्री रमेश चितलांग्या, जुगल किशोर मणियार, रामकिशोर झंवर, राजेन्द्र काबरा, विट्ठल कुमार राठी, अशोक नवाल, बालकिशन राठी आदि उपस्थित थे।

अमृतसर। सातुड़ी तीज पर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा नीमडी पूजन का आयोजन राधेश्याम साबू के निवास पर किया गया। इसमें सरला बूब, कृष्णा सारड़ा, नीलम साबू, संतोष मूंदड़ा, पूजा मालू, सुमन मुदंडा, नलिनी मूंदड़ा, रेखा सारड़ा जय श्री सारड़ा आदि कई सदस्यों ने भाग लिया।

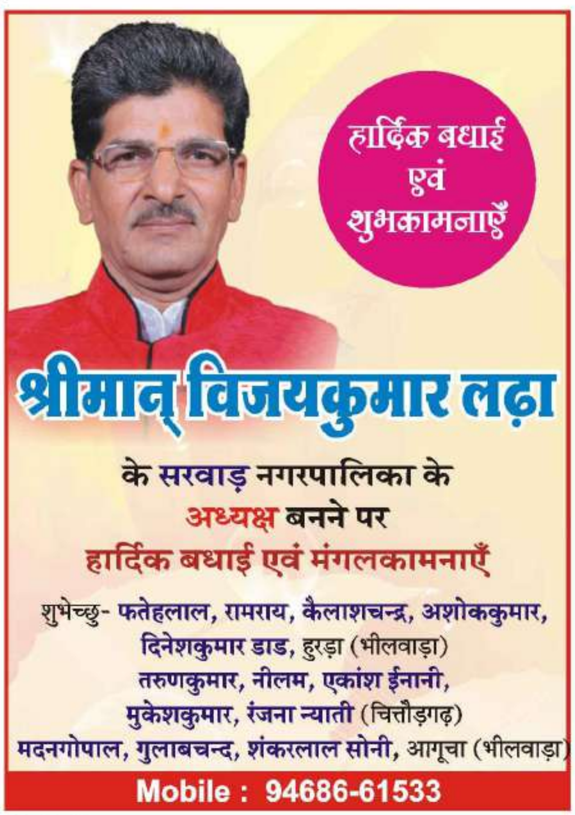

सहकारी पेढ़ी की साधारण सभा सम्पन्न

इंदौर। श्री माहेश्वरी सहकारी पेढ़ी मर्यादित इंदौर की वार्षिक साधारण सभा गत 13 सितम्बर को सम्पन्न हुई। संस्था अध्यक्ष ईश्वर बाहेती ने सभा की अध्यक्षता की। श्री बाहेती ने संस्था की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष संस्था ने 55 वर्ष पूर्ण कर 56 वें वर्ष में प्रवेश किया हैं। संस्था को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सहकारिता विभाग द्वारा "अ" श्रेणी प्राप्त हुई है। आलोच्य वर्ष में लाभांश 20 प्रतिशत प्रस्तावित था, जिसे सदन में ध्वनि मत से पारित किया गया। इस वर्ष में 22 सदस्यों के परिवार को रुपए 15000 प्रत्येक को प्रदान किये गये। सभा का संचालन सुनील सोनी ने किया। उपाध्यक्ष सुषमा मालू, कोषाध्यक्ष लव शारदा, संचालक लक्ष्मणकुमार मुछाल, प्रो. सुरेशचंद्र मूंदड़ा, कल्याणमल मंत्री, अजयकुमार सारड़ा, सूर्यप्रकाश झंवर एवं प्रतिनिधि विजय गट्टानी आदि मौजूद थे।

महासभा सभापति का किया अभिनंदन

हनुमानगढ़। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा श्रीगंगानगर में आयोजित माहेश्वरी सम्मेलन में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति जोधराज लड्ढा का अभिनंदन किया गया। जिला महामंत्री रतनलाल लाहोटी ने बताया कि सम्मेलन में सामाजिक कुरीतियों पर

चर्चा करते हुए साक्षरता दर बढ़ाने व प्रोफेशनल कोर्स के माध्यम से समाज के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन को जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश बिहाणी, उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रतिनिधि कृष्ण करवा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष बृजरतन चांडक तथा नोहर के महामंत्री सुनील राठी आदि ने सम्बोधित किया। जिला सभा द्वारा सभापति का शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर हनुमानगढ़ जिलासभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश बिहाणी, महामंत्री रतनलाल लाहोटी, उपाध्यक्ष राजेन्द्र थिरानी व इन्द्रकुमार पेड़ीवाल सहित समाज संगठनों के कई प्रतिनिधि उपस्थित थे।

लड्ढा की स्मृति में प्रतिभा सम्मान

उदयपुर। स्वर्गीय श्री मथुरालाल लड्ढा स्मृति संस्थान (राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त 1960) द्वारा गत 30 अगस्त को एक व्याख्यान माला- "मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः, आचार्य देवोभवः", विषयों पर आयोजित की गई। इस अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाऐं देने वाली 51 प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। यह आयोजन एडवोकेट व साहित्यकार बंशीलाल लढ़ा एवं उनके परिवार द्वारा अपने पिता स्व. श्री मथुरालाल लड्ढा की पुण्य स्मृति में किया गया।

"जीवन का बहुत सीधा-सा परिचय है,
आंसू वास्तविक हैं,
मुस्कान में अभिनय है।"

नांदुरा में मनाया गया जन्माष्टमी उत्सव

नांदुरा। तहसील माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा प्रतिवर्षानुसार "नंदोत्सव" का कार्यक्रम स्थानीय बालाजी मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया गया। सर्वप्रथम समाज के सेवा निवृत्त शिक्षक नंदकिशोर डागा, द्वारकादास नवगते, शंकरलाल लड्ढा, राधेश्याम धूत, राजमल सोमाणी तथा रेखाबाई खंडेलवाल का शाल, श्रीफल, स्मृति-चिह्न भेंटकर सन्मान किया गया। अध्यक्षता विट्ठलदास डागा ने की। प्रमुख अतिथि के रूप में सूरज नत्थाणी, गणेशदास राठी, जुगलकिशोर राठी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में हरीश कोठारी, अनुज मुन्दड़ा, दर्शन मुन्धड़ा, संजय राठी, देवेश नवगजे, सौरभ मुधड़ा, आशीष राठी, अमोघ चांडक सहित सभी सदस्यों ने सहयोग दिया।

जन्म दिवस पर निःशुल्क डायलेसिस की सौगात

सोलापुर। वरिष्ठ समाज सेवी ब्रिजमोहन फोफलिया ने यशोधरा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मुफ्त में डायलिसेस सुविधा योजना का अपने 62 वें जन्मदिवस के अवसर पर शुभारम्भ किया। हॉस्पिटल के खासदार शरद बनसोडे, व्यापारी बैंक चेयरमेन बालमुकुंद असावा, लक्ष्मीनारायण मंदिर के मुख्य ट्रस्टी लक्ष्मीनारायण सोमाणी, कपड़ा व्यापारी संघ के पूर्व चेअरमेन रमेश मर्दा, सोलापुर के पूर्व उपमेयर राजेन्द्रकुमार कलंत्री आदि इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

नेपाल भूकंप पीढ़ितों को दी सहायता

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी एवं मंत्री किशन मूंदड़ा के सत्प्रयासों से क्षेत्र के सदस्यों की ओर से पिछले दिनों नेपाल में आये विनाशकारी भूकम्प से प्रभावित लोगों को 1 लाख 50 हजार रुपए (नेपाली मुद्रा रुपए 2,40,000,00) का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री राहत कोश में भी रुपए 25 हजार रुपए (नेपाली मुद्रा 40 हजार) का सहयोग प्रदान किया है। यह राशि संस्था मंत्री श्री मूंदड़ा द्वारा सीधे माहेश्वरी समाज, काठमांडू (नेपाल) की भूकंप राहत एवं पुनर्स्थापना समिति के संयोजक एवं अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष रमेश तापड़िया को भेजी गई है।

श्री माधव क्लब की डोर अब माहेश्वरी के हाथ

कांटे की टक्कर में कैलाश माहेश्वरी ने फहराया विजय ध्वज

उज्जैन। शहर की प्रतिष्ठा का केंद्र श्री माधव क्लब के सेक्रेटरी के चुनाव गत दिनों भारी गहमागहमी के बीच हुए। इसमें कैलाश माहेश्वरी ने प्रतिद्वंद्वी संतोष अग्रवाल को 108 वोट से शिकस्त देकर सेक्रेटरी पद पर जीत हासिल की।

जीत की खुशी में माहेश्वरी समर्थकों ने क्लब परिसर में आतिशबाजी की और ढोल की थाप पर डांस किया। इधर चुनाव से पहले दोपहर 3 बजे क्लब की एजीएम (एनुअल जनरल मीट) हुई। पहली बार कोरम पूरा नहीं होने पर एक घंटे के लिए बैठक स्थगित करनी पड़ी। बाद में कुछ सदस्य और आए तब जाकर फिर 4 बजे एजीएम हो सकी। क्लब के कुल मेंबर्स में से 591 ने वोट डाले। श्री माहेश्वरी को 349 व श्री अग्रवाल को 241 वोट प्राप्त हुए। एक वोट निरस्त किया गया। जीत की घोषणा होते ही माहेश्वरी समर्थकों में खुशी छा गई और परिसर पटाखों की आवाज से गूंज उठा। एजीएम में अध्यक्ष संभागायुक्त डॉ. रवींद्र पस्तोर के नहीं पहुंचने पर उपाध्यक्ष सुरेश मौढ़ ने अध्यक्षता की। शहर के अत्यंत प्रभावशाली पार्षद आजाद यादव भी क्लब पहुंचे और श्री माहेश्वरी को बधाई दी।

स्मार्ट क्लब का वादा पूरा करुंगा

निर्वाचित सेक्रेटरी माहेश्वरी ने चर्चा में कहा, मैंने क्लब को स्मार्ट क्लब बनाने सहित 2020 का मास्टरप्लान बनाने का वादा किया है। मैं इसे प्राथमिकता से पूरा करुंगा। साथ ही क्लब संविधान में संशोधन, फ्री वाई-फाई जोन, ई लायब्रेरी, आरएसओ रजिस्ट्रेशन व क्लब की प्रेस्टीजियस नेशनल क्लब से एफिलेशन कराने सहित अन्य वादे भी पूरे करुंगा।

समाज ने किया अभिनंदन

श्री माधव क्लब के बहुप्रतिष्ठित सचिव पद के चुनाव में श्री माहेश्वरी की ऐतिहासिक जीत होने पर श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत उज्जैन द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक महेश पलोड ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा ने की। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत ट्रस्ट अध्यक्ष रामरतन लड्ढा, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश बाहेती, सचिव अरुण भूतड़ा, सुरेश डागा, प्रकाश तोतला, सुनील बांगड़, कैलाश तोतला, सुरेश बाहेती आदि ने श्री माहेश्वरी को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री माहेश्वरी ने कहा कि माहेश्वरी समाज द्वारा सिंहस्थ महापर्व पर प्याऊ एवं अन्नक्षेत्र के माध्यम से श्रद्धालुओं की सेवा की जाएगी व मैं भी माहेश्वरी समाज के इस सेवा अभियान में सहभागी बनूंगा।

सावन महोत्सव का हुआ आयोजन

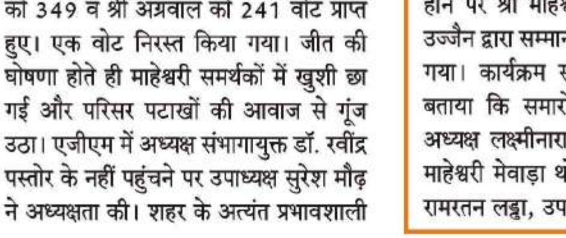

भीलवाड़ा। नगर माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष लीला राठी ने बताया कि मंडल की सदस्याओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ सावन महोत्सव मनाया गया। इसकी शुरुआत सुमन सोनी व गायत्री मूंदड़ा ने भजनों से की। तत्पश्चात पचपन में बचपन के खेल खिलाए गये। सचिव भारती बाहेती ने सभी सदस्यों का परम्परागत तरीके से कुमकुम तिलक लगाकर स्वागत किया। मधु काबरा, सोनल, संध्या आगीवाल, सीमा कोगटा ने विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई। रीना डाड ने कार्यक्रम का संचालन किया। वीणा मोदी, विमला झंवर, गीता मूंदड़ा, शशि अजमेरा, आशा बियाणी, वंदना नुवाल, निशा सोनी, वंदना गुप्ता, मधु जाजू आदि सदस्यों का सहयोग रहा।

> 'विश्वास' सबकुछ संभव बना सकता है,
> 'आशा' सबकुछ काम करा देती है,
> 'प्यार' सबकुछ सुंदर बना सकता है,
> आपके हर दिन की शुरुआत
> इन्हीं तीनों चीजों के साथ हो।

चारभुजा जी की 15 दिवसीय यात्रा

रतलाम। स्थानीय समाजजनों व श्रृद्धालुओं द्वारा गत 29 वर्षों से 15 दिवसीय श्री चारभुजाजी की यात्रा का आयोजन किया जाता है। यह वहाँ आयोजित जलझूलनी एकादशी उत्सव पर पूर्ण होती है। किशन सोड़ानी व राधेश्याम काबरा (जावद वाले) एवं मोहनलाल तोषनीवाल ने बताया कि हनुमान पालिया, ढोढर, दलौद, मदसौर, मल्हारगढ़, नीमच, निम्बाहेड़ा, श्रीआंवरीमाता, श्रीसावंलिया दरबार, भादसौड़ा चौराहा, फतेहनगर, श्रीनाथद्वारा, राजसमन्द (कांकरोली), श्रीरूपजी एवम् श्रीचारभुजानाथ (गड़बोर) की पन्द्रह दिवसीय भव्य यात्रा की व्यवस्था निर्धारित नियमों के साथ सम्पन्न होती आ रही है। यात्रा दल में स्वास्थ्यदल, भोजन सामग्री वाहन, यात्रियों का सामान वाहन तथा सुरक्षा व्यवस्था रहती है। विभिन्न पड़ावों पर प्रत्येक रात्रि विश्राम में भजन संध्या गायन एवं वाचन हेतु वाद्यदलभी साथ रहेंगे। यात्रा दल का विभिन्न पेय पदार्थों व पुष्पमाला से स्थान-स्थान पर स्वागत भी होता है। इस बार भी बड़ी संख्या में श्रृद्धालु शामिल हुए।

दीप्ति देश में प्रथम

उदयपुर। समाज की प्रतिभा दीप्ति असावा धर्मपत्नी गिरीश समदानी ने उदयपुर चेप्टर से इंटरमीडिएट (ओल्ड सिलेबस) में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। 26 वर्षीय दीप्ति एक गृहणी हैं। वे बताती है कि यह उपलब्धि उनकी सेल्फ स्टेडी की है। इस उपलब्धि में उनके पति एवं सास का प्रोत्साहन रहा है।

झीलों की नगरी में पिकनिक की धूम

उदयपुर। माहेश्वरी समाज द्वारा गत एक मास में प्रत्येक रविवार को किसी न किसी संस्था द्वारा पिकनिक का आयोजन किया गया। महेश सेवा संस्थान द्वारा स्वयं के रमणिक प्राकृतिक क्षेत्र में स्थित संस्था भवन में, महिला संगठन द्वारा परशुराम महादेव मन्दिर पर महेश सेवा समिति सेक्टर4 द्वारा हरिहर जी में और युवा संगठन द्वारा साहू रिजोर्ट में एवं महेश शैक्षणिक विकास समिति द्वारा चांदनी गांव में पिकनिक का आयोजन किया गया।

प्रगति मंडल ने मनाया यात्रा वर्ष

डांडेली। श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल द्वारा यह वर्ष यात्रा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें प्रथम यात्रा की शुरूआत श्री तिरूपति बालाजी से की गई। वहाँ 60 समाज सदस्यों का दल गया। द्वितीय श्री परली बैजनाथ व फिर क्रमशः गुलेजगुड़, कुडाल संगम व बागलकोट भागवत् कथा के श्रवण हेतु 35 सदस्यों का दल गया। इसी माह मुनगुड (तिब्बत) कैंप में घूमने के लिये भी दल वहाँ गया। यात्रा के आयोजन में श्याम लड्ढा, राधेश्याम राठी व सुरेश सोमानी का सहयोग रहा।

बाल निकेतन की कार्यकारिणी में 5 माहेश्वरी

देवेन्द्र गुप्ता

प्रद्युम्न गुप्ता (सीए)

गिरिराज चाचा

हरिवल्लभ जेठा

श्यामसुन्दर माहेश्वरी

जबलपुर। प्रतिष्ठित सेवाभावी संस्था श्री राजकुमारी बाई बाल निकेतन संस्कारधानी जबलपुर में 1920 से अनाथ बच्चों की सेवा में कार्यरत है। गत दिनों सम्पन्न हुए प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में माहेश्वरी समाज के 5 सदस्य निर्वाचित घोषित हुये। इसमें देवेन्द्र गुप्ता (बिझानी) संरक्षक, प्रद्युम्न गुप्ता (बिझाणी) कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य गिरिराज चाचा, हरिवल्लभ जेठा, श्यामसुन्दर माहेश्वरी चुने गये।

उत्तर राजस्थान युवा संगठन की कार्यकारिणी का गठन

बीकानेर (करवा)। उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन की प्रथम कार्यकारिणी के सदस्यों व पदाधिकारियों की घोषणा प्रदेशाध्यक्ष विक्रम चितलांगिया व प्रदेश सचिव सुनील झंवर द्वारा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घनश्याम भट्टड़ की उपस्थिति में की गई। कार्यकारिणी में पंकज भूतड़ा, उमेश सोनी पीलीबंगा व दीपक लाहोटी श्रीगंगानगर उपाध्यक्ष, दिनेश मोहता कोषाध्यक्ष, आनंद पेड़ीवाल, विमल चांडक-रावतसर व सुचित कोठारी सहमंत्री, प्रीतम झंवर खेलमंत्री, श्रीरतन मोहता-बीकानेर सांस्कृतिक मंत्री, परमेश्वर लाल बिहानी संगठन मंत्री, कपिल करवा-संगरिया प्रचार मंत्री, संदीप तापड़िया आईटी हेड पुनीत मोहता एमआईटीएफ हेड तथा अमित सोमानी को राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य मनोनित किया गया।

रंगारंग सावन उत्सव का हुआ आयोजन

वरोरा (जिला चंद्रपूर)। माहेश्वरी महिला मंडल वरोरा द्वारा आयोजित कार्यक्रम "रंगारंग सावन" गत 22 तथा 23 अगस्त को सम्पन्न हुआ। इसमें कई रंगारंग प्रतियोगिताऐं आयोजित हुई। इनमें 50 साल से उपर की महिलाओं द्वारा पान का बीड़ा बनाना, अन्य के लिये ऑल कास्ट फैशन शो, बिस्किट जेली सजावट, अंताक्षरी, बच्चों की व्हेजीटेबल फैन्सी ड्रेस, स्किपिंग आदि स्पर्धाऐं शामिल थीं।

"'क्षमा मांगना' इंसान का एक मात्र ऐसा गुण है जिसे मांगने से इंसान होने का अहसास होता है।"

महेश बैंक ने पार किया 2500 करोड़ का आंकड़ा

हैदराबाद। महेश बैंक का व्यापार 2500 करोड़ पार कर चुका है। बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों तथा सभी बैंककर्मियों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा ने बधाई दी। श्री मानधणा ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि बैंककर्मियों को और अधिक उत्साह से काम करते हुए वर्ष 2015-16 के लिए निर्धारित लक्ष्य को दिसम्बर को अंत तक ही प्राप्त करने के उद्देश्य से काम करना होगा ताकि सीडी रेशो 60 प्रतिशत को पार कर सके। बैंककर्मियों के प्रतिनिधि के रूप में प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी उमेशचंद्र असावा का सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि बैंक ने वर्ष 2014-15 में भी उल्लेखनीय व्यापार व लाभ में वृद्धि दर्ज करवाई है। इस वर्ष के लिये शेयर धारकों को 18 प्रतिशत लाभांश वितरित किया जा रहा है।

निःशुल्क नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

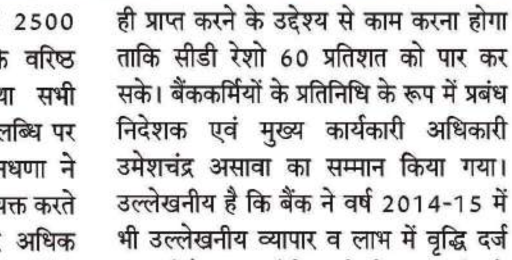

परभणी। स्थानीय मैत्री ग्रुप की ओर से नेत्रदान पखवाड़ा के अंतर्गत महिलाओं के लिए निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। गणेश नेत्रालय परभणी के डॉ. राजेश मंत्री द्वारा 80 महिलाओं की आंखों की जांच की गई तथा जरुरत मंद महिलाओं को आंखों की दवाई दी गई। आंखों के ऑपरेशन में 50 प्रतिशत छूट देने की घोषणा भी डॉ. मंत्री द्वारा की गई। शिविर का उद्घाटन मीनाताई वरपूडकर के करकमलों द्वारा किया गया। मैत्री ग्रुप की अध्यक्ष सरोज गट्टाणी, शकुन बजाज, पूजा धुत, अनिता बजाज, नीता देशमुख आदि ने समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

एमआईजी ने की "BIZCON" की तैयारी

पुणे। स्थानीय समाज के उद्यमियों ने परस्पर सहयोग के लिये महेश इंडस्ट्रीयल ग्रुप (एमआईजी) का गठन लगभग 35 वर्ष पूर्व किया था। इन वर्षों में इस समूह से समाज के उद्यमियों को बहुत लाभ पहुंचा। संगठन का लाभ सम्पूर्ण राष्ट्र के समाजजनों तक पहुंचाने के लिये इस संगठन को अब राष्ट्र व्यापी स्वरूप दिया गया है। संगठन अध्यक्ष सुरेश लखोटिया ने बताया कि इस शृंखला में देश भर के माहेश्वरी उद्यमियों का राष्ट्रीय सम्मेलन "BIZCON" आगामी 19 दिसम्बर 2015 को आयोजित किया जा रहा है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से 500 से भी अधिक विशेषज्ञ शामिल होंगे। उन्होंने देश के समस्त माहेश्वरी उद्यमियों से इस अवसर का लाभ लेने की अपील की।

> "खाली बोतलें लेने वालों ने
> बंगले बना लिए,
> मगर बोतलें खाली
> करने वालों ने
> जमीन भी बेच दी।"

जोधपुर में दो दिवसीय परिचय सम्मेलन

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में अखिल भारतीय माहेश्वरी विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन 2 व 3 जनवरी 2016 को होटल चंद्रा इन व ग्रेण्ड बसंत गार्ड, पांच बत्ती चौराहा पर आयोजित होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार सम्मेलन के संयोजक जवाहरलाल मूंदड़ा होंगे। सुरेश राठी को सम्मेलन का मार्गदर्शक नियुक्त किया गया। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी युवतियों की प्रविष्टियां निःशुल्क ली जायेगी। पहले दिन 10 बजे से सायं 5 बजे तक केवल प्रोफेशनल युवक-युवतियों का तथा दूसरे दिन अन्य युवक-युवतियों तथा विशिष्ट प्रत्याशियों एवं 35 वर्ष से अधिक आयु वाले युवक-युवतियों को सम्मिलित किया जायेगा।

कैसे कराएँ पंजीयन

प्रत्याशियों हेतु पंजीयन शुल्क रुपए 500 मात्र रखा गया है। जो 'माहेश्वरी परिचय सम्मेलन' के नाम से जोधपुर में देय होगा। इस राशि में परिचय पत्रिका की एक प्रति का मूल्य भी शामिल है। पंजीयन शुल्क सीधे पंजाब नेशनल बैंक अकाउंट नं. 1131000100207266 तथा छ्इएण-इळ्ँ0113100 में जमा किया जा सकता है। अंतिम तिथि 30 नवम्बर है। अधिक जानकारी के लिए अध्यक्ष श्री जे.एम. बूब मोबाइल नं. 098290-21999 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जन्माष्टमी पर्व का हुआ आयोजन

ब्यावर। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड के तत्वावधान में श्री माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा श्री कृष्ण जन्मोत्सव माहेश्वरी भवन पाली बाजार में आयोजित किया गया। महिला परिषद अध्यक्ष मनीषा जाजू व मंत्री रेखा बाहेती ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कन्हैया हांडी सजाओ तथा यशोदा कान्हा अठखेलियां प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम में मनीषा जाजू, रेखा बाहेती, संध्या सारड़ा, रेणु मालू, किरण मूंदड़ा, शीला माहेश्वरी कमलेश जैथलिया, प्रभा नवाल सहित समस्त सदस्य सदस्याओं का योगदान रहा।

सुमन सोनी की सिंगापुर में भजन संध्या

भीलवाड़ा। ख्यात गायिका भीलवाड़ा निवासी सुमन सोनी की मधुर आवाज अब राजस्थान और देश के साथ विदेशी धरती पर भी गूंजेगी। उक्त जानकारी देते हुये अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब की राष्ट्रीय सचिव अनिता सोड़ाणी ने बताया कि 7 दिसम्बर को पैंगांग में, 8 दिसम्बर को पोर्ट कलांग द्वीप समूह में, 10 दिसम्बर को मालाक्का द्वीप समूह एवं 11 व 12 दिसम्बर को सिंगापुर में "श्रीमती सोनी की भजन संध्या-"एक शाम भक्ति संगीत के नाम" का आयोजन होगा। उल्लेखनीय है कि सिंगापुर एवं इन द्वीप समूहों में हिन्दी भाषी भारतीयों की बहुसंख्य जनसंख्या निवास करती है।

विनायक ने जीते दो स्वर्ण

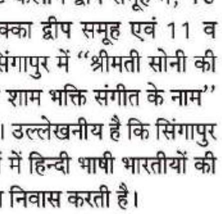

अजमेर। गत 13 सितम्बर को इंटर स्कूल चेम्पियन-शिप का आयोजन हुआ। इसमें समाज सदस्य विशाल काबरा के सुपुत्र विनायक ने अपने समूह में कराते व फाईट दोनों में पृथक-पृथक स्वर्ण पदक प्राप्त किये।

सेवा समिति के चुनाव सम्पन्न

अजमेर। माहेश्वरी सेवा समिति कृष्णगंज के द्विवार्षिक चुनाव गत 23 अगस्त को चुनाव अधिकारी शिवशंकर हेड़ा की देखरेख में सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष बी.पी.राठी, सचिव श्रीवल्लभ माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष रामजीलाल मंत्री व उपसचिव जगदीशचन्द्र झँवर को पुनः तीसरी बार निर्विरोध चुना गया। उपाध्यक्ष रमेशचन्द्र तापड़िया को चुना गया। इसी अवसर पर मोहनलाल गंगादेवी लखोटिया धर्मशाला के पुनर्निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग देने वाले समाज के गणमान्य सदस्यों का भी सम्मान किया गया।

माहेश्वरी महिला मंडल ने मनाया नंद महोत्सव

अजमेर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सितंबर माह बैठक की में नंद- उत्सव का आयोजन भी किया गया। इसमें भगवान श्री कृष्ण की झांकी सजाई गई तथा सभी ने मिलकर भजन गाये। झाँकी सजाने व भजन को लय बद्ध करने में मधु मंत्री, बेला मूंदड़ा, लता भूतड़ा, संगीता झंवर व उनकी टीम ने अपना विशेष सहयोग दिया। अध्यक्षा अर्चना भूतड़ा व सचिव रश्मि हेडा ने सभी का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

बेल्लमपल्ली 'माहेश्वरी दर्पण' लोकार्पित

आदिलाबाद। जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी मूलचन्द चितलांगी द्वारा संकलित बेल्लमपल्ली माहेश्वरी समाज की पारिवारिक व व्यावसायिक जानकारी, सदस्यों की जन्मतिथि, शैक्षणिक योग्यता, फोन नम्बर,मोबाइल सहित सम्पूर्ण जानकारी संग्रहित कर उसे पुस्तिका का स्वरूप प्रदान कर डायरेक्ट्री 'माहेश्वरी दर्पण' का प्रकाशन किया गया। इसका लोकार्पण बेल्लमपल्ली माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में स्थानीय माहेश्वरी भवन में आयोजित समारोह में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री रमेशकुमार बंग के करकमलों द्वारा किया गया। सम्मानीय अतिथि के रूप में आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रामपाल अट्टल, महेश बैंक के चेयरमैन पुरूषोत्तम मानधना, आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के मंत्री हरिप्रसाद चाण्डक, आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री श्यामसुन्दर लोया, आदिलाबाद जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री पुरूषोत्तम जाजू आदि उपस्थित थे।

को-ऑपरेटिव सोसायटी की आमसभा सम्पन्न

भीलवाड़ा। श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी की तृतीय आमसभा आरके एवं आरसी व्यास महेश भवन में आयोजित हुई। समिति के सचिव रामकुमार जागेटिया ने सोसायटी के कार्यों का अनुमोदन कराया। सोसायटी के अध्यक्ष नवनीत सोमानी ने सोसायटी को बैंक में परिवर्तित करने एवं कम से कम लागत से अधिक से अधिक रिर्टन प्राप्त करना सोसायटी का मुख्य उद्देश्य बताया। सोसायटी द्वारा उत्कर्ष कार्य करने वाले रामस्वरूप राठी, श्यामसुंदर नौलखा, रामस्वरूप तोषनीवाल, ओमप्रकाश मूंदड़ा व नवरतनलाल सोमानी का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन जगदीशचंद्र कोगटा ने किया।

> "दुनिया उन्हीं की
> खैरियत पूछती है
> जो पहले से ही खुश हों।
> जो तकलीफ में होते हैं
> उनके तो मोबाइल नंबर तक
> खो जाते हैं।"

ऋषिमुनि प्रकाशन का कार्तिकादि श्री विक्रमादित्य पंचांग विमोचित

ग्रह लाघवीय पद्धति से सटिक गणना व इस बार डेढ़ वर्ष तक के मुहूर्तों का समावेश

उज्जैन। गत 19 वर्षों से ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा सतत रूप से प्रकाशित व घर के पंडित के रूप में "श्री विक्रमादित्य पंचांग-कार्तिकादि संवत् 2072-73 का विमोचन हुआ। इस अवसर पर उपस्थित समस्त अतिथियों ने भी पंचांग का अवलोकन कर उसकी सराहना की।

प्रतिष्ठित प्रकाशन समूह "ऋषिमुनि प्रकाशन" के विद्यानगर में नवनिर्मित नवीन कार्यालय परिसर में विमोचन गरिमामय ढंग से हुआ। इस अवसर पर उज्जैन पुलिस अधीक्षक मनोहरसिंह वर्मा, चित्रकार अक्षय आमेरिया, पत्रकार संदीप कुलश्रेष्ठ, जयप्रकाश राठी, पत्रकार सुनील जैन, ज्योतिर्विद पं. योगेश पंड्या, शील लश्करी, नवल माहेश्वरी, प्रो. शैलेंद्र पाराशर, अभिनव व्यास, कैलाश डागा, योगेश कर्नावट आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने किया। अतिथियों ने पंचांग का अवलोकन किया और पंचांग की सरल ढंग से मुहूर्त स्पष्ट करने की पद्धति की प्रशंसा की। प्रकाशक श्री बाहेती ने पंचांग की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस देश के कई ख्यात विद्वानों के परामर्श व परीक्षण के पश्चात ग्रह लाघवीय पद्धति से अत्यंत सुक्ष्म गणनाओं के साथ तैयार किया गया है। इससे इसमें गणितीय त्रुटि होने की संभावना अत्यंत कम है। इसके साथ इसमें विभिन्न पर्व-त्यौहार, तिथि आदि को स्पष्ट करते हुए विभिन्न कार्यों के लिये पृथक-पृथक शुद्ध मुहूर्त भी इस तरह स्पष्ट किये गये हैं कि पंचांग का मामूली जानकार भी इसके उपयोग से मुहूर्त ज्ञात कर सकता है। अपनी इसी विशेषता के कारण यह पंचांग पाठकों व ज्योतिष प्रेमियों के बीच "घर का पंडित" के रूप में लोकप्रिय है। इस बार इसमें पाठकों की सुविधा के लिये विशेष रूप से डेढ़ वर्ष के मुहूर्त स्पष्ट किये गये हैं, जिससे अगले वर्ष के मुहूर्त देखने में भी असुविधा न हो। श्री बाहेती ने आशा व्यक्त की कि यह पंचांग भी पूर्व की तरह पाठकों की अपेक्षा पर खरा उतरेगा।

माहेश्वरी भवन की प्रथम मंजिल लोकार्पित

भीलवाड़ा। स्थानीय संजय कालोनी माहेश्वरी समाज संस्थान के माहेश्वरी भवन की प्रथम मंजिल का लोकार्पण गत 6 सितम्बर को समारोह पूर्वक हुआ। लोकार्पणकर्ता राधेश्याम तोषनीवाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रतनलाल नौलखा-उपसभापति पश्चिमांचल ने की। विशिष्ठ अतिथि सुभाष बहेडिया सांसद भीलवाड़ा, राधेश्याम सोमानी प्रदेश अध्यक्ष दक्षिणी राजस्थान जगदीशचंद्र सोमानी, जिला अध्यक्ष भीलवाड़ा कैलाशचंद्र कोठारी नगर अध्यक्ष भीलवाड़ा थे। कार्यक्रम में राधेश्याम चेचाणी अध्यक्ष महेश सेवा समिति, लोकेश आगाल प्रदेश युवा अध्यक्ष दक्षिणी राज. क्षितिज सोमानी जिला युवा अध्यक्ष, कृष्णगोपाल जाखेटिया जिला मंत्री, देवेंद्र सोमानी नगर मंत्री, बीएल माहेश्वरी अध्यक्ष महेश सेवा संस्थान संजय कालोनी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जगदीशचंद्र कोगटा ने किया।

दानदाताओं का किया सम्मान

इस भवन की प्रथम मंजिल पर 13 दानदाताओं द्वारा कमरे बनाये गये। इनका अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। इनमें कैलाशचंद्र कोठारी, दिनेशचंद्र मालीवाल, प्रकाशचंद्र काबरा, रामप्रसाद बाबूलाल, सुरेशचंद्र जाजू, मूलचंद देवपुरा, रामस्वरूप तोषनीवाल, रामप्रसाद सोमानी, नरेश गट्टानी, राधेश्याम सुरेश कुमार, रमेश तोषनीवाल, छितरमल डाड, ओमप्रकाश मूंदडा, भोपालसिंह कैलाश मूंदड़ा, कमलेश रमाकांत झंवर कलकत्ता, बसंतीलाल राजकुमार काल्या-गुलाबपुरा, बाबूलाल प्रहलाद नुवाल आदि शामिल हैं। इनके साथ ही नवनिर्वाचित पार्षद राधेश्याम सोमानी, विजय कुमार लड्ढा, मंजू देवी चेचाणी एवं सभापति ललिता समदानी का सम्मान भी किया गया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

बठिण्डा। स्थानीय माहेश्वरी सभा की ओर से खेतासिंह बस्ती में एक निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर सभा के अध्यक्ष विनोद कुमार सोमानी उपस्थित थे। सभा की सोशल कमेटी के चेयरमैन शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. रामनारायण माहेश्वरी तथा दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. जे. एल. सिंगला की ओर से 83 बच्चों का चैकअप किया गया व सभी को मुफ्त दवाइयां उपलब्ध करवाई गई। शिविर को सफल बनाने में माहेश्वरी सभा के प्रधान सोहन माहेश्वरी, सचिव गोविंद डागा, सह सचिव के.के. मालपाणी, सुशील माहेश्वरी, विक्की माहेश्वरी आदि का सहयोग रहा।

विद्या वायर्स को स्टार परफार्मर अवार्ड

आनंद (गुजरात)। एनामल्ड कॉपर वायर्स व स्ट्रीप्स, पेपर कवर्ड वायर्स व स्ट्रीप्स आदि के निर्माण में देश-विदेश में ख्यात विट्ठल उद्योगनगर आनंद (गुजरात) के उद्योग "विद्या वायर्स प्रा.लि." को इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा मध्यम उद्योग के अंतर्गत "स्टार परफार्मर नेशनल अवार्ड 2013-14" प्रदान किया गया।

गत 3 सितम्बर को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उद्योगमंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा कंपनी के डायरेक्टर श्यामसुंदर राठी व शैलेष राठी को इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्ष 1982 में एस.एस. राठी के नेतृत्व में प्रारंभ इस उद्योग को अपनी उत्कृष्टता के लिये कई बार सम्मानित किया जा चुका है। इसके अंतर्गत इंजीनियरिंग एक्सपर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा भी वर्ष 2011-12 तथा 2012-13 में "स्टार परफार्मर रिजनल अवार्ड" से सम्मानित किया गया था। अत्यंत लघु, लघु व मध्यम उद्योग मंत्रालय द्वारा वर्ष 2009 व 2011 में "आऊट स्टेडिंग इंटरप्रेन्युअर" तथा नेशनल फेडरेशन ऑफ स्माल स्केल इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष द्वारा भी वर्ष 2008 व 2010 में सम्मानित किया गया। इसके साथ गत 20 वर्षों में कई अन्य भी अनगिनत अवार्ड प्राप्त हुए। उल्लेखनीय है कि श्री माहेश्वरी टाईम्स भी श्यामसुन्दर राठी को औद्योगिक क्षेत्र में दिये गये उनके विशिष्ट योगदानों के लिये "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" सम्मान से सम्मानित कर चुकी है।

न्याती अध्यक्ष ईनानी महासचिव

राजसमंद (राज.)। श्री महेश प्रगति संस्थान राजसमंद के तत्वावधान में सातुड़ी तीज पर सिंजारा कार्यक्रम एवं द्विवार्षिक चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए। निर्वाचन अधिकारी दामोदरलाल काहल्या एवं मुरलीधर तोषनीवाल थे। इसमें अध्यक्ष केशरमल न्याती, उपाध्यक्ष निरंजन असावा एवं ओमप्रकाश मंत्री, कोषाध्यक्ष कमलेश दरगड़ एवं महासचिव लक्ष्मीलाल ईनानी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

माहेश्वरी मंडल हैदराबाद के चुनाव सम्पन्न

राजेन्द्र स्वरूप माहेश्वरी

शिवप्रसाद चांडक

बालाप्रसाद लड्ढा

हैदराबाद। माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) के गत 6 सितम्बर को वार्षिक सर्वसाधारण सभा के साथ चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें राजेंद्र स्वरूप माहेश्वरी अध्यक्ष, शिवप्रसाद चांडक मंत्री, बालाप्रसाद लड्ढा कोषाध्यक्ष सुरेशचंद्र भक्कड़ एवं लोकनाथ मारु उपाध्यक्ष, लक्ष्मीकांत झंवर एवं श्यामसुंदर तोषनीवाल सहमंत्री निर्विरोध रूप से चुने गये।

चाय विक्रेता संस्थान में माहेश्वरी

भीलवाड़ा। जिला चाय विक्रेता संस्थान की गत 11 सितम्बर को बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में अध्यक्ष महेश कुमार जाजू, कोषाध्यक्ष दिनेश राठी, सचिव अंकित लखोटिया, उपाध्यक्ष सम्पत सोमानी, संगठन मंत्री चंद्रप्रकाश आगाल व सहसचिव भूपेश लड्ढा नियुक्त किये गये।

सेवासदन की बैठक 11 अक्टूबर को

पुष्कर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवासदन की साधारण सभा की बैठक आगामी 11 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में आयोजित होगी। उक्त जानकारी देते हुए अध्यक्ष श्यामसुंदर बिड़ला व महामंत्री सुनील कुमार मूंदड़ा ने बताया कि इस बैठक में मुख्यालय पुष्कर, शाखा जोधपुर, नाथद्वारा व वृंदावन की व्यवस्थाओं एवं नव निर्मित शाखा जतीपुरा भवन की वर्तमान स्थित व शाखा नासिक भवन योजना की प्रगति पर चर्चा होगी। आय-व्यय पत्रक 2013-14 का अवलोकन एवं अनुमोदन तथा आगामी प्रस्तावित बजट 2015-16 पर चर्चा एवं अनुमोदन तथा आगामी विधान संशोधन आदि पर भी चर्चा होगी।

"भाग्य पर
कुछ निर्भर नहीं करता
सबकुछ हमारे
कर्म पर ही निर्भर करता है
भाग्य भी
कर्म करने वालों का ही
साथ देता है।"

लड्ढा ने सारवाड़ नगरपालिक के चेयरमेन बने

अजमेर। पिछले दिनों राजस्थान में हुए नगर पालिका चुनाव में अजमेर जिले के सारवाड़ के सरवाड़ मेडिकल व्यवसायी विजय लड्ढा नगर चेयरमेन चुने गए हैं। सहज, सरल एवं गंभीर स्वभाव के विजय लड्ढा ने इस सफलता के बाद सारवाड़ नगर पालिका चेयरमेन बनकर सारवाड़ वासियों की सेवा करने का संकल्प लिया। वे अपने दैनिक कार्यक्रमों में से दोपहर 3 से 5 बजे तक प्रतिदिन नगर पालिक में जाकर सेवा देंगे व इस उपलब्धि को सेवा का अवसर मानते हैं। आप इसका श्रेय संघ को देते हैं। आप विगत 40 वर्षों से आरएसएस से जुड़े हुए हैं। आपके चेयरमेन निर्वाचित होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। श्री लड्ढा एक ऐसे जन नायक हैं जिनका किसी भी पार्षद द्वारा विरोध नहीं किया गया।

श्री लड्ढा कई सामाजिक संगठन से जुड़े हुए हैं, मुक्तिधाम व मथुराधीश मंदिर कमेटी सदस्य, सचिव हिंदू उत्सव समिति, सचिव क्षेत्रीय माहेश्वरी समाज के साथ-साथ पिछले 40 वर्षों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य और तहसील स्तर पर व्यवस्था प्रमुख हैं। साथ ही भारती शिक्षा प्रसार समिति सरवाड़ ईकाई के सचिव भी हैं। उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने वार्ड नं. 13 से उम्मीदवार बनाया था। इस उपलब्धि में वार्डवासियों, पार्षदगणों एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता ताराचंद्र अजमेरा और राधेश्याम पोरवाल का विशेष सहयोग मानते है। श्री लड्ढा भीलवाड़ा की ख्यात भजन गायिका सुमन सोनी के बड़े भाई हैं।

तीज के रंग हरियाली के संग सम्पन्न

महमूरगंज। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा माहेश्वरी भवन के प्रांगण में 22 अगस्त को माहेश्वरी समाज की महिलाओं व नव युवतियों के लिए 'तीज के रंग - हरियाली के संग' नामक एक रंगारंग, पर्यावरण और रिश्तों पर केंद्रित तीज मिलन समारोह का आयोजन रंगारंग कार्यक्रम के साथ किया गया। इसमें समाज की हर वर्ग की महिलाओं और युवतियों ने विभिन्न नाट्य प्रस्तुतियों और नृत्य कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उदघाटन महासभा के कार्यसमिति सदस्य वीरेन्द्र भुराड़िया, प्रदेश सभा मंत्री नंदकिशोर झंवर , राष्ट्रीय महिला कार्यसमिति सदस्य सरिता चाण्डक, पूर्व राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष संजीव चाण्डक, स्थानीय सभा मंत्री किशोर मूंदड़ा द्वारा दीप प्रज्वल्लन और भगवन महेश के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया । इस अवसर पर विभिन्न पेपर गेम्स और हाउजी आदि का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर विजेता व सहभागियों साथ ही संगठन की चार पूर्व अध्यक्षों का सम्मान भी किया गया । पर्यावरण संरक्षण के अन्तर्गत 4 पूर्व संगठन मंत्रियों के कर कमलों से पौधारोपण भी सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन्दना कोठारी ने की अतिथि स्वागत संगठन की मंत्री इन्दू चाण्डक ने किया । इस कार्यक्रम का संयोजन कोमलमूंदड़ा , प्रिया करवा , सुषमा कोठारी , अल्पना सोनी , सुमन मूंदड़ा और मीनू लड्ढा ने किया ।

सम्मानीय पाठकों से विनम्र निवेदन

▸▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशन के लिये उसी माह के आयोजन का समाचार प्रषित करें और वह उस माह की 20 तारीख तक कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए। एक माह से अधिक पुराना समाचार स्वीकार्य नहीं होगा।

▸▸ उपलब्धि कॉलम के अंतर्गत सिर्फ बोर्ड परीक्षाओं, उपाधि परीक्षा के अंतिम वर्ष या प्रतियोगी परीक्षाओं के समाचार ही प्रेषित करें।

▸▸ समाचार के साथ प्रेषित फोटो की स्पष्टता 600 डीपीआई से कम नहीं होना चाहिऐ। मोबाइल फोटो स्वीकार्य नहीं होंगे।

▸▸ साफ व टाईप किये समाचार के साथ अपना सदस्यता क्रमांक व मोबाइल नंबर अवश्य ही प्रेषित करें। इसके अभाव में समाचार का प्रकाशन नहीं हो सकेगा।

▸▸ ई-मेल से समाचार प्रेषित करने वाले पाठक अपना समाचार सिर्फ **ई-मेल smt4news@gmail.com** पर ही प्रेषित करें। समाचार प्राप्ति की जानकारी कार्यालयीन समय दोपहर 1 से शाम 7 बजे तक **फोन- 0734-2559389** पर ली जा सकती हैं। कृपया वाट्सअॅप से समाचार या फोटो प्रेषित न करें। ये स्वीकार नहीं होंगे।

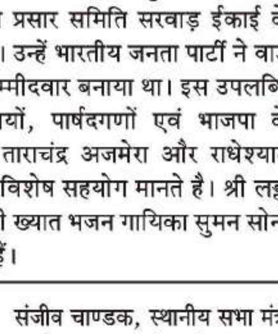

▸▸ जिन पाठकों की सदस्यता समाप्त हो गई है या शीघ्र ही समाप्त होने वाली है है वे सदस्यता शुल्क श्री माहेश्वरी टाईम्स के बैंक अकाउंट में सीधे जमा कर सूचित करें जिससे सदस्यता को नियमित रखा जा सके।

▸▸ पत्र व्यवहार के पते में परिवर्तन होने पर शीघ्र सूचित करें। अन्यथा पत्रिका प्राप्त न होने पर श्री माहेश्वरी टाईम्स जिम्मेदार नहीं होगी।

▸▸ जिन पाठकों ने सदस्यता लेते समय अपना फोन नं., मोबाइल नंबर व पिन कोड नं. आदि जानाकारी नहीं दी है। वे शीघ्र ही इनकी जानकारी श्री माहेश्वरी टाईम्स कार्यालय को दें, जिससे विभिन्न योजनाओं की जानकारी से अवगत करवाया जा सके।

▸▸ सम्मानीय पाठकों से विनम्र अनुरोध है कि पत्रिका आपको कैसी लग रही है और इसमें क्या सुधार किये जाने चाहिये, इसके लिये अपने सुझाव अवश्य ही दें।

वरिष्ठों के लिये जनजागृति

नागपुर। संस्था जेरियाट्रिक सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा वृद्धत्व (ओल्ड एज) पर जनजागृति कार्यक्रम संस्था के नेशनल प्रेसीडेंट पदमश्री डॉ. डी.के. हाजरा की अध्यक्षता व संस्था टाई के चेयरमेन राधाकृष्णन् तथा जेरियेटिक सोसायटी सचिव डॉ संजय बजाज की उपस्थिति में आयोजित किया गया। मोडरेटल डॉ. शैलेश पानगावकर, डॉ मुकुंद गनेरीवाल व अतिथि सिनीयर फिजिशियन डॉ. बी. जी. वाघमारे, ऐडीटर "सकाळ" के सम्पादक शैलेश पांडे व सीनियर सिटीजन के रिप्रजेंटीव समाजसेवी शरद बागडी उपस्थित एक थे। इसमें वरिष्ठों की समस्या पर गहन चिंतन किया गया। अंत में सबने एक मत से "सीनियर सिटीजन फोरम" बनने का निर्णय लिया। सीनियर सिटीजन फोरम बनाने का प्रस्ताव वरिष्ठ समाजसेवी शरद बागड़ी व डॉ. हजारे ने रखा। डॉ संजय बजाज ने आभार प्रदर्शन किया। शरद बागड़ी मुख्य अतिथि व वक्ता भी थे।

'जैसल' को 'ग्वालियर गौरव सम्मान'

ग्वालियर। पर्यटन टुडे के संस्थापक सम्पादक, ग्वालियर के प्रसिद्ध इतिहासकार, भारतीय सांस्कृतिक निधि (इन्टैक) के म.प्र. राज्य संयोजक एवं माहेश्वरी मित्र मण्डल-ग्वालियर के अध्यक्ष डॉ. एच.बी. माहेश्वरी 'जैसल' को "ग्वालियर गौरव" से सम्मानित किया गया। ग्वालियर शहर के पर्यटन पर लिखी पुस्तक एवं ग्वालियर शहर के पर्यटन और इतिहास को आमजनता तक पहुँचाने के लिये किये गए प्रयासों एवं समाज में शिक्षा, जनकल्याण के क्षेत्र में किये गये कार्यो के लिये उन्हें ग्वालियर विकास समिति द्वारा 38 वें सम्मान समारोह में "ग्वालियर गौरव सम्मान" से सम्मानित किया गया।

विदर्भ स्तरीय निबंध स्पर्धा में नीता प्रथम

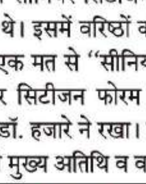

अमरावती। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा विदर्भ स्तरीय निबंध स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस का विषय 'क्यों और कैसे करें वसुंधरा को हरी-भरी' रखा गया था। इस स्पर्धा में जेसीआई इंडिया की प्रशिक्षिका एवं स्थानीय गणेशदास राठी विद्यालय की विज्ञान शिक्षिका नीता जीवन मुंधड़ा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। मानोरा में आयोजित समारोह में अखिल भारतीय महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा के हाथों उनका सत्कार किया गया।

माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव संपन्न

वरोरा। माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें सुषमा सारडा अध्यक्ष, पूनम तेला-सचिव, नीता धूत-कोषाध्यक्ष, ज्योति मूंधड़ा-उपाध्यक्ष व प्रियंका बजाज-सहसचिव चुनी गईं।

चारूल को स्पोर्ट् डान्स में स्वर्ण

डंट्री (जिला बुलढाणा)। डंट्री निवासी जीवनलाल सिंह व कुसुमबाई मोहता की सुपौत्री तथा माधुरी-अतुल मोहता की सुपुत्री चारूल ने महाराष्ट्र से स्पोर्ट डान्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस नेशनल चैम्पियनशीप में 16 राज्यों की स्पर्धा में 15 से 16 वर्ष की आयु समूह में चारूल को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

> "जरा संभल कर रहना
> उन इंसानों से दोस्तो!
> जिनके दिल में भी
> दिमाग होता है।"

सावन मेला का हुआ आयोजन

बीकानेर। राधाकृष्ण मंडल द्वारा दो दिवसीय सावन मेला-2015 गत 22 व 23 अगस्त को डागा चौक स्थित शिव शक्ति भवन में आयोजित हुआ। राधाकृष्ण मण्डल के आयोजक व सहआयोजक क्रमशः भवानी शंकर राठी व पवन राठी थे। मेले का उद्‌घाटन प्रमुख उद्योगपति महावीर रांका, जुगल राठी (अध्यक्ष युवा संगठन), रेखा लोहिया (अध्यक्ष महिला समिति), नारायण बिहाणी, नवल राठी व नारायण दास दम्माणी ने किया। मुख्य अतिथि यशपाल गहलोत (अध्यक्ष- शहर कांग्रेस) थे। अध्यक्षता युवा नेता राजकुमार किराडू ने की। सभी कार्यक्रमों का संचालन पवन राठी ने किया। प्रतियोगिताओं का निर्देशन सौरभ चांडक व मोहित चांडक ने किया। मेले का मुख्य आकर्षण प्रत्येक ग्राहक को 300/- रुपये व उससे अधिक खरीद पर 1100/-, 700/- व 500/- रुपये के गिफ्ट हैम्पर लक्की ड्रॉ के द्वारा दिये जाना था। दो दिवसीय सावन मेले को सफल बनाने में मुख्य रूप से सौरभ चांडक, मोहित चांडक, मनीष दम्माणी, सौरभ पेडीवाल, मनमोहन बिन्नाणी, मेघना ड़ागा, सुषमा डागा आदि ने अहम् भूमिका निभाई।

बंग बने महेश बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स

हैदराबाद। महेश बैंक के इतिहास में अब तक सबसे कम उम्र वाले चेयरमेन के रूप में बैंक को विकास की नई उँचाइयों तक पहुंचाने वाले और सतत् विकास के कीर्ति स्तंभ सिद्ध हुए बैंक के सीनियर वाइस चेयरमैन रमेश कुमार बंग को महेश बैंक की 39 वीं वार्षिक साधारण सभा में "चेयरमैन इमीरेट्स" की उपाधि से अलंकृत किया गया। 50 वर्षीय श्री बंग ने अपने निःस्वार्थ सेवाभाव, मिलनसारिता, प्रभावी व्यक्तित्व से राष्ट्रीय पर सहकारिता एवं सामाजिक स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई है। सहकारिता जगत की शीर्ष प्रतिनिधि संस्था नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटीव बैंक्स एवं क्रेडिट सोसायटीज लिमिटेड के निदेशक व भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केरल, उड़ीसा के प्रदेश के ए गठित टास्क फोर्स कमेटी के सदस्य के रूप में भी इनकी कर्मठ सहभागिता को सराहना मिलती रही है।

नौलखा ने दिया हजारों पक्षियों को संरक्षण

भीलवाड़ा। शहर से 20 किमी दूर हमीरगढ़कस्बे में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपाध्यक्ष व नितिन स्पिनर्स के चेयरमेन रतनलाल नौलखा ने अपने उद्योग परिसर में हजारों की संख्या में लगा रखे विशालकाय नीम, कदम व अर्जुन के पेड़ों में 50 हजार से अधिक तोतों को आश्रय देकर नियमित रूप से दाना-पानी देकर बेजुबान परिंदों की सेवा की अनूठी मिसाल कायम की है। उक्त जानकारी देते हुए पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने बताया कि श्री नौलखा ने जीवदया के क्षेत्र में अनूठी मिसाल बनाते हुए लगभग 100 बीघा जमीन में अपना उद्योग संचालित करते हुए हजारों वृक्षों के साथ बहुत बड़ा उद्यान भी बना रखा है। जहां वर्षों से नियमित रूप से बेजुबानों को दाना-पानी डालने का काम निरंतर करते आ रहे हैं। इसमें पिछले वर्षों में 50 हजार से अधिक केवल तोतों ने नौलखा के उद्योग परिसर को अपना आशियाना बना रखा है। इसमें श्री नौलखा के साथ उनकी धर्मपत्नी सुशीला, पुत्र दिनेश व नितिन भी सहयोगी बने हुए हैं। इन परिंदों की सेवा में कर्मचारी भी नियुक्त है।

राजेश न्याती बने अध्यक्ष

बूंदी। शहर के युवा उद्यमी व समाज सेवी राजेश न्याती को अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन युवा शाखा का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन बूंदी के जिला अध्यक्ष द्वारका मंत्री ने प्रदेशाध्यक्ष आत्माराम गुप्ता की सहमति से की

पुण्य स्मृति में नेत्र चिकित्सा शिविर

जिंतूर (महाराष्ट्र)। स्व. श्री गिरधारीलाल तोषनीवाल की द्वितीय पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्री गजानन शिक्षण प्रसारक मंडल एलदरी कैम्प तहसील जिंतुर एंव उदयगीरी लॉयन्स नेत्र रुग्णालय (चिकित्सालय), उदगीर जिला लातूर के संयुक्त प्रयत्न से नेत्र की जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर गुरुकुल आश्रम पर आयोजित हुआ। इस शिविर में कुल 565 नेत्र रोगियों की जांच की गई। इनमें से 245 रोगियों के मोतियाबिंद ऑपरेशन कर चश्मे भेंट किये गये। समारोह की अध्यक्षता जिंतुर के पुलिस निरीक्षक सोपानराव सिरसाठ ने की। उद्घाटक के रूप में भागवताचार्य संदीप महाराज उपस्थित थे। प्रमुख अतिथि के रूप में तालुका माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गोविंद पोरवार संस्था उपाध्यक्ष सुभाष अप्पा एकसींगे व डॉ. बालाजीराव पाटिल उपस्थित थे।

"कर्मों की आवाज शब्दों से भी ऊंची होती है...
दूसरों को नसीहत देना
तथा आलोचना करना
सबसे आसान काम होता है।'
लेकिन सबसे मुश्किल काम है
चुप रहना और आलोचना सुनना।"

सावन मेले का हुआ आयोजन

जोधपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 व 22 अगस्त को सरदारपुरा तीसरी रोड 'मोटर मर्चेंट हॉल' में सावन मेले का आयोजन किया गया। अध्यक्ष उमा बिड़ला ने बताया कि इस आयोजन में करीब 62-65स्टालें लगाई गई । इन पर महिलाओं के हाथ के बने पापड़ ,बड़िया, खिंचिया, आचार, शर्बत, जेम, कलकता की राखियाँ, जयपुर की कुंदन डायमण्ड ज्वेलरी, डिज़ायनर साड़ियां, सलवार सूट, गाऊन, गिफ्ट आयटम एवं सिंजारा तीज से सम्बंधित सभी सामान एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराया गया। सचिव छाया राठी ने बताया कि मेले का उदघाटन महापौर घनश्याम ओझा, समाज के मंत्री दामोदर बंग, उपमंत्री हरिगोपाल राठी, रवि गांधी (उप महानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल), रतन लाहोटी (संभागीय आयुक्त), संदीप काबरा (अखिल भारतीय संगठन मंत्री) आदि की उपस्थिति में किया गया। जिला माहेश्वरी संगठन की गीत संग्रह पुस्तक का विमोचन भी किया गया। मेले की संयोजिका रीना राठी थीं। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित समाज सेवियों को सम्मानित किया गया। कोषाध्यक्ष आशा फोफलिया ने बताया कि महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताऐं भी रखी गई।

टिफिन सेल का हुआ आयोजन

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मारवाड़ी महिला मंडल द्वारा नागपंचमी पर हामूखेड़ी बिजासन टेकरी पर टिफिन सेल का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न तरह के खेल एवं रोचक हाउजी स्पर्धा खेली गई, जिसमें समाज की महिलाओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया। उक्त जानकारी देते हुए शारदा भंडारी व सचिव रेखा लड्ढा ने बताया कि समाज द्वारा सत्तु का आटा तैयार करके श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर पर विक्रय भी किया जाता है। इसमें समाज की सभी सदस्याओं का योगदान रहता है। सत्तु के पिण्डे भी तैयार किये जाते हैं।

झूला महोत्सव का हुआ आयोजन

परभणी। श्री माहेश्वरी पंचायत लक्ष्मीनारायण मंदिर मानवत में प्रतिवर्षानुसार झूला महोत्सव मनाया गया तथा ठाकुर जी के झूले की सजावट की गई। इस वर्ष भी समाज की वरिष्ठ 85 वर्षीय बंसताबाई बिहारीलाल बांगड ने उम्र के इस पड़ाव पर भी अपना उत्साह कायम रखते हुए अपनी पुत्र वधू आशा बांगड़ तथा विजया बांगड़ के सहयोग से झूले की सजावट की।

सारड़ा बने एसोसिएशन अध्यक्ष

उदयपुर। समाज सदस्य जी.एल सारडा एस.बी.बी. जे. रिटायर्ड एम्प्लाईज एसोसिएशन की उदयपुर शाखा के चौथी बार अध्यक्ष चुने गये।

भूतड़ा बने सचिव

अमरावती। ख्यात व्यवसायी पवन भूतड़ा को दी महाराष्ट्र स्टेट कन्ज़ूमर प्रॉडक्ट डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन में राज्य संगठन सचिव मनोनीत किया गया है। इस उपलब्धि पर स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

यूएसए से लौटे धीरज

अमरावती। समाज सदस्य सुभाष करवा तथा मीरा करवा के सुपुत्र धीरज करवा नागपुर की परसिस्टेण्ड कंपनी में कार्यरत हैं। उन्हें कंपनी की तरफ से अमेरिका के कॅलीफोनिया स्टेट में एक महीने तक ट्रेनिंग पीरिड पुरा करने पहुँचाया गया था। धीरज यह अवधि सफलता-पूर्वक पूर्ण कर लौट आये हैं।

उत्तरप्रदेश समाज आयोजित करेगा अ.भा. परिचय सम्मेलन

वृंदावन। पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य उत्तर प्रदेश एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के सामूहिक तत्वावधान में आगामी 19-20 दिसम्बर 2015 को वृन्दावन की पावन भूमि पर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवक-युवती परिचय सम्मलेन आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस दो दिवसीय आयोजन के अंतर्गत 4 सत्रों मे अलग-अलग वर्गो का परिचय सम्मलेन आयोजित किया जायेगा। 19 दिसम्बर 2015, को प्रथम सत्र में सामान्य (ग्रेजुएट तक) तथा द्वितीय सत्र में विधुर-विधवा,कस्बा-ग्रामीण अंचल, अधिक आयु, परित्यक्त व तलाकशुदा प्रत्याशियों को शामिल किया जाऐगा। अगले दिन 20 दिसम्बर को तृतीय सत्र में उच्च शिक्षित व प्रोफेशनल तथा चतुर्थ सत्र में विशिष्ट प्रतिभागी यथा विकलांग, नेत्रहीन, अशक्त, सुरजमुखी, आदि युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन आयोजित होगा। इसके संयोजक नन्द किशोर झंवर (वाराणसी) एवं संयुक्त संयोजक संजीव माहेश्वरी (आगरा) होंगे। किशोर मूंदडा (वाराणसी), मदनलाल लखोटिया (कानपुर) व संतोष माहेश्वरी (कासगंज) सह-संयोजक होगें। अधिक जानकारी के लिये मनोज दुजारी (आगरा) से सम्पर्क किया जा सकता है। पंजीकरण फार्म ई मेलसे मंगवा सकते है या अपने शहर, जिले व प्रदेश के अध्यक्ष, मन्त्री, व अन्य पदाधिकारिगणों से प्राप्त कर सकते हैं। अन्य जानकारी हेतु ईमेल : maheshwari swayamvar@gmail.com पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।

> सफल इंसान वही है
> जो औरों द्वारा
> अपने ऊपर फेंके गए
> ईंटों से मजबूत नींव बना सके।

उद्यमियों ने सीखे सफलता के गुर

नागपुर। लघु उघोग भारती द्वारा गत दिनों 'अखिल भारतीय उघमी सम्मेलन' नागपुर में गत 21-23 अगस्त को आयोजन किया गया। इसमें देशभर से लगभग 1500 से अधिक उद्यमियों ने भाग लिया। 22 अगस्त शाम को छह बजे उद्यमी सम्मेलन का औपचारिक शुभारंभ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, रोड सरफेस ट्रांसपोर्ट मंत्री नितीन गडकरी, केबिनेट मंत्री कलराज मिश्रा, इंडस्ट्री मिनिस्टर सुभाष देसाई, ऊर्जा मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, केन्द्र सरकार के प्रमुख अर्थशास्त्री बजरंगलाल गुप्ता, लघु उघोग भारती के नेशनल प्रेसीडेंट कृष्णा व मुख्य संयोजक शरद बागडी के हाथों हुआ। संयोजक श्री बागडी ने मंत्री श्री गडकरी का स्वागत किया। माहेश्वरी समाज से देशभर के दो सौ से अधिक उद्यमी आये थे। श्री बागड़ी अकेले ऐसे माहेश्वरी थे, जो सात-सात केन्द्रीय व राज्य मंत्रियों के साथ मंच पर थे। मंच संचालन निशांत बिड़ला ने किया। इस सम्मेलन में उद्योगों से सम्बंधित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अपना मार्गदर्शन दिया।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

भुवनेश्वर। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गत 16 अगस्त को एक स्थानीय होटल में पहली बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें समाज के 161 लोगों ने रक्तदान किया। इस शिविर का उदघाटन उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष लालचंद मोहता के द्वारा किया गया। इस अवसर पर भुवनेश्वर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष घनश्याम पेड़ीवाल के नेतृत्व में सभी सदस्यों ने योगदान दिया।

ऑफ लाइन मोबाईल डायरेक्ट्री की दी सौगात

नड़ियाद। अहमदाबाद एवं बड़ौदा के बीच में स्थित यह एक छोटा सा शहर है। शहर की कुल जनसंख्या 2,00,000 के करीब है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए नगरजनों को इन्टरनेट या फिर किसी अन्य माध्यम की मदद लेनी पड़ती थी। इसी समस्या को देखते हुए तीन माहेश्वरी युवाओं विनय मण्डोवरा, उमेश बांगड़ एवं प्रशान्त मन्डोवरा ने नड़ियाद के नगरजनों को एन्ड्रोइड मोबाइल एप्लीकेशन ''नड़ियाद ड्रिम्स'' की सौगात दी। गत 23 अगस्त को इस एप्लीकेशन का गुजरात विधानसभा के मुख्य दंडक एवं नड़ियाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक पंकज भाई देसाई व माहेश्वरी समाज के पूर्व प्राध्यापक रामचन्द्र मंडोवरा (पलाना खुर्द) की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया गया। इस एप्लीकिशन द्वारा नड़ियाद के रेल्वे एवं बस समय पत्रक नड़ियाद के हेल्पलाईन नंबर, हॉस्पीटल, रेस्टोरेंट, बैंक्स, सेवा संस्थानों एवं सभी दुकानों के एड्रेस एवं संपर्क नंबर की जानकारी एन्ड्रोइड मोबाइल से प्राप्त की जा सकती है। यह ऑफ लाईन मोड पर भी कार्य करता है।

पिता-पुत्री को चतुर्थ स्थान

इन्दौर। गत दिनों अखिल भारतवर्षीय स्तर पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में पूरे देश तथा नेपाल और चीन से कुल 185 निबन्ध हस्तलिखित प्राप्त हुए। इस प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान इंदौर से दीप्ति-हर्ष राठी को प्राप्त हुआ। चतुर्थ स्थान भी इनके पिता हरिनारायण पलोड़-गंजबासोदा को ही प्राप्त हुआ है। सभी स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

राठी बने कम्पनी के वाईस प्रेसिडेंट

खंडवा। समाज सदस्य मुकेश राठी दवा कम्पनी डॉ रेड्डी के वाईस प्रेसिडेंट व सी.आई.ओ. चुने गये हैं। श्री राठी पूर्व जिलाध्यक्ष ईश्वरदास राठी के सुपुत्र हैं। इन्होंने आई.आई.टी. खड़कपुर व आई.आई.एम. लखनऊ से शिक्षा पूर्ण की है। श्री राठी टाटा टेल्को, हिन्दुस्तान लीवर तथा एच. पी. में अपनी सेवाऐ देने के बाद 3 वर्ष पूर्व कम्पनी डॉ रेड्डी में आये। उनकी योग्यता को देखते हुए कम्पनी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।

"पेट में गया जहर
सिर्फ एक ही
इंसान को मारता है,
जबकि कान में गया जहर
बहुत लोगों को मारता है...
इसलिए कहा जाता है कि
जीभ सुधर जाए
तो जीवन सुधरने में
वक्त नहीं लगता।"

स्वाति जैसलमेरिया का हुआ सम्मान

जोधपुर। मारवाड़ के वीर दुर्गादास राठौड़ की 377वीं जयंती पर सम्मान समारोह जोधपुर की मसुरिया घाटी में आयोजित किया गया। इसमें समाज सेवा, चिकित्सा, साहित्य व विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 51लोगों को सम्मानित किया गया। इसके अन्तर्गत स्वाति 'सरू' जैसलमेरिया को साहित्य लेखन में उत्कृष्ट कार्यों के लिए अतिथि महापौर घनश्याम ओझा व पूर्व नरेश गजसिंह, विशिष्ट अतिथि विधायक सूरसागर, सूर्यकांता व्यास व लॉयस कृब मुम्बई के इन्टरनेशनल डायरेक्टर राजू वी मनवानी और विशिष्ट पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि करीब 20 वर्षों के सम्मान समारोह में पहली माहेश्वरी महिला स्वाति हैं, जिन्हें साहित्य लेखन में सम्मानित किया गया।

बाल गोपाल की पिकनिक का किया आयोजन

चंद्रपूर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सावन की तीज के उपलक्ष्य में बाल गोपाल श्रीकृष्ण की सावन की पिकनिक का आयोजन किया गया। चंद्रपूर के जीजाऊ लॉन में 15 अगस्त की शाम को यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लड्डू गोपाल के साथ पूरे समाज ने शाम को 5 बजे से 10 बजे तक मनोरंजक खेलों के साथ पिकनिक का आनंद लिया। इसमें महिला मंडल अध्यक्ष-आनंदी सारडा, सचिव-सुचिता राठी, इंदू जाजू, उर्मिला करवा, प्रमिला बजाज, हेमलता सोमानी, रेखा लाहोटी, शीला डालिया आदि समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

महिलाओं ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

अजमेर। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत अगस्त माह में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इसमें सभी सदस्यों का स्वागत केसरिया, हरा और सफेद रिबन बांधकर किया गया। सभी महिलाओं ने मिलकर देश भक्ति गीत गाए। स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी रखा गया। अंत में पूर्व स्व. श्री डॉ. अब्दुल कलाम को श्रृद्धांजलि दी गई तथा जन गण मन के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमद् भागवत कथा का हुआ आयोजन

डांडेली। वेस्ट कोस्ट पेपर मिल के अंतर्गत लेडीज क्लब बांगड़ नगर द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। व्यास गद्दी से नागपुर निवासी ओमप्रकाश शास्त्री ने कथा का वाचन किया। तुलसी देवी चांडक सहित लेडीज क्लब की समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

समाज ने किया प्रतिभा सम्मान

इन्दौर। माहेश्वरी समाज इन्दौर जिला के तत्वावधान में समाज को गौरवान्वित करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों एवं अन्य क्षेत्रों में योग्यता प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान समारोह छत्रीबाग स्थित बी.डी. तोषणीवाल बाल मंदिर में आयोजित किया गया। समाज के मंत्री लक्ष्मण माहेश्वरी ने बताया कि सम्मान समारोह में 40 छात्र एवं छात्राओं का सम्मान किया गया है। इसमें रजत बाहेती, उत्कर्ष भलिका, उज्जवल माहेश्वरी, आशय बियाणी व रजत मंत्री को विशेष उपलिब्ध पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बी.डी. भट्टड व पार्षद लता लड्ढा थे। अध्यक्षता समाज अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा ने की। इस अवसर पर समाज की वार्षिक साधारण सभा भी आयोजित हुई।

मुलाहिज़ा फरमाइये

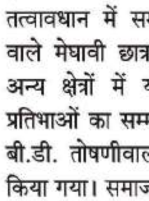

आपकी याद भी कमाल करती है
कैसे-कैसे सवाल करती है,
पल हमें तन्हा नहीं छोड़ती,
आपसे ज्यादा हमारा ख्याल रखती है।

हमारे हार जाने से, अगर उसको खुशी मिलती हो,
तो लो ये जीती हुई बाजी भी, मैं खुद ही हार जाता हूँ।

▸▸ डॉ. नारायण तिवारी, एम.ए., एम.बी.बी.एस., पी.जी.डी., उज्जैन

मालानी अध्यक्ष-गिलड़ा बने सचिव

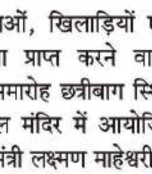

राधेश्याम मालाणी

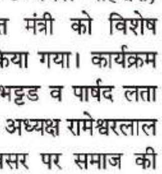

कमलकिशोर गिलड़ा

इन्दौर। मारवाड़ी माहेश्वरी प्रगति मण्डल के गत दिनों चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से राधेश्याम मालाणी अध्यक्ष एवं कमलकिशोर गिलड़ा सचिव मनोनीत किये गये। इनके साथ ही परामर्शदाता-रामस्वरूप धूत, श्यामसुंदर बिहानी, उपाध्यक्ष-ओमप्रकाश धूत व कृष्णवल्लभ मुच्छाल, कोषाध्यक्ष-ताराचंद राठी, संगठन मंत्री-किशन मूंदड़ा, सहमंत्री-राकेश लखोटिया, प्रचार मंत्री-रामकिशोर राठी को मनोनित किया गया।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने दिया मार्गदर्शन

पुसद। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्षा के भ्रमण पर एक बैठक आयोजित की गयी। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा, संयुक्त मंत्री पुष्पलता परतानी, पूर्व कोषाध्यक्ष डॉ. तारा माहेश्वरी, प्रदेश अध्यक्ष ज्योति बाहेती, सचिव उषा करवा व जिला अध्यक्ष मंगल करवा उपस्थित थीं। इस अवसर पर "क्यों हो रहे दूर-दूर हमारे आँखों के नूर" विषय पर श्रीमती काबरा ने व्याख्यान दिया। ज्योति बाहेती, मंगल करवा, पुष्पलता परतानी आदि ने भी मनोगत से अवगत करवाया। माधुरी मुंदड़ा द्वारा मंच संचालन एवं रिता भंडारी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। इसी अवसर पर "उड़ान" पर एक रिपोर्ट डायरेक्ट्री का विमोचन हुआ। अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्थान मंडल अध्यक्ष डॉ. टीएन बूब, माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष संजय भंडारी रत्नप्रभा सोनी, कमल मालपाणी, प्रेमा बियानी, नीना भंडारी, अरुणा भांगड़े आदि का पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया।

1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि

रामदास अग्रवाल

बाबूराम गुप्ता

नई दिल्ली। संगठन अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासभा वैश्य समाज की 200 विशिष्ट प्रतिभाओं को प्रतिवर्ष 1-1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित करेगी। संस्थापक अध्यक्ष रामदास अग्रवाल व महासचिव बाबूराम गुप्ता से प्राप्त जानकारी अनुसार इस सम्मान राशि से देशभर के ऐसे वैश्य उम्मीदवारों का सम्मान किया जाएगा, जिन्होंने सिविल सर्विस (आईएएस-आईपीएस) की प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से हैं। इसके लिये आगामी 30 नवम्बर तक आवेदन आमंत्रित हैं। अधिक जानकारी वेबसाईट www.vaishivf.com से प्राप्त की जा सकती है।

मूक बधिर विद्यालय में राखी प्रतियोगिता

भीलवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन महिला प्रकोष्ठ द्वारा ओ.पी. हिंगड़ की अध्यक्षता में मूक बधिर विद्यालय में राखी प्रतियोगिता आयोजित की गई। उक्त जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष शोभा भदादा ने बताया कि इसमें 120 बच्चों ने भाग लिया। 24 बच्चों को उषा गर्ग के सहयोग से पुरस्कृत किया गया। पारितोषिक प्रदेश सचिव मधु जाजू एवं अक्षय कोठारी द्वारा दिये गये। एस.एच. कचौलिया द्वारा 50 बच्चे को स्कूल ड्रेस का कपड़ा दिया गया। सुमन बाहेती द्वारा ड्राइंग का सामान, प्रतिभा मानसिहंका द्वारा मोजे बिस्किट तथा फल उमा चौधरी एवं रूपा परसरामपुरिया द्वारा दिये गये। इस अवसर पर मधू लोढ़ा, स्नेहलता भदादा, अंजू शाह, सुलोचना गर्ग, स्नेहलता पटवारी, उमा चौधरी, उषा कचोलिया आदि सदस्यायें उपस्थित थीं।

सप्त सरोवर व नव नारायण की पूजा

रतलाम। पुरूषोत्तम मास में श्री माहेश्वरी महिला भजन मण्डल रतलाम की 32 सदस्याओं ने उज्जैन जाकर सप्त सरोवर व नौ नारायण की पूजा अर्चना व परिक्रमा की। इसमें मधु बाहेती, संजना डाढ़, सुष्मिता मण्डोवरा, सरिता मण्डोवरा, रेखा सोड़ानी, उषा लोहिया आदि शामिल थीं।

> अधूरा ज्ञान खतरनाक होता है।

जलगाँव में 22वाँ अ.भा. परिचय सम्मेलन

जलगाँव। श्री जलगांव माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति द्वारा आयोजित 22 वाँ अखिल भारतीय माहेश्वरी शिक्षित-उच्चशिक्षिति युवक-युवती परिचय सम्मेलन गत 23 व 24 अगस्त को जलगांव में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में करीबन 770 प्रत्याशियों का पंजीयन हुआ। प्रत्याशी के साथ आये अभिभावक अशोक तोषणीवाल मेल्लारी (नांदेड) की अध्यक्षता में समारोह का उद्घाटन तथा विवरणिका का विमोचन हुआ। सचिव सूरजमल सोमाणी व जिला सभा अध्यक्ष संजय दहाड़ ने इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आभार प्रदर्शन सहसचिव डॉ. जगदीश लड्ढा ने किया। विवाह समिति के संस्थापक बालकृष्ण बेहेड़े, अध्यक्ष श्यामसुन्दर झंवर, उपाध्यक्ष प्रमोद झंवर, सचिव सूरजमल सोमानी, सहसचिव डॉ. जगदीश लड्ढा सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। अगले दिन 24 अगस्त को समापन समारोह सतीश चरखा-अध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

तुलसी के पौधे का वितरण कर मनाई हरियाली अमावस्या

उज्जैन। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की स्थानीय शाखा की मासिक बैठक व हरियाली महोत्सव का आयोजन निकास चौराहा स्थित श्री सूर्यनारायण मंदिर प्रांगण में किया गया। संस्था की सभी सदस्याऐं हरे रंग की साड़ी में उपस्थित थीं। इस अवसर पर नींबू, मीठा नीम व तुलसी के पौधे रोपे गए तथा सदस्यों को भी तुलसी पौधों का वितरण किया गया। रोपे गए पौधों को सुरक्षित रखने का संकल्प भी लिया गया। मनोरंजक खेल भी खेले गए। संस्था सचिव रूक्मिणी भूतड़ा, शोभा मूँदड़ा, उषा सोड़ानी, पुष्पा मंत्री, कृष्णा जाजू, शारदा भंडारी, पुष्पा कोठारी, सरिता बाहेती, मनोरमा मंडोवरा, रीता लखोटिया आदि उपस्थित थीं।

> आत्मविश्वास वह संबल है,
> जो रास्ते की हर बाधा को धराशायी कर सकता है।
> महान वह है जो दृढ़तम निश्चय के साथ
> सत्य का अनुसरण करता है

।। जय महेश ।।

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति की
वैवाहिक वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें और
घर बैठे देखें २००० रिश्ते

B.E.,MBA,C.A.,Doctor, ग्रॅज्युएट युवक-युवतियों के बायोडाटा

शुल्क रू.400 (एक वर्ष के लिए)

बँक अकाऊंट माहेश्वरी सोशल सर्व्हिसेस प्रा. लि.

• SBI A/C No. 34040329615 • BULDHANA URBAN : 21 / 722

कांतीलाल राठी
प्रदेश अध्यक्ष

कार्यालय : हिंगोली बँक के निचे, देवलगांव राजा रोड, जालना (महा.)
फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

बागड़ी "समाज गौरव" से सम्मानित

नागपुर। संस्था केंद्रीय मानवाधिकार परिषद् द्वारा अखिल भारतीय मानवाधिकार रक्षा सम्मान-पुरस्कार समारोह विदर्भ साहित्य संघ सम्मेलन, मधुरम हॉल में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नाशिक के सामाजिक कार्यकर्ता नरेश अवसरकर, सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री एंव गायिका टीना घई (सुभाष घई की पुत्री), राजू वाघ (चीफ मिनिस्टर के पीए) व जीवन सुरक्षा प्रकल्प के अध्यक्ष, दुर्गाप्रसाद द्विवेदी दुर्गा ऑस्ट्रो सायंस गुजरात व अशोक पटेल मानवाधिकार नई दिल्ली थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट कैलाश कानुनगो ने की। दिलीप नानावटे, अमन मारेकर, सोमनाथ नागरे नाशिक आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर समाजसेवी शरद बागडी को मुख्य अतिथि फिल्म अभिनेत्री टीना घई द्वारा 25 हजार रुपये की सम्मान निधि व "समाज गौरव" के मानपत्र से सम्मानित किया गया। श्री बागडी ने अपनी पुरस्कार राशि जरूरतमंद बच्चों व महिलाओं के सहायतार्थ मानवाधिकार परिषद् को भेंट कर दी। उल्लेखनीय है कि श्री बागड़ी समाज सेवा के लिये रोटरी क्लब, लायंस क्लब, महाराष्ट्र ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर दिवाकर रावटे व मुख्य मंत्री देवेन्द्र फडनवीस से भी सम्मानित हो चुके हैं।

भवन निर्माण के लिये भूमिपूजन

साबरकांठा। अरवल्ली जिला माहेश्वरी समाज द्वारा शामलाजी (गुजरात) में एन.एच. 8 पर माहेश्वरी भवन का निर्माण किया जाएेगा। इसके लिये 2 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर भूमि पूजन गत 18 जुलाई को किया गया है। जिला समाज अध्यक्ष प्रहलाद सोमानी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि यहाँ श्री चारभुजाजी में निर्मित माहेश्वरी भवन जैसा विशाल भवन बनाने का संकल्प किया गया है। श्री सोमानी ने समाजजनों से इस निर्माण में अपना अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग प्रदान करने की अपील की। इस बारे में अधिक जानकारी हेतु श्री सोमानी व लादुलाल जागेटिया से सम्पर्क किया जा सकता है।

जाजू ट्रस्ट ने दी साढ़े तीन लाख की सहायता

सूरत। जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करने वाले श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट ने गत माह अगस्त में 3 लाख 45 हजार 90 रुपये की कुल आर्थिक सहायता विभिन्न हितग्राहियों को प्रदान की। इस माह में ट्रस्ट को कुल 8 लाख 25 हजार रुपये की दान राशि प्राप्त हुई। इसमें माहेश्वरी मंडल दिल्ली का 1लाख 24 हजार, रामपाल सोनी भीलवाड़ा का 1 लाख, श्रीनिवास मोदानी भीलवाड़ा का 1 लाख, रमेश लड्डा दिल्ली का 1 लाख 50 हजार, विशम्भर काबरा हैदराबाद का 1 लाख 50 हजार, लक्ष्मीकांत बियानी मुम्बई का 1 लाख 50 हजार व माहेश्वरी एज्युकेशनल चेरिटेबल ट्रस्ट भिलाई का 51 हजार रुपये का आर्थिक योगदान शामिल है।

"गलती उसी इंसान से होती है
जो काम करता है
काम न करने वाले
सिर्फ गलती ढूंढते हैं।"

चितलांगिया ने बहाई भागवत गंगा

हुबली (कर्णाटक)। गत 6 जुलाई से 12 जुलाई तक जयपुर निवासी कथाकार राजश्री चितलांगिया (मोसी राम) के श्री मुख से श्रीमद भागवत सप्ताह का आयोजन हुआ। इस कथा का आयोजन ब्रज मोहन भूतड़ा परिवार द्वारा किया गया। इस कथा में माहेश्वरी समाज के साथ अग्रवाल, गुजराती एवं जैन समाज के सदस्य भी शामिल हुए। कथा के पश्चात् रोजाना श्रीवल्लभ चितलांगिया ने श्रोताओं की विभिन्न समस्याओं का समाधान अपने अनुभवों से दिया।

अंगदान कर दी अनोखी प्रेरणा

हैदाराबाद। अमीर पेट निवासी ख्यात व्यवसायी तथा श्री बालाजी राजस्थान मण्डल के पूर्व अध्यक्ष व श्री बालाजी भवन ट्रस्ट एवं माहेश्वरी भवन ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य श्री सूर्यप्रकाश पुगलिया का गत दिनों देहावसान हो गया। श्री पुगलिया लम्बे समय से कोमा की स्थिति में थे। अतः प्रबुद्ध समाजजनों की समझाईश पर परिवार ने श्री पुगलिया के अंगदान का निर्णय लिया। आप अपने पीछे माता पाना देवी, धर्मपत्नी सुरेखा, पुत्र राहुल व रितेश सहित पौत्र-पौत्री आदि का शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

सावधानी बरतें धोखाधड़ी से बचें

▸▸ कई नकली माहेश्वरियों के मैरिज ब्यूरो सक्रिय
▸▸ समाज धोखाधड़ी का शिकार

वर्तमान में यह देखा जा रहा है कि माहेश्वरी समाज में वैवाहिक संबंध तय करने में आ रही समस्या को देखते हुए देशभर में "ऐसे मैरिज ब्यूरो" भी सक्रिय हो गये हैं, जो सरासर धोखाधड़ी कर रहे हैं। इनका समाज से कोई सरोकार नहीं है, यहां तक कि इनके संचालक भी माहेश्वरी नहीं हैं, लेकिन ये समाज की डायरेक्ट्रियों से जानकारी हासिल कर "माहेश्वरी" बनकर समाजजनों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। जबलपुर आदि कई स्थानों से इनके द्वारा धोखाधड़ी किये जाने की जानकारी प्राप्त हो रही है। आमतौर पर ऐसे मामले में पीड़ित परिवार भी सामाजिक प्रतिष्ठा के डर से पुलिस तक नहीं जाते। यदि किसी भी समाजजन के पास किसी मैरिज ब्यूरो से फोन आता है, तो उनके झांसे में न आएं। उसके बारे में तहसील, जिला आदि किसी भी स्तर के संगठन से सम्पर्क करें और उसकी विश्वसनीयता की तस्दीक करें। जब विश्वास हो जाऐ तो उसके पश्चात् की सम्पर्क करें। जो समाजजन ऐसे लोगों की धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं, वे भी साहस के साथ सामने आऐं। वे इस मामले में पुलिस में प्रकरण भी दर्ज करवाऐं और समाज संगठन को भी बताऐं, जिससे किसी और समाजजन के साथ ऐसी घटना न हो। हम ऐसी घटना छुपाते हैं, तो इसी का नतीजा है कि ऐसी घटनाओं में दिनोंदिन वृद्धि के रूप में सामने आता है। अतः स्वयं भी जागरूक हों और दूसरों को भी जागरुक करें।

हरियाली के साथ मना सावन उत्सव

उदयपुर। संरक्षक कौशल्या गट्टानी सरिता न्याती व सचिव आशा नारायणीवाल के नेतृत्व में राजकीय आदर्श माध्यमिक विद्यालय में आयुर्वेदिक दवाइयों के पौधों का रोपण कर इनके संरक्षण का संकल्प लिया गया गुरूपूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरू अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। गत 19 अगस्त को उदयपुर में सभी माहेश्वरी क्लबों की महिलाओं ने मिलकर सावन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन भी किया। इस उत्सव में महिलाओं द्वारा गीत-नृत्य आदि के मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संरक्षक कौशल्या गट्टानी, सरिता न्याती, जनक बांगड़, बीना मोहता, आशा नारायणीवाल, निर्मल, नूपुर आदि मौजूद थे।

स्नेहभोज के साथ हुआ वरिष्ठजनों का सम्मान

चंद्रपूर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर जिले के माहेश्वरी समाज के 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो के स्नेह मिलन कार्यक्रम "स्नेहांचल" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह प्रयास किया गया कि बुजुर्ग अपने पुराने साथियों से मिलें और आपस में पुराने दिनों की यादें ताजा करें तथा जीवन की संध्या-बेला में खुशी के कुछ पल बिताएँ। सुबह 8 बजे समाज के बुजूर्गों के आगमन पर पुष्प वर्षा कर उनका तिलक लगाकर व राजस्थानी फेटा बांधकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभी का मेडीकल चेकअप भी किया गया, जिसमें समाज के डॉक्टरों का सहयोग मिला। पुराने समय के खेल और स्पर्धायें रखी गई। राजस्थानी गीत, भजन व खेल में सहभाग लेकर सभी ने अपने पुराने समय को याद किया। शाम को भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। अंत में समाज के बुजुर्गो का सम्मान "स्मृतिचिन्ह" एवं कार्यक्रम की यादों की तस्वीर देकर सम्मान किया गया। केन्द्रिय राज्यमंत्री हंसराज अहीर ने उपस्थित रहकर समाज के सबसे बुजुर्ग श्रीमती यशोदादेवी मूलचंद सोमानी एवं महेशकुमार बंग का सत्कार किया गया। शाम को पूरे समाज का सहभोज आयोजित हुआ। मंडल की अध्यक्ष आनंदी सारडा, सचिव सुचिता राठी, कोषाध्यक्ष इंदुदेवी जाजू, प्रमिला बजाज, उषा सोनी, रेखा लाहोटी सहित समस्त सदस्याओं और समाज के जिला व युवा संगठन का भी सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

पौधारोपण की मंगाई सेटेलाईट इमेज

जयपुर। नेशनलग्रीन ट्रिब्यूनल सेन्ट्रल जोनल भोपाल ने पर्यावरणविद् भीलवाड़ा निवासी बाबूलाल जाजू की जनहितयाचिका पर राज्य सरकार को मार्ग चोड़ा करने के लिए काटे गये लाखों विशालकाय पेड़ों के बदले लगाये गये पौधों की सेटेलाईट ईमेजरी पेश करने के निर्देश दिये। श्री जाजू की जनहित याचिका पर ग्रीन ट्रिब्यूनल ने कड़े निर्देश देते हुए अब तक काटे गये पेड़ों की नीलाम की गई लकड़ी के राजस्व का हिसाब भी पेश करने के निर्देश दिये है।

"एक घड़ी
खरीदकर
हाथ में क्या
बांध ली
वक्त पीछे ही
पड़ गया मेरे।"

'एक जिद्दी प्रयास' पुस्तक का विमोचन

नागपुर। ख्यात समाजसेवी व चार्टर्ड इंजीनियर श्याम राठी द्वारा लिखी गई पुस्तक "एक जिद्दी प्रयास" का विमोचन गत दिनों हुआ। इसके साथ ही यह पाठकों को समर्पित हो गई। उल्लेखनीय है कि श्री राठी तहसील जिला व प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष महासभा के संयुक्त मंत्री, माहेश्वरी बोर्ड के पूर्व संचालक तथा महासभा कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति के प्रमुख आदि कई पदों पर रह चुके हैं।

सुभाष काबरा को "जीवन गौरव" अवार्ड

अकोला। संस्था "कलाश्रय" द्वारा मुम्बई निवासी ख्यात सुभाष काबरा को "जीवन गौरव" सम्मान अवार्ड से सम्मान किया। इस अवसर पर हरीश बिलाखिया ने सम्मान पत्र, नेहा शरद ने शाल श्रीफल तथा घनश्याम अग्रवाल ने मित्र मंडल की और से एक लाख की राशि प्रदान की। सम्मान समारोह के बाद उपस्थित प्रबुद्धजनों ने नेहा शरद के सान्निध्य में शरद संध्या का आनंद भी उठाया।

> पूरे समुद्र का पानी भी
> एक जहाज को नहीं डुबो सकता
> जब तक पानी को जहाज
> अन्दर न आने दे।
> इसी तरह दुनिया का
> कोई भी नकारात्मक विचार
> आपको नीचे नहीं गिरा सकता
> जब तक कि आप उसे
> अपने अन्दर आने की
> अनुमति न देदें।

पद्मश्री बंशीलाल राठी का मना 83वाँ जन्म दिवस

चैन्नई। पूर्व सभापति अ.भा. माहेश्वरी व आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र के कार्याध्यक्ष पद्म श्री बंशीलाल राठी का 83वाँ जन्मदिन मनाया गया। उज्जैन माहेश्वरी समाज के एक समूह ने रामेश्वरम यात्रा के दौरान श्री राठी जी के निवास किलपाक गार्डन चेन्नई पर जाकर श्रीफल से उनका अभिनंदन किया एवं उनके शतायु होने की भगवान श्री महाकालेश्वर से कामना भी की। इस अवसर पर जयप्रकाश-आरती राठी, नवल-रजनी माहेश्वरी, कैलाश-अनिता डागा, विजय-हेमा बावरी, अमूल-श्वेता लढ़ा, संतोष-ममता काबरा, गिरीश-उषा भट्टड़, पुष्कर-सरिता बाहेती एवं दिव्या माहेश्वरी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री राठी ने सभी को धन्यवाद देते हुए सुखद यात्रा की मंगलकामना की।

प्रियंका मूंदड़ा ने रचा इतिहास

नागपुर। राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज विद्यापीठ नागपुर के 102वे दीक्षांत समारोह का आयोजन 29 अगस्त को वसंतराव देशपांडे हॉलमें किया गया। प्रसिद्ध खगोल-शास्त्री श्री जयंत नारलीकर, कुलपति श्री काणे इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थे। डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर महाविद्यालय की विद्यार्थी कु. प्रियंका विट्ठलमूंदड़ा ने पांचवर्षीय विधि पाठ्यक्रम में 18 पदक व पारितोषिक अपने नाम कर सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त किये। प्रियंका ने विभिन्न विषयों में सर्वाधिक अंक लेकर 12 स्वर्ण पदक, 4 रजत एवं 2 पुरस्कारों को अपने नाम किया है। नागपुर विद्यापीठ में प्रथमतः किसी विद्यार्थी ने इतने पुरस्कार लिए। विधि पाठ्यक्रम में इतने पारितोषिक लेकर प्रियंका ने इतिहास रच दिया। उल्लेखनीय है कि लॉ के साथ-साथ ही प्रियंका ने कंपनी सेक्रेटरी (CS) की डिग्री भी हासिलकी है। सिटी सिविलऔर सेशन जज रहे प्रियंका के पिता विट्ठलमूंदड़ा ने भी अपने समय में स्वर्ण व रजत पदक हासिलकिया था। उन्हीं से प्राप्त प्रेरणा से प्रियंका इस मुकाम पर पहुँची। बचपन से कुशाग्र प्रियंका अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी माता किरण मूंदड़ा, अध्यापक वर्ग एवम् परिवारजनों को देती हैं।

रुचिता बनी टॉपर

अमरावती। प्रतिष्ठित अनाज व्यापारी नितिन साबू की सुपुत्री रुचिता राठी ने 96% अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में एम.ई. की उपाधि प्राप्त की।

प्रणीता ने किया बी.डी.एस.

मानवत (परभणी)। नगर पालिका मानवत के पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार बांगड की सुपुत्री प्रणीता ने नागपुर से बी.डी.एस. अंतिम वर्ष परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। प्रणीता स्वर्गीय श्री बिहारीलाल बांगड़ की पौत्री हैं, जो मानवत माहेश्वरी भवन गोपाल कृष्ण गोरक्षण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष थे।

राहुल-रोहित को उपलब्धि

हैदराबाद। समाज सदस्य गोविंदनारायण लड्ढा के सुपुत्र राहुल ने बिट्स पिलानी से इंजीनियरिंग (कम्प्यूटर साईंस) की प्रथम वर्ष की परीक्षा 9.3 ग्रेड के साथ उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि राहुल ने इंटरमीडिएट परीक्षा भी अपने कॉलेज के टॉपर के रूप में कुल 980 अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की थी। इसी प्रकार श्री लड्ढा के छोटे सुपुत्र व राहुल के भाई रोहित ने इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष की परीक्षा 94.6 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की। वे अभी आईआईटी के लिये होने वाली परीक्षा जेईई की तैयारी कर रहे हैं।

प्रियांशु को 95% अंक

दिग्रस (यवतमाल)। कृषि व्यवयासी गोपाल-रामेश्वर साबू तथा प्रेरण साबू के सुपुत्र प्रियांशु को नागपुर के जी.एम.सी. मेडीकल कॉलेज में प्रवेश प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि प्रियांशू ने 12वीं में भी 95% अंक प्राप्त किये हैं।

भावना को 85% अंक

दर्यापुर (अमरावती)। स्थानीय समाज सदस्य संकेत भूतड़ा की धर्मपत्नी भावना ने अमरावती विद्यापीठ से एम.एससी. जूलॉजी की परीक्षा 85% अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इस परीक्षा में भावना ने विद्यापीठ में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

नुपुर बनी विदर्भ चेम्पियन

नागपुर। विदर्भ स्तरीय अॅबॅकस तथा ब्रेन जिम स्पर्धा का आयोजन गत दिनों किया गया। इस स्पर्धा में समूचे विदर्भ से करीब 2000 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें 6 वर्षीय छात्रा नुपुर मुरके ने केवल 2 मिनिट में रेकॉर्ड 90 गणित के सवाल सुलझाकर स्तर 3 में चैम्पियन ऑफ चैम्पियन ट्राफी व स्वर्ण पदक प्राप्त किया। नुपुर ख्यात कान, नाक व गला विशेषज्ञ डॉ. नीरज व चर्मरोग विशेषज्ञ डॉ. पल्लवी मुरके की सुपुत्री हैं।

यशुमिता सीएस एक्जीक्युटिव उत्तीर्ण

ग्वालियर। मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहश्वेरी सभा के सहसचिव सुनील लोईवाल व भजन गायिका नीलू माहेश्वरी की सुपुत्री यशुमिता माहेश्वरी ने सीएस एक्जीक्यूटिव के दोनों ग्रुपों की परीक्षा एक साथ उत्तीर्ण की। यशुमिता इसके पूर्व सीए, आईपीसीसी के दोनों ग्रुपों की परीक्षा भी एक साथ उत्तीर्ण कर चुकी हैं। इसके साथ ही यशुमिता कथक नृत्य में बीए की डिग्री भी ले चुकी है। उन्होंने ग्वालियर मेला रंगमंच तथा अन्य बड़े मंचों से अपनी प्रस्तुति देकर कई अवार्ड भी अपने नाम किये हैं। वह ग्वालियर माहेश्वरी समाज के पूर्व उपाध्यक्ष गणेशनारायण लोईवाल तथा वृहत्तर ग्वालियर माहेश्वरी महिला मंडल की पूर्व उपाध्यक्षा अन्नपूर्णा लोईवाल की

आदित्य को 95% अंक

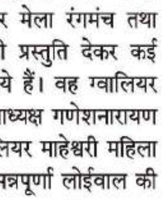

डांडेली। समाज सदस्य रमाकांत बांगड के सुपुत्र आदित्य बांगड ने कर्नाटक की सेंकण्डरी बोर्ड की परीक्षा 94.56% अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने सभी विषय में ए-प्लस ग्रेड प्राप्त की।

प्रिंस को IPCC में 11वीं रेंक

कोलकाता। श्री कोठारी बंधु शौर्य स्मृति न्यास के प्रबंध न्यासी घनश्याम करनानी के सुपुत्र प्रिंस करनानी ने आल इंडिया स्तर पर आयोजित सीए आईपीसीसी परीक्षा में 11वीं रेंक के साथ सफलता प्राप्त की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया। प्रिंस सीएफए के दो लेबल भी पूरे कर चुके हैं। इसके साथ ही वे वर्तमान में एक प्रतिष्ठित इंटरनेशनल ऑडिट फर्म के साथ इंटर्नशिप भी कर रहे हैं। 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार की ओर से भी बधाई दी गई।

ईशा ने किया एम.फार्मा

जानेफल (जिला बुलढाणा)। डॉक्टर संजय लाहोटी की सुपुत्री ईशा ने अमरावती यूनिवर्सिटी के गवर्नमेंट फार्मेसी कॉलेज से एम.फार्मा. की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने कॉलेज में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

निर्मल अमेरिका रवाना

यवतमाल। स्थानीय चिकित्सक दम्पत्ति डॉ. निर्मला तथा डॉ. सुरेन्द्र मूंदड़ा के सुपुत्र निर्मल मुंदड़ा ने पुणे विश्व-विद्यालय से मैरिट के साथ इंजीनियरिंग की उपाधि प्राप्त की। वे आगे अमेरिका की विख्यात कारनेजी मेलन यूनिवर्सिटी पीट्सबर्ग, पेनसालविया से केमिकल इंजीनियरिंग में एम.एस. करेंगे। निर्मल को पूरे देश से जी. आर. ई. में 5वाँ तथा टॉफेल में पूरे देश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

पंकज हुए सीएस उत्तीर्ण

भीलवाड़ा। महेश बचत एवं साख समिति के अध्यक्ष दिनेश काबरा के सुपुत्र पंकज काबरा ने सीएस परीक्षा उत्तीर्ण की। अभी पंकज सीए फायनल की तैयारी कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर परिवारजनों एवं स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

समाज सेवा के प्रेरणा स्त्रोत

नथमल डालिया

हैदराबाद निवासी नथमल डालिया ने अपनी कर्मठता, अनूठी संगठन क्षमता तथा पूर्ण समर्पित व निष्काम सेवा भावना से एक-एक सोपान पार करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर दृढ़निश्चयी निष्ठावान समाजसेवी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है। सन् 1985 में आप आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। सन् 1987 में हैदराबाद में आयोजित अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की बैठकों के लिए स्वागताध्यक्ष बनाए गए। इन आयोजनों की भव्य सफलता के लिए आपकी कार्यक्षमता तथा प्रयासों की सभी ने सराहना की।

समाजसेवा की स्वस्थ परम्परा

सन् 1988 में आप सर्वसम्मति से 'आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा' के अध्यक्ष चुने गए। सन् 1992 में सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष चुने गये। दूसरी बार प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित होना आपकी प्रशासनिक क्षमता, कार्यकुशलता, समाज के प्रति निष्ठा तथा लोकप्रियता का ज्वलन्त प्रमाण है। महासभा के जैसलमेर अधिवेशन में दक्षिणांचल के संयुक्त मंत्री के रूप में निर्वाचित होने पर एक व्यक्ति एक पद के सिद्धान्त का सम्मान करते हुए प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष पद से तत्काल त्याग पत्र देकर सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए एक स्वस्थ परम्परा स्थापित की।

महासभा को दी सतत सेवा

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा से सम्बद्ध प्रादेशिक सभाओं द्वारा गठित ट्रस्टों में सर्वप्रथम गठित 'आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ट्रस्ट' की स्थापना 1989 में आपकी अध्यक्षता में हुई। समाजसेवा के जिस बीज को आपके कार्यकाल में रोपा गया आज उसका सुरक्षित कोष लगभग 1 करोड़ 50 लाख रूपये हो गया है। महासभा के 24 वें सत्र में महासभा के मुखपत्र 'माहेश्वरी' की संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में आपने माहेश्वरी पत्रिका को आर्थिक दृष्टि से आत्म निर्भर बनाने तथा प्रसार संख्या बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। आपके सामूहिक प्रयासों के कारण 'माहेश्वरी' को समाज की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं एवं गरिमा के अनुरूप आकर्षक, पठनीय और संग्रहणीय रूप से प्रस्तुत करने में सफलता प्राप्त हुई। आप 'श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र' की प्रबन्ध समिति सदस्य तथा हैदराबाद के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान 'महेश विद्या भवन' के निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं।

समाज सेवा किस तरह निःस्वार्थ व समर्पित भाव से की जाती है, इसी के आदर्श हैं, हैदराबाद निवासी वरिष्ठ समाजसेवी नथमल डालिया। लगभग सम्पूर्ण जीवन ही समाज को अर्पित कर दिया लेकिन उनकी समाजसेवा के यज्ञ में दी जाने वाली आहुति अभी भी सतत जारी है।

सेवा के वृहद आयाम

व्यवसाय कौशल, सक्षम आर्थिक प्रबन्धन तथा औद्योगिक विषयों पर पारंगतता के कारण आप लगातार दो बार दक्षिण भारत की सहकारिता क्षेत्र की सर्वप्रथम बहु राज्यीय अनुसूचित बैंक 'आन्ध्र प्रदेश महेश को-आपरेटिव अर्बन बैंक' के निदेशक पद पर प्रचण्ड बहुमत से विजयी हुए। सन् 1998 से 2002 तक आप अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति रहे और संगठन को सुदृढ़ बनाने में रचनात्मक भूमिका निभाई। विगत 2 वर्षों से अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर को अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं। वर्तमान में आप गिरीराज अन्नक्षेत्र वृंदावन (हैदराबाद शाखा) के अध्यक्ष एवं माहेश्वरी भवन ट्रस्ट, निजामाबाद के आजीवन संस्थापक ट्रस्टी हैं। आपकी सदैव मान्यता रही है कि समाज सेवा यश और कीर्ति का हेतु नहीं अपितु त्याग की उत्कृष्ट भावना है, समाज के प्रति अपने दायित्व निर्वहन का प्रयास है, कर्त्तव्य पालन की आत्माभिलाषा है।

आध्यात्म में अभी भी कई ऐसे गूढ़विषय हैं, जो आमजन की समझ से परे हैं। ऐसे गूढ़ार्थ को अपनी लेखनी से सरल व सहज बनाने में जुटे हुए हैं 89 वर्षीय उज्जैन निवासी व वर्तमान में इन्दौर में निवासरत गोकुलदास बागड़ी (माहेश्वरी)। उनकी लिखी आध्यात्मिक पुस्तकें विश्व स्तर पर भी इतनी लोकप्रिय हुई कि इनमें से कई के तो अंग्रेजी अनुवाद भी तैयार हुए है।

आध्यात्मिक जगत के अनूठे रचनाकार गोकुलदास बागड़ी

सितम्बर सन् 1926 को बीकानेर (राज.) में सेठ जानकीदासजी के यहाँ जन्में गोकुलदास बागड़ी ने बीकानेर से ही दर्शनशास्त्र विषय के साथ स्नातक किया। इसके पश्चात् उन्होंने उज्जैन (म.प्र.) को अपनी कर्मभूमि बनाते हुए अपना पैतृक थोक कपड़े का व्यवसाय सम्भाल लिया। एक व्यवसायी के रूप में तो उज्जैन का थोक कपड़ा व्यवसाय उनके ऐतिहासिक योगदानों के कारण उन्हें हमेशा नमन करता ही रहेगा लेकिन साथ ही आध्यात्मिक जगत में वर्ष 1998 से प्रारम्भ उनकी लेखन की यात्रा ने भी उनसे ऐसी अनूठी आध्यात्मिक कृतियों की रचना करवाई, जो अपने आप में अनमोल हैं।

थोक कपड़ा व्यवसाय को नई दिशा

श्री बागड़ी उज्जैन के थोक कपड़ा व्यवसाय के लिये किसी वरदान से कम नही थे। जब उन्होंने व्यवसाय प्रारम्भ किया था। तब थोक व्यापारी शहर में स्थित मिलों से सामान्य स्तर का कॉटन ही सीधे थोक भाव में खरीदते थे। ऊँची क्वालिटी का कॉटन यार्न अन्य शहरों से दलालों के माध्यम से ही खरीदा जाता था। अतः यह कपड़ा महंगा मिलता था। इस स्थिति को देखते हुए श्री बागड़ी ने स्वयं ही देश के विभिन्न शहरों में स्थित कई मिलों से सीधे सम्पर्क कर न सिर्फ स्वयं बल्कि सभी व्यापारियों को भी थोक भाव में कपड़ा उपलब्ध करवाया। इससे बाजार को नई दिशा प्राप्त हुई। वे व्यापारियों के बीच भी इतने अधिक प्रतिष्ठित थे कि कई व्यापारियों के व्यावसायिक विवाद उन्होंने ही मध्यस्थता करते हुए सुलझाऐ।

एक सुव्यवस्थित थोक कपड़ा मार्केट की सौगात

वर्तमान में उज्जैन में थोक कपड़ा व्यापारियों के लिये विक्रमादित्य क्लाथ मार्केट बना हुआ है। इसके निर्माण के मूल में भी श्री बागड़ी क योगदान ही है। उन्होंने इसकी संकल्पना की और एक सहकारी समिति बनाकर इसे मूर्त रूप दिया। इसके निर्माण में कदम-कदम पर कई बाधाएँ आईं। यहाँ तक कि बैंक ने कर्ज देने तक से इनकार कर दिया, लेकिन उन्होंने सदस्यों के सहयोग व अपने दृढ़ संकल्प से सभी बाधाओं को दूर करके ही दम लिया। इसका परिणाम है कि वर्तमान में एक अत्यंत विशाल क्षेत्र में निर्मित भव्य थोक कपड़ा मार्केट शहर की शान तो बढ़ा ही रहा है, साथ ही व्यापारियों को सुविधा भी प्रदान कर रहा है।

समाज सेवा में भी सक्रिय

श्री बागड़ी माहेश्वरी समाज सहित कई समाजसेवी गतिविधियों में सतत सक्रिय रहे हैं। माहेश्वरी मारवाड़ी समाज को एक विधान बनाकर नियमानुसार पंजीबद्ध करवाने का श्रेय भी श्री बागड़ी को ही जाता है। उन्होंने संगठन व श्री लक्ष्मीनृसिंह मंदिर के संचालन की पृथक-पृथक व्यवस्था की। वर्तमान में उज्जैन के क्षिप्रा तट स्थित श्मशान चक्रतीर्थ पर "चक्र तीर्थ सहायक समिति" द्वारा अंतिम संस्कार के लिये बिना लाभ के अत्यंत कम शुल्क में लकड़ी-कंडे प्रदान किये जाते हैं। इस समिति को भी श्री बागड़ी ने रजिस्टर्ड करवाकर शहर को इस पुनीत सेवा की सौगात दी है।

आध्यात्म की ओर इस तरह बढ़े कदम

उज्जैन में व्यवसायरत रहते हुए ही पत्रिका "कल्पवृक्ष" के सम्पादक दुर्गाशंकर नागर तथा युग पुरुष श्री परमानंदजी महाराज के सम्पर्क में आये और उनकी सोच आध्यात्मिक होती चली गई। इसी दौरान महाराज की लिखी पुस्तक "दो दिशाओं की यात्रा" की प्ररोचना भी श्री बागड़ी ने लिखी। इसके पश्चात् 2 अप्रैल 1998 को आपकी धर्मपत्नी श्रीमती गंगादेवी का देहावसान हो गया। उनकी स्मृति को अक्षुण्य रखने के लिये श्री बागड़ी ने सर्वप्रथम बार आध्यात्म पर लेखनी चलाई और श्रीमद् भागवत के द्वितीय स्कंध का विषय विवेचन करते हुए पुस्तक "भागवत गंगा" लिखकर उसकी प्रतियाँ वितरित की। इसमें स्वामी परमानंदजी ने आशीर्वचन भी लिखे। इसके पश्चात् उनकी लेखनी जो चली तो चलती ही चली जा रही है। इसके पश्चात् गीता पर "श्री गीता तत्व बोध", विष्णु सहस्त्र नाम पर आधारित "सहस्त्र सोपान", सिंहस्थ 2004 में उपनिषदों पर आधारित "आत्म-चिन्तनम्" आदि लिखी गई। उनके दौहित्र सौम्य सिंगी ने उनकी पुस्तकों को आनलाईन कर दी। इससे विदेशाी पाठकों की मांग अंग्रेजी में भी उपलब्ध करवाने की उठी। श्री बागड़ी ने इस मांग को देखते हुए अंग्रेजी में पाँचवी पुस्तक "Am Approach to" लिखी है, जिसका प्रकाशन शेष है। पत्रिका 'ब्रह्मात्म शक्ति' इन्दौर व 'गोस्वामी आभा' कोटा द्वारा उनके लिखे आलेखों का नियमित प्रकाशन किया जा रहा है। उनके लिखे 50 से अधिक ब्लाग्स का "Times of India" के कॉलम "स्पीकिंग ट्री" में भी प्रकाशन हुआ है। वर्तमान में उनकी लिखी इन पुस्तकों की संस्कृत व हिन्दी के कई मूर्धन्य विद्वान् तथा संतों ने भी प्रशंसा की है।

निःशुल्क शिक्षा को समर्पित

सोढ़ानी दम्पत्ति

अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में उन्नति करना हर बच्चे का सपना होता है। इसके बावजूद गरीब परिवारों के बच्चों के लिये पैसे की कमी के चलते यह सपना सिर्फ 'सपना' ही बनकर रह जाता है। ऐसे ही बच्चों के जीवन को संवार रही हैं, जयपुर की वरिष्ठ 73 वर्षीय गीता सोढ़ानी व इसमें कॅरियर मार्गदर्शक बने हुए हैं, उनके पति रिजर्व बैंक के सेवानिवृत्त एक्जीक्युटिव डायरेक्टर ओ.पी सोढ़ानी।

जवाहर नगर के सेक्टर-6 की 73 वर्षीय गीता सोढ़ानी का शिक्षा के प्रति किया गया कार्य किसी मिसाल से कम नहीं है। वह पिछले 15 साल से आर्थिक रूप से अक्षम बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देकर उनके सपनों को साकार करने में जुटी है। जवाहर नगर स्थित कच्ची बस्ती के बच्चे आर्थिक कारणों से शायद ही अपनी पढ़ाई पूरी कर पाते। लेकिन श्रीमती सोढ़ानी ने इन बच्चों का हाथ थाम लिया। बच्चों के लिए गीता अब किसी भगवान से कम नहीं। खास बात है कि इनसे शिक्षा पाकर कई आर्थिक रूप से अक्षम बच्चे वर्तमान में अपने पैरों पर खड़े हो कर कई उच्च पदों फर नौकरी कर रहे हैं। वहीं गीता का पढ़ाने का सिलसिला आज भी जारी है। वे बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने के साथ पाठ्य सामग्री और स्टेशनरी भी उपलब्ध करवा रही है। वर्तमान में भी जवाहरनगर और राजापार्क के कई बच्चे गीता से पढ़ रहे हैं। पति ओ.पी. सोढ़ानी उनके इस अभियान में सहयोगी तो है ही, साथ ही बच्चों के लिये कॅरियर मार्गदर्शक की भूमिका भी निभा रहे हैं। यह सोड़ानी दम्पत्ति की मेहनत का फल ही है कि उनके पढ़ाए कई बच्चे बड़े होकर अब अच्छे-अच्छे पदों पर पहुँच चुके हैं।

खुद की पीढ़ा ने दिखाई राह

आज कई बच्चों का जीवन संवारने वाली श्रीमती सोढ़ानी की इस सेवा भावना के पीछे भी उनकी अपनी ही कहानी है। उनका जन्म पिलानी के परम्परागत परवाल परिवार में हुआ और इन्दौर में प्रारम्भिक शिक्षा ग्रहण की। उस समय मारवाड़ी माहेश्वरी परिवारों में कम उम्र में लड़कियों का विवाह कर दिया जाता था, अतः उन्हें अधिक पढ़ाया भी नहीं जाता था। यही श्रीमती सोढ़ानी के साथ भी हुआ। मात्र 7 वीं कक्षा के बाद उनकी पढ़ाई छूट गई। इसके बाद परिवार के एक परिचित ज्योतिषी व पत्रकार की प्रेरणा मिली और फिर से प्रायवेट तौर पर पढ़ाई प्रारम्भ की। मेट्रिक और फिर बी.ए. सब कुछ अपने बलबूते प्रायवेट तौर पर किया। इसी के दौरान वर्ष 1960 में सांभरलेक के सोढ़ानी परिवार में श्री ओ.पी. सोढ़ानी के साथ परिणय सूत्र में बँध गई। ससुराल में भी उन्हें सतत् प्रोत्साहन मिला तो उन्होंने तीनों भाषाओं हिन्दी व संस्कृत में एम.ए. कर के ही दम लिया।

पति रहे रिजर्व बैंक अधिकारी

पति श्री सोढ़ानी ने अर्थशास्त्र में गोल्ड मेडलिस्ट के रूप में एम.ए. किया था। वे प्रारम्भ में प्रोफेसर रहे लेकिन शादी के बाद "रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया" में सेवा करने लगे। इसमें हर तीसरे वर्ष में उनका ट्रांसफर हो जाता था। अतः उनके साथ देश के कई राज्यों में जाना हुआ। जब से फॉरेन एक्सचेंज डिपार्टमेंट के पदाधिकारी थे, तब उनके साथ कई बार इंग्लैड व अमेरिका आदि देशों का भ्रमण भी किया। इस पारिवारिक माहौल ने भी श्रीमती सोढ़ानी को उच्च शिक्षा के लिये सतत प्रेरित किया।

इस तरह प्रारम्भ हुई सेवा यात्रा

श्रीमती सोढ़ानी को कोई भी जरूरतमंद अशिक्षित मिलता तो उनके अंदर बैठा शिक्षक जागृत हो जाता। इसी के चलते उनके इस निःशुल्क शिक्षा के यज्ञ की शुरूआत घर के नौकरों को पढ़ाने से ही हुई। फिर औपचारिक रूप से एक अंध विद्यालय के 4-5 बच्चों को पढ़ाया। एक श्री जी.डी. सोमानी स्कूल, मुम्बई में 5 वर्ष तक अध्यापिका के रूप में पढ़ाया। पति की सेवा निवृत्ति के बाद राजस्थान के प्रथम "बैकिंग लोकपाल" के रूप में नियुक्ति हुई। श्रीमती सोढ़ानी लगभग 40 वर्ष से होम्योपैथी का ज्ञान अर्पित कर अपनी सेवा दे रही थी। वह सेवा यहां भी प्रारम्भ हो गई और इसके साथ उनके शिक्षादान के अभियान ने भी एक वृहद व नियमित रूप ले लिया। गत 15 वर्षों में उनके द्वारा 200 से भी अधिक जरूरतमंद विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं। श्री सोढ़ानी भी अब पूर्ण रूप से उनके इस अभियान से सम्बद्ध हैं और कॅरियर मार्गदर्शक की भूमिका भी निभा रहे हैं।

सेवा की राह पर ही पूरा परिवार

सोढ़ानी दम्पत्ति की पुत्री दिल्ली से शिक्षा पूर्ण कर नोएडा में होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में सेवा दे रही हैं। उन्होंने राष्ट्रपति के चिकित्सक के सान्निध्य में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। पुत्र व पुत्र वधु 22 वर्ष से सिडनी में हैं। वहाँ युनिवर्सिटी से पशु-पक्षी व वृद्धों की देखभाल का कोर्स पूर्ण कर वे इसी क्षेत्र में सेवारत हैं। आगामी वर्ष में उनका भारत लौटकर जयपुर में ही अपनी सेवा देना का इरादा है।

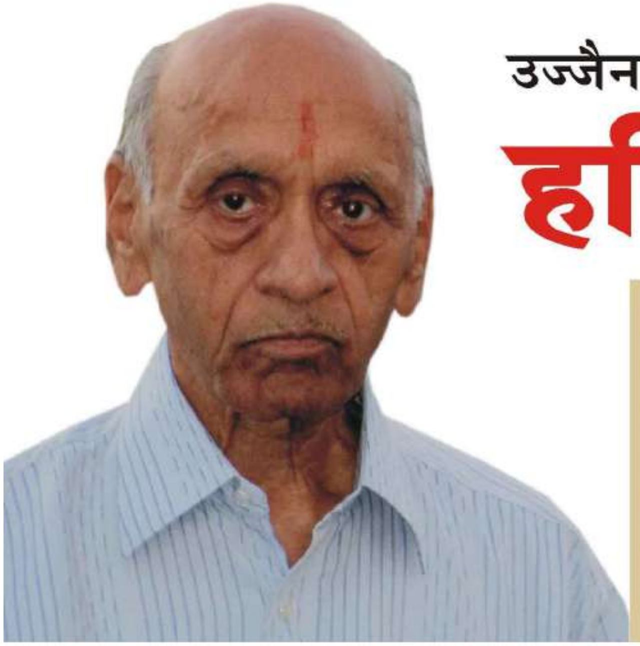

उज्जैन शहर के विकास के सहभागी
हरिराम गुप्ता

वर्तमान में उज्जैन शहर विकास के अत्यंत तीव्रता से आयाम तय करता जा रहा है। इसका कारण इसका धार्मिक पर्यटक नगर होना है। लेकिन जिस समय यह स्थिति नहीं थी, तब इस विकास की शुरुआत करने वाले थे, एच.आर. गुप्ता के नाम से जाने जाने वाले जोधपुर निवासी हरिराम गुप्ता। उनकी कई सौगातें वर्तमान में भी अपनी सेवा दे रही हैं।

किसी समय शहर के सबसे अधिक प्रतिष्ठित रहे उद्योग "श्री सिंथेटिक्स" के "एक्जीक्युटिव डायरेक्टर" के रूप में शहरवासी 78 वर्षीय हरिराम गुप्ता को एच.आर. गुप्ता के नाम से जानते हैं। वर्ष 1970 से लगभग वर्ष 2000 तक के अपने सक्रिय कार्यकाल के दौरान उन्होंने शहर को कई सौगात अपनी कंपनी से दिलवाई, जिनमें विक्रम कीर्ति मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर में टीवी सेट्स की स्थापना, हरसिद्धि क्षेत्र में चारधाम मंदिर, श्री सिंथेटिक्स परिसर व महानंदानगर में हनुमान मंदिर, शिव मंदिर, महाश्वेतानगर के समीप एसबीआई कॉलोनी परिसर में श्री हनुमान, शिव परिवार व राम दरबार मंदिर, महाश्वेतानगर में राधाकृष्ण मंदिर आदि शामिल हैं। यह वह दौर था, जब पर्यटन स्थल के रूप में शहर के लिये शासन का कोई अतिरिक्त फंड नहीं होता था। उनके प्रयासों से कंपनी के सहयोग से मिली ये सौगात आज भी अपनी सेवा दे रही हैं। प्रतिष्ठित कालिदास समारोह में भी उनका सहयोग होता था। वर्तमान में श्री गुप्ता जोधपुर में निवास कर रहे हैं।

सामान्य परिवार से जीवन की शुरुआत

श्री गुप्ता का जन्म 24 मई 1937 को राजस्थान के अजमेर जिले के मुख्य तीर्थ स्थल पुष्कर के समीप स्थित कड़ैल गांव में हुआ था। प्राथमिक शिक्षा गांव से ही प्राप्त कर विजयनगर, पिलानी, पाली एवं जोधपुर से उच्च शिक्षा प्राप्त की। इसमें इंजीनियरिंग की शिक्षा एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कालेज जोधपुर से प्राप्त की। इसके आगे की उच्च शिक्षा के लिये विदेश जाना चाहते थे, लेकिन पारिवारिक कारणों से नहीं जा सके। चार वर्ष तक शिक्षण कार्य करने के पश्चात उद्योग जगत से सम्बद्ध हो गये।

इस तरह पहुंचे "श्री" तक कदम

श्री गुप्ता ने उद्योग जगत में निर्माण का प्रथम प्रोजेक्ट पोद्दार ग्रुप जयपुर का लिया। इसकी सभी ने अत्यंत सराहना की। बस इसके बाद तो झुनझुनवाले जैसे कई ख्यात उद्योगपति सम्पर्क में आये और हर किसी ने उनके काम को सराहा। इसी क्रम में बागड़ ग्रुप के सम्पर्क में आये। उन्होंने अपनी पोलीस्टर युनिट म.प्र. में स्थापित करने की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी। श्री गुप्ता ने इसके लिये प्रदेश के कई शहरों का भ्रमण किया और आखिरकार उन्हें उज्जैन ही इसके लिये सर्वथा उपयुक्त लगा। समस्त प्रक्रिया पूर्ण कर सर्वप्रथम मात्र 3 टन की युनिट प्रारंभ की गई। कारण यह था कि उस समय लघु युनिट के ही लायसेंस मिलते थे।

सतत चली सफलता की यात्रा

वैसे तो श्री गुप्ता यहां मात्र 2 वर्ष के लिये युनिट के निर्माण के लिये ही आये थे। लेकिन बांगड समूह ने उन्हें प्रबंधन की जिम्मेदारी भी सौंप दी। बस फिर क्या था, वे उज्जैन के ही होकर रह गये। जहां आम तौर पर स्थापना के बाद कोई भी उद्योग कम से कम 24 माह में कमीशन हो पाता था, वहीं उनके कुशल प्रबंधन में यह मात्र 17 माह में ही कमीशन हो गया। धीरे-धीरे उद्योग ने विस्तार के पंख फैलाये और कई देशों से उन्नत मशीन व तकनीकें आमंत्रित की और उसकी उत्पादन क्षमता तेजी से बढ़ती चली गई। इसके साथ ही उद्योग में श्री गुप्ता का पद वाईस प्रेसिडेंट, प्रेसिडेंट से होता हुआ 10 जुलाई 1994 को एक्जीक्युटिव डायरेक्टर का हो गया।

शहरवासियों का दिल भी जीता

श्री गुप्ता ने न सिर्फ "श्री" को उद्योग जगत में कामयाबी दिलवाई बल्कि उसे शहरवासियों का हरदिल अजीज भी बना दिया। जब भी शहर में प्रशासन को किसी आयोजन में आर्थिक सहयोग की आवश्यकता पड़ी तो "श्री" उनके लिये सशक्त सहयोगी सिद्ध हुआ। कालिदास समारोह जैसे आयोजन में चार चांद लगाने में भी आर्थिक सहयोग दिया। वर्ष 1973 की भीषण बाढ़ के दौरान यदि प्रशासन ने बाढ़ प्रभावितों के ठहरने की व्यवस्था की, तो "श्री" ने उनके लिये भोजन-पानी की। अधिकांश तौर पर संभागायुक्त की ओर से "श्री" से सहयोग की अपील हुई और उद्योग ने अपना भरपूर सहयोग दिया। ऐसे अवसर अनगिनत हैं, जिनकी छाप आज भी शहरवासियों के मनमस्तिष्क में बसी है।

इन्दौर में कई ट्रस्ट व संस्थाओं को संचालित करने वाला ''श्री वैष्णव समूह'' सिर्फ शहर ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। गत दिनों ही इसकी विभिन्न शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने के लिये इसे निजी विश्वविद्यालय का दर्जा भी प्राप्त हुआ है, जिसमें विश्वविद्यालय का प्रथम कुलाधिपति नियुक्त किया गया है, इस संस्था को नेतृत्व प्रदान कर रहे पुरुषोत्तम पसारी को।

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के प्रथम संस्थापक कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी

''श्री वैष्णव ट्रस्ट समूह'' ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण इन्दौर में 66 वर्षीय पुरूषोत्तम पसारी की छवि एक ऐसी मजबूत चट्टान की तरह है, जिनके सामने हर विपरीत परिस्थिति और बाधा नतमस्तक हो जाती है। इनके द्वारा इस संस्था को दिये जा रहे अध्यक्षीय नेतृत्व में इसके द्वारा गत वर्ष 9 दिसम्बर 2014 को ''श्री वैष्णव विद्यापीठ'' के नाम से निजी विश्वविद्यालय प्रारम्भ करने के लिये सभी औपचारिकताऐं पूर्ण करते हुए आवेदन किया गया था। गत 28 जुलाई 2015 को महामहिम राज्यपाल ने आदेश जारी कर इसकी अनुमति प्रदान की और इसमें श्री पसारी को प्रथम संस्थापक कुलाधिपति नियुक्त किया गया है।

पिता के पद्चिन्हों पर संस्था की सेवा

24 दिसंबर 1948 को जन्में श्री पसारी, स्व. श्री प्रहलाददास पसारी के सुपुत्र हैं। उनके पिता एक कुशल व्यापारी, धर्मनिष्ठ एवं शैक्षणिक कार्य में रुचि रखने वाले व्यक्ति थे। श्री वैष्णव समूह को स्थापित करने में पसारी परिवार का प्रारंभ से सक्रिय व विशिष्ट योगदान रहा है। 1985 में पिताजी का अकस्मात बैकुण्ठवास होने पर श्री पसारी सन्1985 में ट्रस्टी बनें। श्री वैष्णव ट्रस्ट समूह के विभिन्न ट्रस्टों में 1985 से 2012 तक कोषाध्यक्ष व मंत्री रहे। क्लॉथ मार्केट कन्या वाणिज्य महाविद्यालय तथा श्री वैष्णव समूह की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना कर 2011 तक संस्थापक सचिव रहे। उनके बहुआयामी व्यक्तित्व और कार्यक्षमताओं को देखते हुए सभी न्यासियों ने सर्वसम्मति से 25 फरवरी, 2013 को श्री पसारी को श्री वैष्णव ट्रस्ट समूह का अध्यक्ष निर्वाचित किया।

विरासत में मिले सेवा के संस्कार

समाज सेवा, धर्मनिष्ठता, कार्य के प्रति लगन एवं समर्पण के संस्कार उन्हें विरासत में ही मिले है। श्री पसारी ने अपनी शिक्षा इंदौर से प्राप्त की है। यहीं से उन्होने एम.कॉम., एल.एल.बी. एवं बिजनेस मेनेजमेंट में डिप्लोमा किया है। उनका कपडा व गारमेंट मेन्युफेक्चरिंग का प्रतिष्ठित व्यवसाय है। पसारी परिवार झालरिया मठ डीडवाना का शिष्य है। आपके पिताजी की हार्दिक इच्छा थी कि इन्दौर में इस मठ का स्थान होना चाहिये। इसके लिये 1970 में श्री बालमुकुन्द झालरिया ज्ञान प्रसार आश्रम न्यास की स्थापना की गई थी। श्री तिरूपति बालाजी वैंकटश देवस्थान, गुमास्ता नगर की भी 1997 में भव्य प्रतिष्ठा की गई। पिताजी की स्मृति में श्री प्रहलाददास पसारी स्मृति चेरिटी ट्रस्ट की स्थापना 1986 में की एवं उसके अंतर्गत वर्ष 2006 में श्री वैंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड मेनेजमेंट की स्थापना की। वर्ष 2011 में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक स्कूल श्री विद्‌या निकेतन, ग्राम चन्द्रावतीगंज में प्रारंभ किया। वर्ष 2015 से स्कील डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत टेक्नोस्किल एकेडमी, उषा नगर इंदौर में प्रारंभ की है।

कई ट्रस्टों के ट्रस्टी

श्री पसारी शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई ट्रस्टों से सम्बद्ध होकर सेवा दे रहे हैं। इनमें श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर ट्रस्ट-चंद्रावतीगंज,श्री टीकमदास पसारी धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट तथा श्री प्रहलाददासजी पसारी स्मृति चेरिटी ट्रस्ट, श्री मथुरालालजी पसारी धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट, श्री माहेश्वरी सार्वजनिक सेवा ट्रस्ट-इन्दौर के अध्यक्ष, श्री बालमुकुन्द झालरिया ज्ञान प्रसार आश्रम न्यास, श्री माहेश्वरी विद्यालय ट्रस्ट,इन्दौर के उपाध्यक्ष, श्री ग्यारह पंच धार्मिक एवं पारमार्थिक न्यास, श्री अष्टांग आयुर्वेदिक ब्रह्मचर्य आश्रम न्यास, श्री केन्द्रीय कपड़ा वितरण पारमार्थिक ट्रस्ट, इन्दौर के मंत्री, श्री अहिल्या माता गौशाला जीवदया मण्डल इन्दौर के कोषाध्यक्ष, श्री वैंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड मेनेजमेंट, श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एंड साइंस, श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट-इन्दौर, श्री विद्या निकेतन चन्द्रावतीगंज,श्री वैष्णव पोलीटेक्नीक कॉलेज, अशासकीय शिक्षण संस्था संघ,श्री वैष्णव आयुर्वेदिक औषधालय,श्री एस.के. मुखर्जी कार्डियोलॉजी एण्ड रिसर्च सेन्टर, श्री वैष्णव डायग्नोस्टिक एवं किडनी सेन्टर तथा श्री गणपति मंदिर खजराना इंदौर के अध्यक्ष, श्री देवी अहिल्या न्यू क्लॉथ मार्केट कंपनी, श्री इन्दौर क्लॉथ मार्केट वेयर हाऊस लिमिटेड इन्दौर के चंयरमेन, श्री माहेश्वरी साढ़े सात सौ पंचायती ट्रस्ट, श्री मालवा चेम्बर ऑफ कामर्स ट्रस्ट, श्री म.तु. क्लॉथ मार्केट मर्चेन्ट एसोसिएशन भवन इन्दौर आदि शामिल हैं।

कई संस्थाओं के सदस्य

श्री पसारी कई संस्थाओं को सदस्य के रूप में भी अपनी सेवा दे रहे हैं। इनमें एसोसिएशन ऑफ मध्यप्रदेश प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट भोपाल, इन्दौर में श्री क्लॉथ मार्केट कन्या महाविद्यालय शिक्षण समिति,श्री वैष्णव वाणिज्य महाविद्यालय, श्री वैष्णव विधि संस्थान, श्री वैष्णव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, श्री माहेश्वरी वाणिज्य महाविद्यालय, श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव हायर सेकेण्डरी स्कूल, श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव बाल मंदिर उ.मा. कन्या विद्यालय, श्री वैष्णव कन्या विद्यालय, श्री वैष्णव महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास, श्री वैष्णव महाविद्यालयीन बालक छात्रावास, श्री क्लॉथ मार्केट हॉस्पिटल-इन्दौर आदि शामिल हैं।

सेवाओं ने दिलाया सम्मान

शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य सेवाओं के कारण ही श्री पसारी को राष्ट्रीय स्तर पर कई अवार्डों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें 30 अगस्त 2013 को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए मिला 'सरस्वती अवार्ड', 12 नवंबर 2013 को 'इंडियन लीडरशीप अवार्ड फॉर एजुकेशन एक्सीलेंस', व 21 दिसंबर 2013 को 'इंदिरा गांधी एक्सीलेंस अवार्ड', 16मार्च2014 को ''परोपकार रत्न'', 23 सितंबर 2014 को 'राजीव गांधी अचीवर्स अवार्ड फॉर एजुकेशन एक्सीलेंस', एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एम.पी. द्वारा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपने महत्त्वपूर्ण योगदान के दिये गया अवार्ड आदि प्रमुख हैं।

72 वर्ष में भी 'सेवा ही परम धर्म'

राजाराम भांगडिया

सिंहस्थ कुंभ नासिक पहुंचने पर वहां माहेश्वरी समाज की एक पूरी टीम समाजजनों की सेवा के लिये तत्पर नजर आती है। यह तो सुखद है ही लेकिन आश्चर्यजनक यह है कि इसे नेतृत्व प्रदान करने वाला कोई युवा कार्यकर्ता नहीं बल्कि युवाओं की तरह जोश व उत्साह से भरपूर 73 वर्षीय वरिष्ठ समाजसेवी राजाराम भांगड़िया हैं।

वर्तमान में नासिक में सिंहस्थ महाकुंभ आयोजित है। जिसमें देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हो और आध्यात्म का रसपान कर रहे हैं। ऐसे महाआयोजन के दौरान आमतौर पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को आवास, भोजन व चाय-पानी आदि के लिये विशेष रूप से परेशान होना पड़ता है। इसी परेशानी से समाजजनों को मुक्ति देकर उन्हें इस पर्व का आनंद सहजता से उपलब्ध करवाने के लिये अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन द्वारा स्थानीय समाज के साथ मिलकर समाजजनों के लिये नासिक रोड महेश भवन में आवास, भोजन व चाय-पानी आदि की व्यवस्था की गई हैं। इसमें एक समर्पित व ऊर्जावान समाजसेवियों की टीम जुटी हुई है। वहां पहुंचने वाला हर समाजजन उनके द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। इस ऊर्जावान टीम का नेतृत्व 72 वर्षीय ऊर्जावान वरिष्ठ समाजसेवी राजाराम भांगड़िया के हाथ में है।

व्यवसाय में भी विशिष्ट प्रतिभा

स्व. श्री नारायण भांगड़िया के सुपुत्र के रूप में राजाराम भांगड़िया का जन्म 5 जनवरी 1943 को राजस्थान अंतर्गत नागौर जिले की तहसील परबतसर के एक छोटे से ग्राम बागोट में एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। प्राथमिक शिक्षा अपने ग्राम में, माध्यमिक शिक्षा परबतसर एवं उच्च शिक्षा किशनगढ़ अजमेर के सरकारी कॉलेज में हुई। सन 1964 में बी.कॉम. उत्तीर्ण होने के पश्चात "कॉस्ट अकाउंटेसी" के लिए कलकत्ता गए। वहां शिक्षा के साथ फर्म "बांगड ब्रदर्स" में नौकरी भी की। करीब एक वर्ष नौकरी करने के पश्चात् अपने पिताजी का स्वास्थ्य ठीक न रहने के कारण दाल मिल व अनाज का व्यवसाय संभालने वर्ष 1966 में सटाणा आ गये। संयुक्त परिवार में अपने दो लघु भ्राता एवं दो पुत्रों के साथ इस व्यवसाय को दिन प्रतिदिन विकसित करते जा रहे हैं। करीब तीन साल से नासिक में मार्बल व ग्रेनाईट का व्यवसाय भी प्रारंभ किया है। आपकी धारणा है कि जीवन में व्यवसाय की सफल आधारशीला सच्चाई और ईमानदारी ही है।

सर्वसम्मति से दो बार बने जिला अध्यक्ष

श्री भांगड़िया लंबे समय से निःस्वार्थ भाव से समाज को अपनी सेवा दे रहे थे। इससे प्रभावित होकर समाज ने वर्ष 2005 से दो सत्रों में सतत सर्वसम्मति से श्री भांगड़िया को अध्यक्ष निर्वाचित किया। समाज ने उन पर जो विश्वास किया, श्री भांगड़िया भी उस पर पूरे खरे ही उतरे। उन्होंने नाशिक जिला सभा की उपलब्धियों को इस शिखर तक पहुंचाया कि उसकी गूंज पूरे देश के समाज संगठनों में होने लगी। आपके कार्यकाल की उपलब्धियों में प्रमुख रूप से समाज की आचार संहिता का निर्माण कर उसे लागू करना, महासभा सहित संगठनों की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना, मासिक पत्रिका "महेश भूषण" का प्रकाशन, समाज के लिये स्वास्थ्य कार्ड योजना तथा जरुरतमंद परिवारों के लिये प्रति शनिवार को विशेष बैठक आयोजित कर उनके प्रकरणों का त्वरित निपटारा रहा है। आर्थिक कोष की वृद्धि के लिये "ब्लेक एंड व्हाइट शो" का आयोजन भी किया गया। श्री भांगड़िया ने समाज के विद्यार्थियों की सहायता के लिये "श्रीमती गोदावरी बाई किशनलाल बूब शैक्षणिक सहायता कोष" की स्थापना भी की। योगदानों को देखते हुए समाज द्वारा श्री भांगड़िया को "महेश भूषण" के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

मातृभूमि के लिये भी सेवा में समर्पित

श्री भांगडिया का अपने पैतृक ग्राम से विशेष लगाव है। यही कारण है कि वहां स्कूल, गौशाला, प्याऊ व चिकित्सालय सहित आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के छात्रों के लिये भी वे तन-मन से समर्पित हैं। ग्रामवासियों का भी उनसे वही लगाव है, जो 50 वर्ष पूर्व वहां निवासरत रहने के दौरान था। समाज की सेवा संस्था अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर की कार्यकारिणी के सदस्य भी रहे। कुंभ नगरी नासिक में भी सेवा सदन का भवन बने, इसके लिये अपने सहयोगियों के साथ प्रयत्नरत रहे। नासिक के ही समाज सदस्य प्रकाश कलंत्री ने इसके निर्माण के लिये 7 एकड़ भूमि दान दी फिर क्या था, तीन वर्ष पूर्व तत्कालीन सेवा सदन अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा से भवन निर्माण की स्वीकृति लेकर ही माने। यहां भव्य शोभायात्रा के साथ संत श्री गोविंद गिरिजी महाराज, आर.सी. लाहोटी, रामकुमार भूतड़ा आदि के आतिथ्य और लगभग 2 हजार से अधिक समाजजनों की उपस्थिति में भवन निर्माण का शिलान्यास किया। शीघ्र ही यहां भव्य भवन निर्मित हो समाज की सेवा में समर्पित होगा।

यदि मन में जोश व दिनचर्या व्यवस्थित हो, तो उम्र के असर को भी मात दी जा सकती है। इसी का प्रमाण हैं, सिकन्दराबाद निवासी 88 वर्षीय वरिष्ठ समाजसेवी व व्यवसायी नरदेव आर्य (भंडारी)। अपने कपड़े के शोरूम को सुबह 11 से रात 8 बजे तक सम्भालते हुए उन्हें देखने वाले उनकी उम्र की कल्पना भी नहीं कर पाते।

88 वर्ष के युवाओं के युवा
नरदेव आर्य (भंडारी)

नित्य आर्य समाज मंदिर में यज्ञ करना, समाजसेवी गतिविधियों में सहयोग देना व पूरे दिन कपड़े के अपने शोरूम "श्री मोहन टेक्सटाईल" को सम्भालना इतनी सारी जिम्मेदारियों का निर्वाह करने वाले व्यक्ति की यदि बात होती है, तो सहज ही हमारे मन-मस्तिष्क में कोई युवा व्यक्तित्व ही उभर कर सामने आता है। लेकिन हम जिनकी दिनचर्या की बात कर रहे हैं, वे हैं, सिकन्दराबाद निवासी 88 वर्षीय वरिष्ठ नरदेव आर्य (भंडारी) जो इसके साथ अपने 4 पौत्र व 4 पौत्रियों को दादाजी का स्नेह भी देते हैं। उनकी इस युवाओं की तरह सक्रियता का कारण उनकी नियमित दिनचर्या ही है, जिसका परिणाम है कि वे इस अवस्था में भी पूर्ण सक्रिय हैं।

समाज सेवा में भी सतत सक्रिय

श्री आर्य अपनी इस अवस्था में भी कई समाजसेवी संस्थाओं को अपनी सक्रिय सेवा दे रहे हैं। आप नेत्र चिकित्सालय का संचालन करने वाली संस्था "पाली सेवा मंडल" के कार्यकारिणी सदस्य हैं। वृद्धाश्रम का संचालन कर रही पाली सेवा समिति के प्रारम्भिक सदस्य, श्री गुरूकुल चित्तौड़ दयानंद महाविद्यालय के सहमंत्री तथा सिकन्दराबाद आर्य समाज को अन्तरंग सभा के सदस्य के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। श्री आर्य द्वारा अपने काका की स्मृति में श्री रामजस नरदेव भंडारी सेवा ट्रस्ट के माध्यम से प्रतिवर्ष नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसमें जरूरतमंद रोगियों के निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन किये जाते हैं।

शिक्षक के रूप में जीवन की शुरूआत

श्री आर्य का जन्म 21 अप्रैल 1928 को ग्राम देवली कलां जिला पाली मारवाड़ में स्व. श्री मदनगोपाल भंडारी व राजूबाई भण्डारी के यहाँ बड़े पुत्र के रूप में हुआ। बाल्यावस्था में ही पिता का देहांत हो जाने से उनका बचपन काका श्री रामजस भंडारी के संरक्षण में ही बीता। प्रारम्भिक शिक्षा के पश्चात् 4-5 वर्ष श्री गुरूकुल चित्तौड़गढ़में अध्ययन किया और फिर ब्यावर से अध्यापक ट्रेनिंग पूर्ण कर अध्यापक के रूप में कॅरियर की शुरूआत कर इस पद पर 18 साल तक नौकरी की। इसी दौरान आर्यसमाज से सम्बद्ध होकर सहमंत्री के रूप में भी सेवा देने लगे। काका श्री भंडारी के देहावसान के बाद पारिवारिक कपड़ा व्यवसाय की जिम्मेदारी सम्भालने के लिये अध्यापक पद से त्यागपत्र दे दिया और भाई श्रीराम के साथ व्यापार में ही जुट गये तथा इसमें भी अच्छी उन्नति की। आपने समाज सुधार के रूप में ही बलाड़ा निवासी स्व. श्री पुखराज झँवर की सुपुत्री परमेश्वरी देवी के साथ पर्दाप्रथा का बहिष्कार करते हुए विवाह किया था।

सेवा की चली सतत यात्रा

वर्ष 1973 से श्री आर्य ने पाली में कपड़े का व्यवसाय प्रारम्भ किया, तो वहाँ की समाजसेवी गतिविधियों से भी सम्बद्ध हो गये। आर्य समाज के सतत 18 वर्षों तक प्रधान रहे और कई अन्य संस्थाओं से भी सम्बद्ध रहे। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर से सहमंत्री तथा संयोजक के रूप में लम्बे समय तक सम्बद्ध रहे। इस दौरान उनकी देखरेख में वृंदावन, हरिद्वार व बद्रीनाथ भवन का निर्माण हुआ। उनके समर्पण का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद श्री आर्य हर महीने 10 दिन बद्रीनाथ भवन की देखरेख के लिये व्यतीत करते थे। पाली माहेश्वरी समाज के 14 वर्ष तक सचिव व 3 बार अध्यक्ष भी रहे। आपने पैतृक ग्राम देवली में श्री बालाजी गौशाला समिति की स्थापना की और 15 वर्ष तक इसके संस्थापक व अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाई। विश्व हिन्दू परिषद् पाली के अध्यक्ष रहे और इस दौरान साध्वी श्री ऋतुम्भरा, श्री उमा भारती, अशोक सिंघल व प्रवीण तोगड़िया आदि को भी आमंत्रित किया। वर्तमान में उनके 3 पुत्र हरिश, रमेश व सुरेश तथा 1 पुत्री का 4 पौत्र व 4 पौत्री आदि का भरापूरा परिवार है। एक पौत्र स्विटजरलैंड में इंजीनियर हैं।

आयुर्वेद चिकित्सा जगत व औषधि निर्माण के क्षेत्र में भोपाल निवासी कविराज डॉ. एस. के. माहेश्वरी एक अत्यंत सम्मानजनक नाम है। उनकी उपलब्धि का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि वे अभी तक अपने शोध से 100 से अधिक पेटेंट औषधियाँ बनाने के नुस्खे दे चुके हैं और उनके शोध की यह यात्रा उम्र के 82वें पड़ाव पर भी सतत जारी है।

आयुर्वेद चिकित्सा के अनमोल रत्न

कविराज डॉ. एस.के. माहेश्वरी

समाज सेवा को अपना कर्म, धर्म और जीवन का महत्वपूर्ण मर्म मानने वाले कविराज डॉ. श्रीकृष्णदास माहेश्वरी का जन्म 25 जून 1933 को श्री धनराज डांगरा के यहां खुजनेर, जिला राजगढ़ (म.प्र.) में हुआ। श्री माहेश्वरी आज किसी परिचय के मोहताज नहीं है। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से समाज का हर व्यक्ति भलीभांति परिचित है। अपनी योग्यता तथा अद्वितीय दूरदर्शिता के चलते स्वयं के द्वारा स्थापित संस्थाओं को नया मुकाम दिया और समृद्ध भी किया, वहीं सामाजिक क्षेत्र में मान प्रतिष्ठा के साथ महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन भी उन्होंने किया। वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ श्री माहेश्वरी को यूं तो आयुर्वेद विरासत में प्राप्त हुआ, फिर भी आयुर्वेद के क्षेत्र में स्वयं को स्थापित करने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और धैर्य बनाए रखा। परिणाम सबके सामने है। आज वे एक सफल आयुर्वेद औषधि निर्माता व प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

एक सफल उद्यमी

कविराज डॉ. एस.के. माहेश्वरी जमना फार्मास्युटिकल्स, जमना हर्बल रिसर्च लिमिटेड के संस्थापक एवं प्रमुख संचालक हैं। उन्होंने भोपाल में 5 मई 1982 को जमना फार्मास्युटिकल्स की स्थापना की थी। इस प्रतिष्ठान को बाद में उन्होंने भोपाल के समीप मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया। इस फार्मेसी ने आयुर्वेद के क्षेत्र में देश में आज अलग पहचान बनाई है। 1982 में जब उन्होंने एक छोटी सी आयुर्वेदिक दवा फार्मेसी के रूप में शुरूआत की थी, तब किसी ने सोचा भी नहीं था कि इतनी कम समयावधि में यह फार्मेसी देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में शामिल हो जायेगी। आयुर्वेद में निरंतर शोध की दिशा में प्रयासरत श्री माहेश्वरी ने जमना हर्बल रिसर्च लिमिटेड की स्थापना की। उम्र के इस पड़ाव पर पहुंचने के बाद भी वे व्यावसायिक कार्यों में संलग्न व सक्रिय हैं। औषधियों का निर्माण उनके मार्गदर्शन में ही किया जाता है। इतना ही नहीं, 100 से अधिक पेटेंट औषधियां बनाने हेतु नुस्खे भी उन्होंने ही दिये हैं।

सामाजिक दायित्व

श्री माहेश्वरी ने सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए अपनी महत्वपूर्ण साख व जगह बनाई है। सामाजिक क्षेत्र में वे विभिन्न पदों पर आसीन रहे और समाज की उन्नति के लिए सदैव प्रयास किये। माहेश्वरी प्रगति मंडल भोपाल म.प्र. के उपाध्यक्ष रहे डॉ. माहेश्वरी, मंडल के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। माहेश्वरी समाज वृहद भोपाल के उपाध्यक्ष के रूप में भी सामाजिक दायित्व संभाला। इसके साथ ही अनेक सामाजिक संस्थाओं में आजीवन सदस्य व अन्य महत्वपूर्ण दायित्व निभा रहे हैं। श्री माहेश्वरी कार्यनिष्ठा, सेवा भावना और मिलनसरिता तथा सामंजस्य की मिसाल हैं। समाजबंधुओं की तन, मन, धन से सेवा करना सदैव ही उनका ध्येय रहा है।

आयुर्वेद के सिद्धहस्त चिकित्सक

आयुर्वेद पीयूषपाणी से अलंकृत श्री माहेश्वरी अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन नई दिल्ली के उपाध्यक्ष रहे। उन्होंने म.प्र. के अनेक शासकीय विभागों में अधिकृत चिकित्सा परामर्शदाता व जिला रोगी कल्याण समिति भोपाल में आयुर्वेद विशेषज्ञ सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दीं। वे राजनेताओं के आयुर्वेदिक सलाहकार व चिकित्सक भी रहे। डॉ. माहेश्वरी श्री वैद्यराज श्रीकृष्णदास धनराज माहेश्वरी आयुर्वेदिक पारमार्थिक ट्रस्ट भोपाल के संस्थापक अध्यक्ष हैं। म.प्र. आयुर्वेद मंडल में अनेक पदों पर आसीन रहे। भोपाल में खुशीलाल आयुर्वेद महाविद्यालय खुलवाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। उनके द्वारा वर्ष 1956 से संचालित आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श केन्द्र में भी वे नियमित रूप से अपनी सेवाएं रोगियों को दे रहे हैं।

आयुर्वेद सबके लिए की अवधारणा

आयुर्वेद जनसाधारण तक पहुँचे तथा उसका लाभ आमजन को मिले, इस उद्देश्य से श्री माहेश्वरी द्वारा समय-समय पर निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किये जाते हैं। उनके मार्गदर्शन (संस्थापक एवं प्रधान संपादक) में पिछले 16 वर्षो से आयुर्वेद आधारित पत्रिका "आयुष्मान" का सफल प्रकाशन किया जा रहा है। पिछले 3 वर्षो से मासिक समाचार पत्र "आयुर्वेद चिंतन" का प्रकाशन भी किया जा रहा है। विरासत में प्राप्त आयुर्वेद के ज्ञान को आमजन तक पहुंचाने की उनकी भावना से प्रेरित होकर ही उनके पुत्रों तथा परिवार की नई पीढ़ी ने भी आयुर्वेद व्यवसाय के माध्यम से ही जनसेवा का बीड़ा उठाया है।

सफलता का सूत्र-सकारात्मक नजरिया

श्री माहेश्वरी का मानना है कि आज का धैर्य और साहस कई वर्षों बाद फलीभूत होगा। वर्षो बाद आपको यह आभास होगा कि धैर्य रखने से कितने सुखद परिणाम हासिल होते हैं। दृढ़निश्चय, महत्वाकांक्षा, कड़ी मेहनत, सकारात्मक नजरिया, जोखिम लेने की व्यापारिक दक्षता और सबसे बड़ी बात प्रभु पर पूर्ण आस्था तथा विश्वास से बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है।

रहीम का कहना था कि दान या किसी जरुरतमंद की सेवा करना ही है तो इस तरह करें कि एक हाथ दें तो दूसरे को पता भी न चले। इन्हीं आदर्शों का पालन करते हुए जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, हैदराबाद के ख्यात व्यवसायी गोविंदराम बंग।

तन-मन-धन से गुप्त सेवा

गोविंदराम बंग

सेठ गोविंदराम बंग हैदराबाद शहर के ज्वेलरी व्यवसाय में तो एक प्रतिष्ठित नाम हैं ही साथ ही स्थापित समाजसेवा व धर्म-कर्म में भी एक विशिष्ट व्यक्तित्व ही नहीं अपितु विभूति हैं। शहरों के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भव्य ज्वेलरी शॉप से इस व्यवसाय में शिखर की ऊंचाई छू रहे हैं। 68 वर्ष की अवस्था में भी नित्य व्यवसाय पर अपनी नजर रखना व मार्गदर्शन देना उनकी दिनचर्या है। शहर में आयोजित लगभग अधिकांश धार्मिक व सामाजिक आयोजनों में उनका तन-मन-धन से योगदान रहता है लेकिन वे इनका किसी के सामने कभी उल्लेख नहीं करते।

कठिन आर्थिक स्थितियों से शुरुआत

श्री बंग का जन्म 7 जून 1947 को स्व. श्री कन्हैयालाल बंग के यहां हैदराबाद (आं.प्र.) में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। अतः इंटरमीडिएट तक पढ़ाई कर श्री बंग ने एक ज्वेलरी शॉप पर नौकरी कर ली। यहां लगातार 17 वर्षों तक समर्पित भाव से कार्य किया। इसी दौरान 29 अक्टूबर 1965 को स्व. श्री बंकटलाल राठी की सुपुत्री कौशल्या देवी के साथ परिणय सूत्र में बंध गये। आपका 3 पुत्री व पुत्रों से भरापूरा परिवार है।

ज्वेलर्स बनने वाले पहले माहेश्वरी

अपने व्यवसायिक अनुभवों के साथ श्री बंग ने सन् 1981 में पार्टनरशिप में "भवानी ज्वैलर्स" के नाम से ज्वेलर्स व्यवसाय में कदम रखा। इस व्यवस्था में कदम रखने वाले हैदराबाद माहेश्वरी समाज के श्री बंग प्रथम व्यक्ति थे। उनके अनुभव व व्यवसाय के प्रति समर्पण ने रंग दिखाया और नई सिटी में हिमायत नगर में उन्होंने वर्ष 1998 में 3 हजार वर्गफीट के भव्य शोरूम की "श्री भवानी ज्वैलर्स" के नाम से शुरुआत की। अब उनके दोनों पुत्र विनोद व प्रमोद भी पिता की प्रेरणा से इसी व्यवसाय में हैं। वर्तमान में बंग परिवार वर्ष 2004 में मलकपेट में भी 3500 वर्गफीट के भव्य शोरूम का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है।

पृथक् से प्रति बुक करवाने के लिए
शुल्क 500/- (डाक खर्च अतिरिक्त)

अब रिश्ते आयेंगे आपके द्वार

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

श्री माहेश्वरी मेलापक

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास
अपने मार्च 2015 अंक से 300 से अधिक
रिश्ते जोड़ने के पश्चात् अब
अक्टूबर 2015 प्रकाशन की ओर.

विवाह योग्य युवक-युवतियों के बॉयोडाटा प्रेषित कर
निश्चिंत हो जाएं कि "अब घर आएंगे रिश्ते"
शीघ्रता करें.

- 15 अक्टूबर तक पंजीयन शुल्क मात्र 500 रुपए
- इसके पश्चात् होगा 750 रुपये
- मौका हाथ से जाने न दें

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

गौरक्षा व गौसेवा को एक अभियान का रूप देने में मुंडबाडीह-वाराणसी के जानकी वल्लभ करवा का एक अत्यंत सम्मान-जनक स्थान है। अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद उन्होंने देश की 2500 से अधिक गौशालाओं को संगठित कर एक नया इतिहास बनाये। उम्र के 85 वें पड़ाव पर भी उनकी यह सेवा यात्रा सतत रूप से जारी है। उन्होंने देहदान का संकल्प लेकर भी अनूठी मिसाल पेश की है।

गौसेवा को समर्पित किया जीवन

जानकी वल्लभ करवा

गौरक्षा एवं स्वयंसेवक के रूप में प्रतिष्ठित कार्यकर्ता जानकी वल्लभ करवा वाराणसी नगर के प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आपका जन्म सन् 1930 में वाराणसी में हुआ। तीन वर्ष की अल्प आयु में आपकी माता जी का देहान्त हो गया। दुर्भाग्य दो कदम आगे ही रहा। पिता के गुजरने के एक वर्ष बाद बड़े भाई ने भी चिरविदा ले ली। छोटी सी आयु में परिवार, घर, व्यवसाय सभी की जिम्मेदारी आप पर आन पड़ी। इस कारण आपकी पढ़ाई 5वीं तक ही हो सकी। भाभी श्रीमती रामप्यारी देवी ने माँ की कमी महसूस नहीं होने दी। विपत्तियों के सागर में करवा जी ने अकेले तैरना सीखा। परिस्थितियों से जूझते हुए, अपना मार्ग स्वयं बनाते हुए व्यवसाय एवं उद्योग में वाराणसी व भदोही के माहेश्वरी एवं व्यवसायिक समाज में अपना महत्वपूर्ण स्थान बना लिया। सिल्क, बनारसी साड़ियों तथा कलकत्ता में शेयर्स का कारोबार किया। सन् 1948 से 1977 तक बनारसी साड़ी के व्यवसाय में संलग्न रहे। बनारसी साड़ी में ब्लाक प्रिन्टिग, स्क्रीन प्रिन्टिग का काम किया। स्वप्रयोग से नये-नये डिजाईन डेवलप करते रहे। 1967 से कई मिलों की कपड़े की एजेन्सी तथा कॉटन यार्न की एजेन्सी के व्यवसाय में जुड़ गये। आपने जयश्री टेक्सटाइल्स जैसे प्रतिष्ठित कॉटन निर्माता को परामर्श देकर कारपेट में लगने वाले यार्न का निर्माण करवाया। अक्टूबर 1995 से वाराणसी में कॉटन यार्न स्पिनिंग ओपेन एन्ड प्लांट की स्थापना कर चला रहे हैं।

हजारों गायों की प्राण रक्षा

1948 में 'राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ' के साथ जुड़ने के साथ-साथ आपका सेवा क्षेत्र विस्तृत होता गया। भारतीय जनसंघ, भाजपा तथा विश्व हिन्दू परिषद की वाराणसी में स्थापना से भी आप सम्बन्धित रहे हैं। बाल्यकाल से ही करवा जी को गायों के प्रति विशेष ममता रही है। श्री काशी जीवदया विस्तारिणी गौशाला एवं पशुशाला के कृषि मंत्री के रूप में उनका गायों के लिये सार्वजनिक जीवन का श्रीगणेश हुआ। भारत में फैली 2500 गौशालाओं को संगठित कर गौ सेवा, दुग्ध उत्पादन तथा कृषि के क्षेत्र में क्रान्तिकारी परिवर्तन करवाना ही करवा जी ने अपना मिशन बनाया। गौशाला की रामेश्वर शाखा का दायित्व अपने सहयोगियों के साथ संभाला। रामेश्वर गौशाला में जो सैंकड़ो बीघा जमीन ऊसर और बंजर हो गयी थी, उस पर गोमूत्र और गोबर का प्रयोग करके उसे उपजाऊ बनाया। आज वहाँ लहलहाती खेती होती है। वाराणसी के पास बिहार सीमा से होते हुये निराश्रय गौ वंश कत्ल के लिये ले जाया जाता था। करवा जी की प्रेरणा से काशी के युवा व्यवसायी सूर्यकान्त जालान आगे आये और पकड़े गये गोवंश के लिये रामेश्वर गौशाला में रहने व चारा पानी देने की व्यवस्था की। फलस्वरूप 50 हजार गौवंश के प्राणों की रक्षा हुई।

गौ उत्पादों को किया प्रतिष्ठित

करवा जी ने क्रान्तिकारी कदम उठाते हुये गौशाला-गौदत्त गौवंश के लिये प्रशिक्षण केन्द्र, अपाहिज और निराश्रित गौवंश के लिये आश्रय स्थल, गाय सम्बन्धी विभिन्न समस्याओं के समाधान की प्रयोगशाला, विकास के लिये अनुसंधान शाला, गोवंश का अस्पताल आदि की स्थापना के लिये प्रयास किये। पशु आहार की दुकानें खुलवाई। पशु चिकित्सालय की सेवाएं उपलब्ध करवाई गयी। आम नागरिकों के लिये गाय का दूध, दही, मट्ठा ,घी, पेड़ा आदि के विक्रय के लिय विक्रय केन्द्र स्थापित किये। इनके पीछे लक्ष्य गायों को उपयोगी सिद्धकर उन्हें प्रतिष्ठित करवाना ही रहा।

समाज सेवा में भी सक्रिय

गाय के साथ-साथ दलित एवं वंचित समाज के बच्चों के लिये छोटे-छोटे विद्यालय खोले गये। उन्हें शिक्षित और सुसंस्कृत बनाने का संकल्प लिया। ग्रामीण महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिये कुटीर उद्योग, गृह उद्योग की व्यवस्था की। मधुमक्खी पालन से आय के स्रोत एवं कृषि के विकास के लिये प्रयास किये गये। ग्रामीण महिलाओं को साक्षर बनाया। कुरीतियों का खण्डन किया। अपने बच्चों की शादियों में आपने सुधार के कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किये। आप माहेश्वरी धर्मशाला, महेश सेवा ट्रस्ट, महेश सेवा संस्थान के ट्रस्टी तथा महासभा के 23वीं सत्र में पूर्वी उत्तर प्रदेश से सदस्य के रूप में सेवा प्रदान कर चुके हैं। संस्कृत में उपलब्ध सद् साहित्य, कृषि एवं अन्य उपयोगी विषयों पर प्रकाशित पुस्तकें स्वयं क्रय कर निःशुल्क वितरण कराते हैं। आपका पुत्र लोकेन्द्र, श्रवण व पुत्री ज्योति करवा आदि का पौत्र-पौत्री व नाती-नातिन आदि से भरापूरा परिवार भी समाजसेवा को समर्पित हैं।

देश की आजादी के पूर्व क्रांतिकारियों के केन्द्र के रूप में गौरवान्वित राजस्थान का ब्यावर शहर वर्तमान में भी सुर्खियों में है। बस बदला है, तो इनका कारण। अब यह समाजसेवा की क्रांति के कारण जाना जा रहा है और इसके सूत्रधार बने हुए हैं, 69 वर्षीय समाजसेवी मानकरण हेड़ा।

ब्यावर के मसीहा मानकरण हेड़ा

ब्यावर में मानकरण हेड़ा की छवि एक ऐसे निःस्वार्थ व बहुआयामी समाजसेवी के रूप में है, जिनकी जहाँ आवश्यकता लगी वे तत्पर नजर आये। उनकी पहचान पीढ़ित मानवता की सेवा से लेकर खेलकूद प्रेमी, बालिका शिक्षा के प्रेरणा स्त्रोत, नारी उत्थान व आर.टी. ई. कार्यकर्ता के साथ ही सांस्कृतिक रूप से आर्यसमाज के समर्पित समाजसेवी के रूप में भी है। जब उपभोक्ताओं के हित का मुद्दा उठता है, तो भी वे उपभोक्ता मंच से इसके लिये आवाज उठाने में पीछे नहीं रहते। उनकी इन्हीं सेवाओं ने उनकी छवि शहर के लिये एक मसीहा की तरह बना दी है।

संस्कारों में मिला सेवा भाव

स्व. समाजसेवी सेठ श्री केदारनाथ हेड़ा के सुपौत्र व स्व. श्री रूपचंद हेड़ा एवं मोहनी देवी हेड़ा के सुपुत्र के रूप में मानकरण हेड़ा का जन्म 27 नवम्बर 1946 को हुआ। दादाजी एवं माता-पिता के संस्कारों से बाल्यकाल से निःस्वार्थ सेवाभाव से तन, मन एवं धन से सेवा को समर्पित होकर आर्य समाज एवं माहेश्वरी समाज की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए 17 वर्ष की आयु में माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, ब्यावर के उपमंत्री बने। बाद में यह माहेश्वरी सेवा संगठन में परिवर्तित हो गया जिसमें कोषाध्यक्ष, मंत्री व अध्यक्ष रहकर और दूसरे साथियों को प्रेरित करके समाज सेवा में लगे रहे। आर्थिक रूप से कमजोर समाजजनों को विद्यार्जन में छात्रवृत्ति, विधवा एवं असहाय की सेवा कर उन्हें आर्थिक एवं आवश्यक सहयोग प्रदान किया। समाज में महिलाओं को आत्मनिर्भर करने हेतु महिला सिलाई केन्द्र चालू किया, जहां सिलाई मशीने तथा आश्यक सामग्री स्वयं व समाज के सहयोग से उपलब्ध कराकर उन्हें स्वावलम्बी बनाया। विवाह सेवा केन्द्र की स्थापना होने पर उसके संयोजक रहते हुये उसे राज्य स्तर तक पहुंचाया।

आईएएस अधिकारी इन्द्रजीत के साथ श्री हेड़ा।

सतत चली सेवा यात्रा

डॉ. सुगन चन्द्र तेला के निर्देशन में अजमेर जिला सभा एवं युवा सभा का गठन हुआ। जिला सभा में उपमंत्री रहते हुए पुष्कर में बाल संस्कार शिविर का सफल आयोजन किया। अजमेर जिला युवा संगठन के अध्यक्ष पद पर रहकर ब्यावर में समाज द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। ब्यावर आर्य समाज में उपमंत्री रहते हुए स्वास्थ्य केम्प लगाकर मंत्री की हैसियत से सफल आयोजन किया। आर्य समाज ब्यावर में कोषाध्यक्ष भी रहे। श्री गोदावरी आर्य कन्या शिक्षण समिति के भी कोषाध्यक्ष रहकर हिसाब व्यवस्थित किया। महर्षि दयानन्द बाल मन्दिर विद्यालय के व्यवस्थापक रहकर संस्था को राज्य सरकार द्वारा मान्यता दिलवाकर शिक्षा का स्तर सुधारा। विद्यालय में बालिकाओं के खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों का भी सफल आयोजन करवाया। दयानन्द आर्य बालिका महाविद्यालय में व्यवस्थापक रहते हुए बालिकाओं के सर्वांगीण विकास का ध्यान रखा। खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ पढ़ाई के स्तर में सुधार होने से विद्यार्थियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई। साथ ही बालिकाओं को कबड्डी, खो-खो, हेण्डबाल, बेडमिण्टन आदि की तैयारी करवाकर प्रतियोगिता में भाग दिलवाया। महाविद्यालय की कई छात्राओं का राजस्थान कबड्डी टीम में चयन हुआ। सांस्कृतिक नृत्य में भी वि.वि. ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शहर के हर विकास में सहयोग

माहेश्वरी व्यायाम शाला का करीब 30 वर्ष संचालन कर राज्य व जिला स्तर के पहलवान तैयार किये, जिसमें से कईयों का चयन रेल्वे एवं अन्य सरकारी विभागों में नौकरी में हुआ। शहर की सबसे पुरानी सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था उत्सव मंच ब्यावर के करीब 30 वर्ष से अध्यक्ष हैं। हर वर्ष अनेक सांस्कृतिक-सामाजिक कार्यक्रम इस मंच के द्वारा संचालित करते रहे हैं। उपभोक्ता कल्याण समिति के अध्यक्ष रहते हुए कई लोगों की समस्याओं का समाधान किया एवं वर्तमान में भी कर रहे हैं। लघु उद्योग संघ ब्यावर के उपमंत्री रहे। कई लोगों को उद्योग हेतु प्रोत्साहित किया। ब्यावर उद्योग मण्डल लिमिटेड के संचालक एवं वर्तमान में सचिव रहते हुए कई ऐतिहासिक कार्य किये। ब्यावर की सबसे पुरानी बंद पड़ी लक्ष्मी मिल्स का उदयपुर कॉटन मिल्स, ब्यावर के नाम से आधुनिकीकरण करवाने में सराहनीय योगदान दिया। औद्योगिक भूमि को व्यावसायिक में भी तब्दील करवाया।

धर्म की गंगा के भागीरथ
सेठ किशनलाल तापड़िया

गृहस्थ जीवन में रहते हुए विनम्र एवं कोमल स्वभाव से संत की भांति सेठ किशनलाल तापड़िया मानव समाज एवं हिन्दू धर्म की सेवा में निंरतर लगे हुए हैं। देश के महान संत ब्रह्मलीन श्री रामचन्द्र जी डोगरे महाराज, मोरारी बापू , संत रमेश भाई ओझा, बालव्यास श्रीकान्त शर्मा, सन्त प्रेमभूषण महाराज, स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज व महामण्डलेश्वर श्री अवधेशानन्द गिरी जी महाराज जैसी विभूतियों को मैनपूरी में लाने तथा लाखों की संख्या में श्रृद्धालुओं को भक्ति रस का पान कराने का श्रेय यदि किसी को मिलता है, तो वह सिर्फ किशनलाल तापड़िया को है।

जिस कुल में भगवत् परायण भक्त का अविर्भाव होता है, वह कुल पवित्र हो जाता है। जननी कृतार्थ हो जाती है। उससे पूरा समाज, राष्ट्र एवं सम्पूर्ण मानवता कृतार्थ हो उठती है। ऐसे ही धर्म की गंगा के भागीरथ हैं, किशन लाल तापड़िया, जिनके धार्मिक कार्यों की सुगन्ध से पूरा मैनपुरी जनपद महक रहा है।

बचपन से मिले धार्मिक संस्कार

ग्राम सांडवा जिला चुरू राजस्थान में सेठ श्री चंदनमल तापड़िया के परिवार में जन्म लेने वाले बालक किशनलाल के बारे में कोई नहीं जानता था कि वह धर्म की गंगा में लाखों लोगों को अपने साथ ले जाकर उनके जीवन को कृतकृत्य कर देगा। आज से लगभग 65 वर्ष पूर्व श्री चंदनमल तापड़िया का परिवार फर्रूखाबाद आया था, उनके साथ उनके दो पुत्र भँवरी लाल तापड़िया (ज्येष्ठ) तथा किशनलाल तापड़िया भी थे। फर्रूखाबाद में व्यापार में सफलता न मिलने पर 5 वर्ष बाद 1935 में यह परिवार मैनपुरी आकर बस गया। कुशाग्र बुद्धि का बालक किशन जहाँ अपने व्यापार में पूर्ण दक्षता हासिल कर रहा था, वहीं उसका विरक्त मन धर्म के प्रति पूरी तरह से आकृष्ट था। यहीं मैनपूरी के महान संत श्री 1008 स्वामी एकरसानन्द जी का आशीर्वाद उन्हें अनजानें में प्राप्त हो गया।

उद्यमी से विरक्ति की यात्रा

अपने व्यापारिक कर्म को करते हुए जहाँ उन्होंने सेठ महावीर प्रसाद शाह के साथ मिलकर मैनपुरी को उद्योग का केन्द्र बनाने का प्रयास किया, वहीं धर्म के अनुशीलन में भी वह निरन्तर लगें रहे। मैनपुरी में श्री तापड़िया द्वारा माहेश्वरी मिल, दुर्गा राइस मिल तथा अम्बिका राइस मिल की स्थापना की गयी। 1973 में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती भागीरथी देवी तापड़िया के देहावसान से वह पूर्ण रूप से विरक्त हो गये। वर्तमान में व्यवसाय पुत्र सम्भाल रहे हैं। आपके ज्येष्ठ पुत्र सीताराम तापड़िया अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा के पिछले सत्र में संयुक्त मंत्री रह चुके हैं तथा वर्ष 2008-13 तक उत्तर प्रदेश राइस मिल एसोसिएशन के महामन्त्री भी रह चुके हैं। वर्तमान में अखिल भारतीय चावल उद्योग फाउन्डेशन के संयुक्त मंत्री हैं। आपके द्वितीय पुत्र रामऔतार आगरा में व्यापार कर रहे हैं तथा तृतीय पुत्र सुखनारायन तापड़िया सूरत में व्यापार कर रहे हैं। चतुर्थ पुत्र द्वारिका प्रसाद मैनपुरी में चावल उद्योग का संचालन रहे हैं।

ऐसे चली धर्म की गंगा

वर्ष 1977-78 में उनके सहयोग से प्रथम संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। आपने श्री डोंगरे जी महाराज द्वारा श्री महामण्डलेश्वर भजनानन्द जी महाराज नेत्र चिकित्सालय की नींव रखवाकर भव्य नेत्र चिकित्सालय का निर्माण कराया, जिसमें 596 नेत्र ऑपरेशन तथा 200-250 मरीजों की आँखों का उपचार हो रहा है। श्री तापड़िया बताते हैं कि उनके जीवन पर महान संत हनुमान प्रसाद पोद्दार, परमपूज्य श्री जयदयाल जी, गोयंदका, स्वामी कृष्णानंद जी महाराज जैसे महान् संतों की कृपा दृष्टि रही तथा जन्म से ही उनकी धर्म में अभिरूचि थी। भारत के प्रमुख संत स्वामी करपात्री जी महाराज एवं श्री अखंड़ानन्द जी महाराज की सेवा करने का पुण्य लाभ भी उन्होंने प्राप्त किया है।

कहते हैं कि अपनों की पहचान बुरे समय में ही होती है। ऐसे ही समाज के ''अपने'' हैं, उज्जैन के वरिष्ठ समाजसेवी गजानंद मूंदड़ा। श्री मूंदड़ा की आजीवन एक विशेषता यह रही है कि वे चाहे लोगों की खुशहाली के पल में उनके साथ न रहे हों लेकिन दुःख तकलीफ के दौर में मौजूद न हों यह कभी हुआ नहीं।

हर समाजजन के दुःख दर्द के साथी गजानंद मूँदड़ा

उज्जैन माहेश्वरी समाज के लिये गजानंद मूंदड़ा एक ऐसा सम्मानित नाम है, जिनका उल्लेख होते ही उनके सम्मान में नतमस्तक हुए बिना कोई समाजजन नहीं रहता। वैसे तो वे स्वयं एक प्रतिष्ठित व्यवसायी रहे हैं लेकिन उनके इस सम्मान का कारण सम्पन्नता या कोई पद-प्रतिष्ठा नहीं बल्कि उनकी निष्काम सेवा भावना रही। उनकी नजर में पूरा समाज उनका परिवार है और बस इसी भावना के कारण वे सभी के सुख-दुःख में भागीदार होते आये हैं। समाज में यदि कहीं किसी की मृत्यु हो गई हो, किसी गरीब परिवार की शादी में परेशानी आ रही हो या कोई किसी अन्य परेशानी में हो तो वहाँ सबसे पहलें पहुँचने वाले श्री मूँदड़ा ही रहे हैं और वह भी अपने जैसे अन्य संगी-साथियों की पूरी टीम के साथ। बिना किसी स्वार्थ के ऐसे परिवारों के आंसू पौंछे और फिर उनसे धन्यवाद की भी अपेक्षा कभी नहीं की। उन्होंने कई विद्यार्थियों व बेसहारा महिलाओं की सहायता कर उनका जीवन भी सँवारा।

पैतृक रूप से मिली सेवा भावना

स्नातक बी.ए. तक शिक्षित श्री मूंदड़ा का जन्म असत्य पर सत्य की जीत के दिन दशहरा पर 20 अक्टूबर 1940 को ख्यात समाजसेवी स्व. श्री सिद्धेश्वर मूंदड़ा के यहाँ हुआ था। 23 अप्रैल 1954 को उषादेवी मूँदड़ा के साथ परिणय सूत्र में बंध गये। समाजसेवा की भावना श्री मूंदड़ा को अपने पिताजी से ही मिली। स्व. श्री सिद्धेश्वर जी उज्जैन माहेश्वरी समाज के संस्थापक सदस्य थे तथा समाज सचिव व अध्यक्ष जैसे पदों की जिम्मेदारियों का भी सफलता पूर्वक निर्वहन किया। आपकी सेवाओं को देखते हुए आपको समाज द्वारा ''समाजसेवी'' की उपाधि से भी सम्मानित किया गया। इस माहौल का श्री मून्दड़ा पर बचपन से गहरा प्रभाव पड़ा।

कई पदों की जिम्मेदारी भी सम्भाली

गजानंद मूंदड़ा भाजपा व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से तो राजनीतिक तौर पर निःस्वार्थ भाव से सम्बद्ध रहे ही, साथ ही उन्होंने समाज संगठन को भी बिना किसी पद लालसा के आजीवन सतत सेवा भी दी। इसके बावजूद समाज ने 13 अगस्त 1972 से 11 अप्रैल 1976 तथा 24 मार्च 1981 से 19 मार्च 1987 तक चार बार सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी, जिसका आपने सफलतापूर्वक निर्वहन किया। 19 मार्च 1987 से 7 मार्च 1988 तक माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत के अध्यक्ष तथा 2 अक्टूबर 2004 से 18 अगस्त 2007 तक ट्रस्ट बोर्ड अध्यक्ष रहे।

उन्हीं की राह पर परिवार

श्री मूंदड़ा की समाजसेवा की भावना से सम्पूर्ण परिवार भी प्रभावित है। धर्मपत्नी उषा देवी मूंदड़ा,उज्जैन महिला मंडल अध्यक्ष, अ.भा. मारवाड़ी महिला सम्मेलन तथा अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारिणी सदस्य रह चुकी हैं। प्रतिष्ठित टेंट व्यवसायी सुपुत्र लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा भी लम्बे समय से समाज को अपनी समर्पित व निःस्वार्थ सेवा प्रदान कर रहे हैं। वे वर्तमान स्थानीय समाज के अध्यक्ष भी हैं। आपका वर्तमान में पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा सुसंस्कृत परिवार है।

कीचन का खजाना

झटपट श्रीखंड

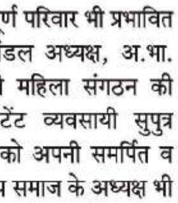

सामग्री। 1 टिन मिल्कमेड, 1 कि. ग्रा. गाढ़ा दही, 200 ग्रा. पनीर, 1 चम्मच जायफल पावडर, 1 चम्मच इलायची पावडर, 1/4 चम्मच केशर, स्वादानुसार मिक्स मेवा कतरन।

विधि। मेवा छोड़कर सारी सामग्री मिक्सर में मिलाकर अच्छे से फेंट लें। बाऊल में लेकर मेवे की कतरन मिला ले एकदम ठंडा करके पेश करें।

पूनम राठी
(नागपुर)
मो. 99700 57423

उम्र जज्बे के सामने किस तरह नतमस्तक होती है, इसी का उदाहरण हैं, आँगूचा जिला भीलवाड़ा (राज.) के वरिष्ठ शंकरलाल माहेश्वरी। एक शिक्षक व साहित्यकार के रूप में उनकी जीवन यात्रा प्रारम्भ हुई तो फिर कभी थमी नहीं, यह उम्र के 79 पड़ाव पर भी सतत जारी है और वह भी उसी जोशो-खरोश के साथ।

79 वर्ष की अवस्था के हिन्दी सेवी शंकरलाल माहेश्वरी

जिला शिक्षा अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद से सेवानिवृत्त हुए ग्राम-आँगूचा जिला भीलवाड़ा (राज.) निवासी 79 वर्षीय समाज के वरिष्ठ शंकरलाल माहेश्वरी भीलवाड़ा जिले के एक ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व हैं, जिनकी सेवा यात्रा उम्र के इस पड़ाव पर भी सतत जारी है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या साहित्य का, उनसे सम्बंधित आयोजन में श्री माहेश्वरी की अतिथि के रूप में उपस्थिति लगभग अवश्य ही होती है। ऐसा इसलिये क्योंकि हर संगठन उनके अनुभवों का लाभ लेना चाहता है और श्री माहेश्वरी भी इसके लिये सतत तत्पर रहते हैं।

संघर्षों से जीवन की शुरूआत

श्री माहेश्वरी का जन्म 18 मार्च 1936 को स्व. श्री मिश्रीलाल काबरा के यहाँ हुआ था। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नही थी। फिर भी अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने की लालसा को दबा कर स्वयं को माता-पिता पर बोझ नहीं बनने दिया और अपने बलबूते पर बाँसखोह के खादी आश्रम में अस्थाई रोजगार प्राप्त किया। राजस्थान के तत्कालीन खादी संघ मंत्री रामेश्वर अग्रवाल ने शंकरलाल को अपना निजी सचिव बना लिया लेकिन उन्होंने अपने पद का दुरूपयोग नहीं किया, अपितु पद की गरिमा बनाए रखने के लिए जयपुर में स्टेशनरी की दुकान पर एक रुपये प्रतिदिन पर अस्थाई नौकरी भी की। बाद में श्री माहेश्वरी को गाँधी शिक्षण समिति, गुलाबपुरा के विद्यालय में कताई-शिक्षक के रूप में कार्य करने का अवसर मिला।

एक प्रेरणा बनी जीवन की रोशनी

तत्कालीन सेशन जज श्री आर.डी. गट्टाणी की प्रेरणा से श्री माहेश्वरी ने बी.एड का प्रशिक्षण पूरा किया। कुछ समय शिक्षक प्रशिक्षण में प्रशासनिक सहयोगी के रूप में कार्य किया। फिर श्री माहेश्वरी को श्री गोदवत जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय, छोटीसादड़ी में व्याख्याता हिन्दी के पद पर कार्य करने का अवसर मिला। यहाँ से इन्हें मसूदा अजमेर के हायर सैकण्डरी स्कूल में व्याख्याता के पद पर राजकीय नियुक्ति प्राप्त हुई। इसके पश्चात् लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण करके राजस्थान के सबसे बड़े राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्रीगंगानगर में सहायक प्रधानाध्यापक का पदभार ग्रहण किया। अपनी सतत 26 वर्ष की इस सेवा के पश्चात् 31 मार्च 1994 को जिला शिक्षा अधिकारी के पद से सेवा निवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के पश्चात् उन्होंने 10 वर्ष तक निजी संस्थाओं को भी सेवा दी।

शिक्षक के रूप में कई बार सम्मानित

अपने इस सेवाकाल में श्री माहेश्वरी श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम के लिये जिला स्तर पर कई बार सम्मानित हुए। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय पत्र वाचन प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। जिला यूनेस्को फेडरेशन द्वारा "हिन्दी सौरभ सम्मान" से भी सम्मानित किया गया। अपनी प्रशासनिक सूझ-बूझ से परीक्षा में नकल की प्रवृत्ति, प्रश्न पत्रों का आउट होना, परीक्षा परिणाम में देरी आदि दुष्प्रवृत्तियों पर लगाम लगाई। श्रीगंगानगर से श्री माहेश्वरी का स्थानान्तरण मोखुन्दा में हुआ तो शंकरलाल यहीं के होकर रह गये। अनुशासनहीनता समाप्त करने के लिए श्री माहेश्वरी ने अपने विद्यालय में सारी सहशैक्षिक गतिविधियाँ प्रारम्भ कर दी और समाज से जीवन्त सम्पर्क स्थापित करने के क्रम में विद्यालय में कई आयोजन कराने प्रारम्भ कर दिये। उनका सम्पूर्ण सेवाकाल एक आदर्श शिक्षक व प्रशासनिक अधिकारी के रूप में ही बीता।

शिक्षा के साथ साहित्य की सेवा

श्री माहेश्वरी ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित सैकण्डरी कक्षाओं की अनिवार्य हिन्दी के लिए एकांकी "सुषमा" का सम्पादन व "यादों के झरोखे से " पुस्तक का लेखन किया। इसके अतिरिक्त उनकी कई रचनाऐं देश की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही हैं। इनमें श्री माहेश्वरी टाइम्स, केन्द्र भारती, निरामय जीवन, प्रेरणा अंशु, अदबनामा, प्राची प्रतिभा, सुरभि समग्र, रुचिर संस्कार, अध्यात्म अमृत, शिक्षक प्रभा, भक्ति ज्योति, मधुमति, साक्षात्कार, साहित्य निधि, साहित्यांचल, मोमदीप, मरु गुलशन, एक रोटी, शब्द सामयिकी, हिन्दी ज्योति बिंब, माहेश्वरी, समाज धर्म, शिविरा, कल्याण, तमिल साहित्य, नूतन भाषा सेतु, प्रतियोगिता दर्पण, प्रभावित, नवज्योति, राजस्थान पत्रिका, शिक्षा दर्शन, बुलन्द राहें, समाज प्रवाह, बालवाटिका, बोर्ड शिक्षण पत्रिका, शिविभी आदि प्रमुख हैं। इनके द्वारा की गई लगभग 10 पुस्तकों की समीक्षाएं भी समीक्षा पत्रिका एवं बोर्ड शिक्षण पत्रिका में प्रकाशित हो चुकी हैं।

समाज सेवा में भी सतत सहयोग

अपनी साहित्य सेवा के साथ विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से समाजसेवी गतिविधियों में भी श्री माहेश्वरी अपना सतत योगदान दे रहे हैं। इसमें वे गौ सेवा के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के साथ शिक्षण संस्थाओं में निशुल्क सेवा, जरुरत मंद रोगियों के लिए आवश्यकता होने पर रक्त उपलब्ध करवा कर जीवन रक्षा करना, सम्पूर्ण भारतवर्ष के लिये ब्लड हेल्पलाइन का संचालन आदि क्षेत्रों में निःस्वार्थ सेवा दे रहे हैं। अखिलभारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य तथा माहेश्वरी पत्रिका, नागपुर के सम्पादन हेतु सलाहकार समिति के संयोजक के रूप में भी समाज को अपनी सेवा दे चुके हैं।

जीवन की परिपक्वता है
वृद्धावस्था

पेड़ों में सबसे महत्वपूर्ण अवस्था है, फलों से उसका लदना। ठीक इसी तरह जीवन की अवस्था में वृद्धावस्था उसी परिपक्वता का नाम है। फिर हम क्यों न उसे अपनी सबसे महत्वपूर्ण अवस्था मान उस पर गर्व करें।

चार दिन की चांदनी यानि जवानी का हाथ से निकलना, उर्दू शायरों का पसंदीदा विषय रहा है। जीवन के कई बसंत देख लेने के बाद आदमी की कमर झुक जाती है। और वह कमर झुकाकर चलने लगता है, जैसे कोई खोई हुई वस्तु ढूँढ रहा हो। शायद ऐसे ही किसी बुजुर्ग को देखकर शायर ने लिखा होगा,

'जवानी जाती रही और हमें पता भी न चला
इसी को ढूँढ रहा हूँ कमर झुकाए हुए'

कितनी अजीब बात है, जीवन से तो हर शख्स को मोह है, लेकिन उम्र से सभी डरते हैं। क्योंकि जीवन से हम चिपक जाते हैं।

यों तो जीवन की थाह किसने पायी है, लेकिन जिसे हम जीवन कहते हैं-जन्म से लेकर मृत्यु तक, वह उम्र के लम्बे सफर के अलावा कुछ नहीं है। मनुष्य का जीवन ठीक वैसा ही है, जैसे बीज से फूल या फल तक की यात्रा है। उसमें उम्र के मोड़ हैं, बचपन, किशोर अवस्था, जवानी, मध्य आयु, बुढ़ापा, इन्हें हम इसी तरह देखें जैसे पेड़ के बीज, अंकुर, पत्ते, कली, फूल और फल।

▸▸ चन्द्रमोहन शारदा, जयपुर

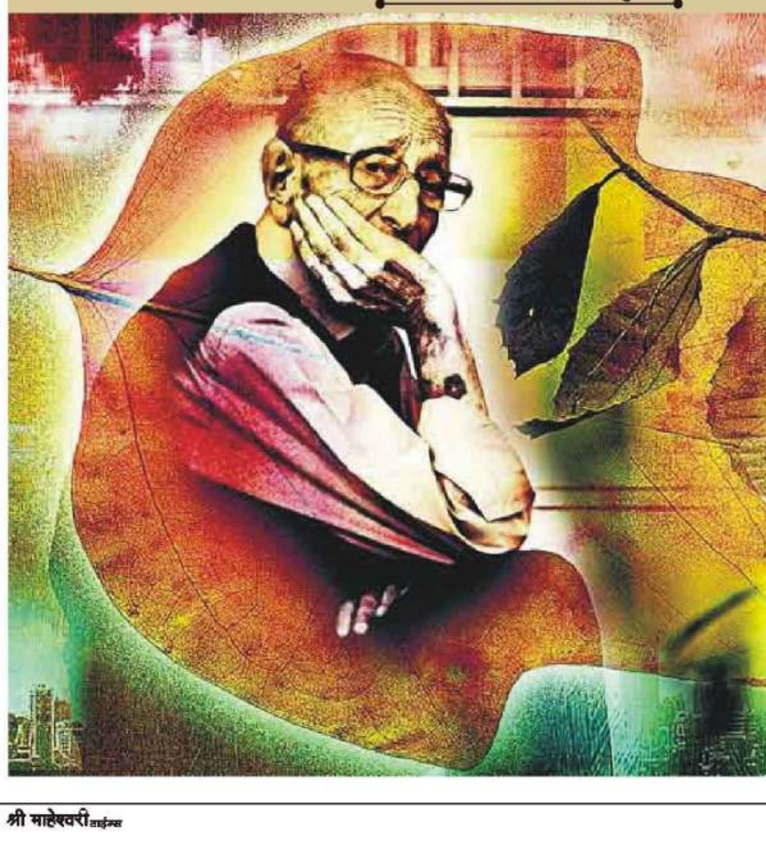

मनुष्य का बचपन अज्ञान होता है, जवानी नादान होती है और बुढ़ापा परेशान। फिर जीवन कब होता है, किस उम्र में? जीने के साथ हमारा मिलना हो नहीं पाता। और फिर हमारा विषाद किसी टूटे हुए कवि की वाणी से प्रकट होता है।

लड़कपन खेल में खोया,
जवानी नींद भर सोया,
बुढ़ापा देखकर रोया,
यही किस्सा पुराना है।

पूरे जीवन में बुढ़ापा ऐसी अवस्था है जिसे अपने होने का पता चलता रहता है। जैसे ही मध्य आयु आती है, लोग साल गिनना शुरू कर देते हैं। भविष्य की जगह अतीत में अधिक झांकने लगते हैं। लोग मौत से इतना नहीं डरते जितना कि बुढ़ापे से। क्यों? क्योंकि मौत एक बार मारती है, बुढ़ापा बार-बार मारता है, हर रोज मारता है। बुढ़ापे के लिए धन की सुरक्षा तो जुटा लेते हैं, लेकिन मन के खाते में जमा शून्य होती है। बुढ़ापा वस्तुतः परिपक्वता है। बुढ़ापे से डरना ऐसे ही है, जैसे वृक्ष फलों से डरे।

अब समय आ गया है जीवन की पुरानी परिभाषाओं बचपन, जवानी और बुढ़ापे को लेकर समाज की धारणाओं को तोड़ें और उन्हें खिलने की अनवरत धारा की भांति देखें।

एक हास्य कवि के ठहाके अब भी लोगों के कानों में गूंज रहे होंगे। उनकी चार पंक्तियां उम्र के हिसाब-किताब करने वालों के लिए एक पथ प्रदर्शक होंगी।

समुंदर कहकहों का असर
मेरे अधरों पर है अभी
रूप यौवन का नशा मेरी नजरों में है अभी
मौत आये तो ए जिंदगी,
कहना उसे वो घर नहीं है,
लाफिंग क्लब में गया है, अभी-अभी।

वृद्ध होना, सिद्ध होना होता है। अनुभवों से सिंचित तथा ज्ञान से लबरेज। हमें अपने अनुभवों को बदलते समय के साथ देखना और नया करना है, तो उम्र का अंतर मिट जाता है।

आप कुछ न कुछ ऐसा करें, ताकि आप इतनी ऊर्जा बांट सकें कि सारे अनुभव सार्थक हो जाएं। आपकी सृजन शक्ति से समाज लाभान्वित हो, नई पीढ़ी को दीर्घ अनुभवों की रोशनी मिले तथा वे भी आपकी-उनकी नई बनती दुनिया को अपनी नजरों से समझें।

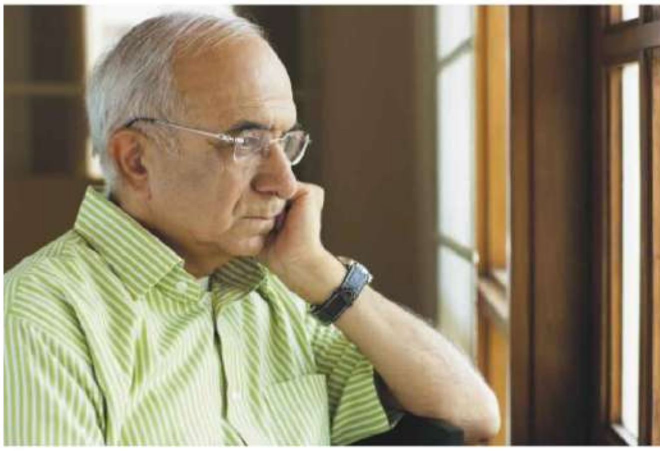

हमारे अपने वरिष्ठजन स्नेह का वह अक्षय पात्र हैं, जिसमें से कितना भी स्नेह प्राप्त करें वह कभी खाली नहीं होता और यदि हम इनसे ही दूर हट जाएँ तो फिर हमसे अधिक दुर्भाग्यशाली भला कौन हो सकता है?

जिनकी रूह भी देती है दुआएँ

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर
मो. 094141-32483

इस आलेख के शुभारम्भ में मुझे वह प्रसिद्ध कहानी याद हो आयी है, जहां एक वृद्ध पिता अपने पुत्र के साथ, घर के बाहर बगीचे में लंबी कुर्सी पर बैठे, पेड़ पर आने-जाने वाले विभिन्न पक्षियों को देख रहा होता है। दृष्टि धूमिल होने के कारण वह इन्हें ठीक से नहीं देख पाता, तभी वहां 'स्पेरो' यानि एक विशेष प्रकार की, लाल-तीखी चोंच वाली चिड़िया आती है एवं वह ठीक से न देख पाने के कारण पुत्र से पूछता है, यह कौनसी चिड़िया है ? पुत्र उत्तर देता है 'स्पेरो' तो वह पिता कमजोर श्रवण शक्ति के चलते सुन नहीं पाता एवं पुनः पूछता है। पुत्र तब झल्लाकर कहता है, डोंट डिस्टर्ब मी, बता तो दिया वह 'स्पेरो'है। वृद्ध तब उठकर भीतर जाता है एवं कुछ समय पश्चात् एक बहुत पुरानी कॉपी लेकर बाहर आता है, यह कॉपी उसके प्रथम क्लास की थी, एवं पिता उसे कहता है कि इस पेज को देखो, यह 'स्पेरो' शब्द तुम्हारी कॉपी में बीस बार लिखा है। तब तू पांच वर्ष का था। इसे तुझे सिखाने के लिये मुझे दो दिन लगे एवं मैंने धीरे-धीरे तुझसे दो दिन लगातार यह शब्द बीस बार लिखवाया, तब तू समझा। पुत्र को तब बोध हुआ कि उसके पिता का अनुदान जिंदगी में उससे कितना ऊपर है।

मुझे एक और नीति-कथा का स्मरण हो आया है, जहां एक युवक अपनी प्रेयसी के उकसाने पर मां का दिल काटकर सीढ़ियों से उतर रहा होता है, हड़बड़ी में एक सीढ़ी चूक जाता है, तभी मां का दिल कहता है, 'बच्चे! धीरे चलो! गिर जाओगे।' ऐसे होते है, हमारे बुजुर्ग, हर हाल में अपने बच्चों का भला सोचने वाले। तुलसी क्या खूब कहते हैं 'मात-पिता गुरू प्रभु के बानी, बिनहि विचार करहि शुभ जानि' अर्थात् माता-पिता के वचन-निर्देशों को तो बिना सोचे समझे ही मान लेना चाहिए क्योंकि वे गलत हो ही नहीं सकते।

बुजुर्ग हमारे घर की वे खिड़कियां है, जहां से सदैव शीतल हवायें ही आती हैं। मुझे 'निदा फाजली' याद हो आये हैं 'एक बूढा आदमी है, मुल्क में तो यूं कहो, इक अंधेरी कोठरी में एक रोशनदान है।' मुझे याद है जब तक मेरे दादा-दादी, माता-पिता थे, चाचा-चाची थे, मैं कितना निश्चिंत रहता था। कितने ही दुःख, तकलीफ, अवसाद के क्षण क्यों न हो, उनके पास जाते ही दुःख पिघल जाता था। चिंतामणि की तरह वे सारा दुःख सोख लेते थे, उनके पास हर समस्या का समाधान था। आज वे नहीं हैं तो लगता है, हमने क्या खो दिया? सचमुच बुजुर्ग दुआओं के खजाने होते है। कहने वाले ठीक ही कह गये है, इनके पांव के नीचे जन्नत होती है।

भगवान किसने देखा है ? पृथ्वी पर उसका प्रतिरूप है, तो बस ये ही हैं जो भगवान भास्कर की तरह अपने अन्तःकरण से सदैव आशीर्वादों की किरणें लुटाते हैं।

अभी कुछ दिन पहले पारिवारिक परिवेदनाओं के समाधान में एक ऐसा प्रकरण मिला जहां एक युवक लगातार अपने मां-बाप से धन हड़प रहा था, यहां तक कि वह उनके मकान पर भी आधिपत्य चाहता था। मैं उसका तर्क सुनकर हैरान रह गया 'मैं फिर मेरा यौवन कब भोगूंगा, क्या पता यह 20-25 वर्ष और जी जाये ?' मुझे कुछ ऐसे बुजुर्गों की भी जानकारी है, जिन्होंने अपनी सारी सम्पति पुत्रों के नाम कर दी एवं आज वे वृद्धाश्रम में प्रताड़ित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अभी-अभी एक प्रकरण मिला जहां एक पुत्र वृद्धाश्रम में मां से मिलने आया एवं देखते-देखते उसके हाथ की चूड़ियां छीनने लगा। मां ने शोर मचाया तो पुत्र चार में से मात्र दो चूड़ियां लेकर भाग पाया। वहां उपस्थित भीड़ को मां ने यहीं कहा, 'वह एक बार मेरे से मिलने फिर आयेगा, क्योंकि अभी मेरे पास दो चूड़ियां और हैं'। लानत है, ऐसे बच्चों पर जो अपने बुजुर्गों के कोमल ज़ज्बातों को यूं रौंदकर चले जाते हैं। वे बच्चे नादान ही नहीं, निपट मूर्ख हैं, जो इन्हें बोझ समझते हैं। मैं तो कहता हूं, जहां बुजुर्गों को दुत्कार मिले, वे घर श्मसान है, क्योंकि जिन घरों में संवेदनाऐं मृत हो जाये, वे श्मशान के अतिरिक्त और क्या हो सकते हैं?

आज के बुजुर्गों की अपनी समस्याऐं हैं। एक और जहां वे स्वास्थ्य समस्याओं से जूंझ रहे है, तो दूसरी ओर एकाकीपन की समस्या से। एक बुजुर्ग कवि ने कुछ दिन पहले एक कविता सुनाई, जिसके अंश थे 'रोज सुबह सूरज रख देता है, मेरी हथेली पर एक दिन गुजारने के लिए, रोज शाम चांद रख देता है एक रात तड़पने के लिए।' वृद्धावस्था में आम बुजुर्ग की आमदनी भी कम हो जाती है। वे असहाय होने लगते है। ऐसे में उन्हें आवश्यकता है, प्यार, दुलार, केयर एवं सर्पोट की। बच्चे अपने व्यस्त

समय से समय निकालकर घड़ी भर साथ भी बैठें। दो घड़ी उनसे बतियाये, बस इतने भर से वे मालामाल हो जायेंगे। इनके पोपले गाल एवं सूखी हड्डियों से हर समय आशीर्वाद का मेह ही बरसता है। युवा पीढ़ी अगर समझना चाहे तो समझ लें कि यह आशीर्वाद उनका ऐसा रक्षा-कवच है, जो हर प्रतिकूल स्थिति में उनकी रक्षा करेगा। यह अभेद्य कवच है।

बुजुर्ग स्वयं को यथासंभव व्यस्त रखें। वे समाजसेवा, निर्मूल्य सेवाओं में संलग्न हो सकते हैं। वे स्वास्थ्य बीमा करवाये एवं इसके नवीनीकरण पर ध्यान दें। आज विश्वभर में औसत आयु 70 के करीब हो गई है एवं चिकित्सा विज्ञान में अनुदिन चमत्कार के चलते यह उम्र 80 तक जा सकती है। ऐसे में बुजुर्ग भी आर्थिक-शारीरिक-सामाजिक रूप से सावधानियां बरतें, तो उन्हें स्वाभिमान से जीने में मदद मिलेगी। यूएनओ वर्ष1982 से इस समस्या पर गहन चिंतन कर रहा है यह इस सघन चिंतन की ही परिणिति है कि वर्ष 1991 से हर वर्ष 1 अक्टूबर 'इण्टरनेशनल डे फॉर ओल्डर्ली पीपुल' के रूप में हर वर्ष एक नये थीम के साथ मनाया जाता है। आलेख की समाप्ति पर मुझे कुरआन की उस बेशकीमती आयत का स्मरण हो आया है, जो हर हाल में बुजुर्गों की सेवा का एलान करती है 'मां-बाप के साथ भलाई करते रहो। अगर इनमें से एक या दोनों तुम्हारे सामने बूढापे को पहुंच जाये तो उनको उफ तक न कहना... न उन्हें झिड़कना.... उनसे इज्ज़त, अदब के साथ बात करना ..... उनके आगे झुके रहना एवं उनके हक में दुआ करना कि ऐ परवरदिगार ! जैसे उन्होंने मुझे बचपन से मोहब्बत से पाला है, तू भी उन पर रहमत करना।

घर का चिराग

अपनी प्रतिभा का परचम लहराती सृष्टि बियानी

वैसे तो वर्तमान में लंदन में अध्ययनरत दिल्ली निवासी समात सदस्य आनंद व विनिता बियानी की सुपुत्री सृष्टि ने इंजीनियरिंग की शिक्षा ग्रहण की है। लेकिन उनकी प्रतिभा से कला के क्षेत्र में अपना जमकर रंग बिखेर रही है। बचपन से शौक था, फिर सतत् प्रशिक्षण से उनकी कला जो निखरी तो निखरती ही चली गई।

इस तरह हुई थीं शुरूआत

सृष्टि बियानी बचपन से ही नृत्य एवं संगीत के क्षेत्र में प्रतिभाशाली रही है। सृष्टि ने 8 वर्ष की आयु में प्रयाग विश्वविद्यालय से कत्थक नृत्य में जूनियर डिप्लोमा प्राप्त किया। छोटी आयु से ही गायन की ट्रेनिंग भी प्राप्त की और गन्धर्व महाविद्यालय से सीनियर डिप्लोमा किया। 12 वर्ष की आयु में सृष्टि ने यूरोपीय देश बेल्जियम में गन्धर्व महाविद्यालय के बालवृन्द के बाल कलाकार के रूप में देश का प्रतिनिधित्व किया। गायन के साथ ही सृष्टि कई प्रकार के वाद्य यन्त्र जैसे बांसुरी, पियानो और क्लासिकल गिटार बजाने में भी प्रवीण हैं।

इंजीनियरिंग के साथ भी कला की यात्रा

2013 में ट्रिनिटी कॉलेज ऑफ़ म्यूजिक, लंदन से सृष्टि ने क्लासिकल गिटार की ग्रेड 4 की परीक्षा में डिस्टिंक्शन हासिल की। 2015 में इंजीनियरिंग पूरी करने के पश्चात् विश्व प्रसिद्ध बर्कली कॉलेज ऑफ़ म्यूजिक, बोस्टन में एडमिशन हासिल किया। बर्कली कॉलेज में सृष्टि ने प्रथम सेमेस्टर में डिस्टिंक्शन हासिलकी और अब यहाँ के प्रसिद्ध इंडियन एन्सेम्बल में बांसुरी वादन और गायन में अपना परचम फहरा रही हैं।

प्रकृति ही जिसकी रचना गागर में प्रतिभा का सागर भरकर करे उसकी प्रतिभा कभी प्रदर्शित होने से नहीं रूकतीं ऐसी ही एक अनुपम प्रतिभा है, दिल्ली निवासी सृष्टि बियानी जिनकी कला का जादू विदेशों में भी बिखर रहा है।

बुकिंग के लिए सम्पर्क करें

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री विक्रमादित्य पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान

कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में

सम्पर्क - 90, विद्या नगर, टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526761, मो. 094250-91161

संस्कारों की जीती जागती पाठशाला हैं वरिष्ठजन

वर्तमान दौर के हर माता-पिता नई पीढ़ी में घटते संस्कारों को लेकर भय ग्रस्त हैं। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इसके लिये हम भी जिम्मेदार हैं। हमने स्वयं ने ही हमारे बच्चों से छीन ली है, वह संस्कारों की पाठशाला, जिसमें संवेदनाओं को पंख लगते थे।

आये दिन बलात्कार और हिंसा जैसी घटनाएं होती हैं, आये दिन अखबार में पढ़ने को मिलता है कि "बेटे ने माँ की हत्या की, विवाहिता अपने प्रेमी के साथ फरार, पिता ही करता रहा 3 साल तक बेटी का बलात्कार, निठारी हत्याकांड, घर के सबसे विश्वसनीय नौकर ने किया मालिक का खून, नाजायज संबंधों के कारण पति ने की पत्नी की हत्या"। इन सब खबरों का जिम्मेदारा कौन है? जिन बच्चों को चड्डी पहनना ठीक से नहीं आता, उन्हें सेक्स के बारे में सब कुछ पता है, क्यों? युवा वर्ग के कई बिगडेल बच्चे अपने ही घर की औरतों को बुरी निगाहों से देखते हैं क्यों? अश्लीलता, असामाजिकता, परंपराविहीन संस्कृति, पाश्चात्य संस्कृति की नकल, हिंसा, दहेज हत्या, अराजकता आदि का जिम्मेदार कौन है? श्री राम के भाई लक्ष्मण से जब उनकी भाभी के जेवर पहचानने के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा था कि "भाभी तो माँ समान है। मैंने तो कभी अपनी भाभी जी के मुख के दर्शन नहीं किये, उनके चरणों में प्रणाम करता हूँ तो केवल उनके नुपूर को पहचान सकता हूँ। "क्या आज श्री राम जैसा पुत्र, सीता मैया जैसी पत्नी और लक्ष्मण जैसा भाई किसी भी समाज में मिल सकता है?" नहीं न ?

कौन दे रहा बच्चों को संस्कार

इन प्रश्नों का उत्तर भी एक ही प्रश्न के उत्तर में छुपा है कि आज हमारे बच्चों को कौन संस्कार दे रहा है? "माँ, दादीमा या फिर "सिनेमा"। आप ही बताइए क्या आप जानते हैं, देश कि 100 प्रतिशत जनता में से सिर्फ 10 प्रतिशत लोग ही भारतीय प्राचीन संस्कृति के बारे में जानते हैं और उसके अनुसार जीवन निर्वाह कर रहे हैं। किन्तु 90 प्रतिशत लोगों को पता ही नहीं कि भारतीय संस्कृति कितनी मूल्यवान है? पहलें बच्चों को नींद ही दादी-नानी से कहानियाँ सुनकर आती थीं लेकिन अब टी.वी. देखते हुए आती है। दादी-नानी की कहानियों में संस्कारों की शिक्षा तो सहजता से मनोरंजन के साथ ही दे दी जाती थी, वह अब लुप्त हो गई है। या कहें कि दादी-नानी की संस्कारों की पाठशाला अब बंद हो चुकी है और उसकी जगह ले ली है, विकृत मनोरंजक टी.वी. सीरियलों व फिल्मों ने।

क्या है संस्कारों का महत्व

हिन्दुस्तान में हिन्दू संस्कृति में सबसे अच्छी बात है यहाँ के रिश्ते नाते, परंपरा, अतिथि सत्कार की परंपरा और सबसे अच्छी बात है, हिन्दू धर्म के "सोलह संस्कार"। मनुष्य के जन्म से लेकर मृत्युपर्यंत तक कुल सोलह संस्कार होते हैं जैसे गोद भराई, नामकरण संस्कार, मुंडन संस्कार, यज्ञोपवित संस्कार, विवाह संस्कार एवं अंतिम संस्कार आदि। ऐसे कई संस्कार मानव जीवन को संयमित एवं संस्कारित बनाते हैं, जिससे उन्हें रिश्ते नाते और परंपरा का निर्वाह करते हुए मोक्ष की प्राप्ति होती है। हिन्दुस्तान में आज भी सिर्फ 10 प्रतिशत लोगों को ही संस्कारों के बारे में पूर्ण ज्ञान हो सकता है। वैसे विदेशों में तो संस्कृति का सवाल ही पैदा नहीं होता क्योंकि वहां तो 70 प्रतिशत बच्चों को तो ये भी नहीं पता कि उनके पिता कौन हैं? क्योंकि वहां की संस्कृति में रिश्ते नाते ज्यादा मायने नहीं रखते। हिन्दुस्तान में तो विवाह एक संस्कार है जो सात जन्मों के बंधन की तरह माना जाता है, जबकि विदेशों में तो शादी का ज्यादा महत्व नहीं है, ज्यादा से ज्यादा सैक्स का लायसेंस मात्र बनकर रह गया है। अब आप ही सोचिये, क्या ये हमारे देश के लिए विचारनीय बात नहीं है। जब जन्म से ही माँ बाप आधुनिकता की होड़ में अपने बच्चों को टी.वी. और सिनेमा से संस्कार दिलाएंगे, तो फिर क्या अपेक्षा की जा सकती है?

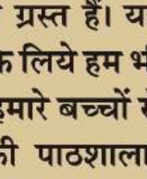

कैलाशचन्द्र लढ़ा

> जीवन में आपको आपके किए हुए कार्य का श्रेय न मिले तो चिंता मत करना क्योंकि आप उस दुनिया में रहते हैं, जहां जलता तेल और बाती है और लोग कहते हैं दीपक जल रहा है।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
हमारी Website है इसका सही समाधान

High Status, Middle Status
NRI, Manglik, Non Manglik
Bio-Data MBA, MCA, Doctor,
Eng. Bio-Data CA, CS,
ICWA Bio-Data

Graduate,
Post Graduate Bio-Data
Professional Bio-Data
Businessman Bio-Data
Service Class Bio-Data

माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
जैन समाज के 70,000 से अधिक
अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

Registration Free

Website:
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060
Phones: 011-25746867, 09312946867

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

'उम्रदराज इश्क'

खम्मा घणी सा हुक्म आप एक जुमलों सुणियो हुवैला 'बूढो बीन्द, बींदणी लायो'- हुक्म यों जुमलों सुनते ही चाहे जवान हो चाहे बूढ़ा लोग हो या लुगाई सबरे मन में गुदगुदी हुवण लॉग जावे। सही में हुक्म आपा अगर दिग्गी साहब री बात करा तो सच में वे कमालकर दियो अड़सठ सालरी उम्र में चौतीस बरस री सुंदरी सुं ब्याह रचा दियो। सही में दोनों ही बधाई रा पात्र है।करीब दो ढाई बरस पेला जद याणी रोमांटिक तस्वीरा सोशलमिडिया पर देखी तो यकायक तो यकीन ही नहीं हुयो पर दिग्गी साहब बेहिचक सारो सच बयान कर ने सबरी बोलती बंद करदी।

सही में हुक्म इश्क री आग बड़ी तगड़ी हुवे। या आग उम्र री कोई सीमा नहीं देखे।सही कहूँ तो ज्ञानी लोग या बात खरा खरा ने केहवे कि 'इश्क कदैई बूढो नहीं हुवे। आपाणी संस्कृति में सौंदर्य देवता रो अक्सर जिक्र हुवे।हुक्म ज्योतिष केहवे कि सौंदर्य रो स्वामी जद आपणे शुक्र व् चंद्र घर में आ आ जावे तो अच्छा अच्छा ज्ञानी तक नहीं बच पावे। अब आम आदमी री बात तो दूर खुद राजनीति रा ज्ञाता दिग्गी साहब भी नहीं बच पाया।

हुक्म मशहूर शायर ग़ालिब फरमायो थो 'इश्क पर जोर नहीं ये वो आतिश है ग़ालिब , जो लगाये न लगे और बुझाए न बुझे।' जिने दिलमें एक बार इश्क री लौ लॉग जावे हुक्म वे फिर पतंगे रे ज्यों जळ जळ ने ही माने।

सिर्फ दिग्गी साहब ही क्यों इतिहास गवाह है कई साधू महाज्ञानी नामी नेता वाणि औलादा कई मिडिया में आपरो नाम दर्ज करा चूकिया है। वैसे समाज उम्रदराज व्यक्ति कोई नई नवेली दुल्हन लेने आवे तो लोगा ने ईर्ष्या हूँ जावे पर हुक्म म्हारे ख्यालमें किन्ही बुजुर्ग इश्कजादे पर कोई निजी टिप्पणी नहीं कि जावे। सही बतावा तो हुक्म म्हे तो खुद इण कला रा समर्थक हां ..म्हे आभारी हां बाबा साहेब जिन्होंने सविंधान रे तहत बोलण, लिखण और बुढ़ापे में भी इश्क और ब्याह रचावण री स्वतन्त्रता दी है।

दिग्गी साहब रे इण साहस री तारीफ करणी पड़ी कि दिग्गीजी ने बकायदा ब्याह रचायों और वाने क़ानूनी और सामाजिक इज्जत भी मिली। अब आपा वाने कांई केवा जो बन्दर री तरह चुपचाप गुलाचियां खावता फिरे और अपने आपने नैतिकता रा पैरोकार सिद्ध करे और जण पकड़ीयां जावे तो करोडो रुपया देने मामलो रफा दफा करण में लॉग जावे।

सही में हुक्म काला कारनामा छुप छुप ने करण वाळा रे वास्ते दिग्विजय सिंह साहब एक शानदार मिसालहै कि प्यार किया तो डरना क्या प्यार किया कोई चोरी नहीं की चुप चुप आहें भरना क्या...

व्यंग्य का हुड़दंग

हेमन्त श्रीमाल
98268-13368

धन्य है मेरे देश

"चुनाव में टिकिट नही मिला तो
एक ने
आत्महत्या की धमकी दे दी
और दूसरा
भरी प्रेस कॉन्फ्रेन्स में
टाँगें पछीटते हुए
दहाड़ें मार-मारकर रो रहा है
दादा!
आखिर ये क्या हो रहा है ?"

"बेटा छोटू !
मुझे तो आश्चर्य है
जनसेवा के प्रति किस कदर उत्साह
वाह! वाह!!
बेचारों ने
टिकिट के लिये घरबार बेचकर
अपनी सारी दौलत खर्च कर डाली है
जनता की सेवा के लिये
लोगों में
ऐसी भयंकर लालसा देख
मेरा मन तो कहता है
अपना देश बड़ा ही भाग्यशाली है ।"

With Best Compliment's from

Jaju Sanitation

Dealer in :
Venture C.P. Fitting

15-5-241/2, Osman, Hyderabad-500012
Ph. 040-24614314, M. : 098499-99290
E-mail : jajusri@yahoo.com

With Best Compliment's From

An ISO 9001:2008 Certified Company

Nath Peters Hygeian Limited

Regd. Office :
17-1-200, Saidabad, Hyderabad-500059, T.S. India
Phone : +91-40-24534-523/524/525,
Fax : +91-040-24530299
E-mail : admin@nathpeters.com,
nathpeters@yahoo.co.in
CIN NO. U24110TG1992PLC14256 ,
Website : www.nathpeters.com
https://www.facebook.com/nathpeters

Manufacturers of Disinfectants & Antiseptics

ऐसा स्वाद.. जो हमेशा रहे याद..!!

अधिक दिनों तक शुद्ध, ताज़ा व स्वादिष्ट रहने वाली मिठाई

BM Sweet House

Fruit Rolls

For Trade Enquiry, Contact : B.M. SWEET HOUSE, Hyd.
M : 8897732619, E-mail : bmsweethouse@hotmail.com

Aditya Maloo 95021 36378

Chandra Prakash Maloo 94418 86402, 90300 31591 040-24031802

Sree Vasudeva Marbles

Near Galaxy Hospital, L.B. Nagar Ring Road,
Sagar Road, Hyderabad-500 074

L.B. Nagar Ring Road, Near Kamineni Hospital,
Opp. Big Bazar, Hyderabad-500 074

E-mail : cpmallo@gmail.com

PANSARI GROUP
AN ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

Govindlal Pansari 9396663639
Gopal Pansari 9394001117
Vishnu Pansari 9133311333

Balaji Ramakishan Pansari
Maheshwari Poly Sacks
Mansarovar Agro Sacks
Mansarovar Agro Sacks Pvt. Ltd.
Pansari Foundation

Regd. Office : 15-2-263, Maharaj Gunj, Hyderabad-500 012 (TS)
Tel (O) 040-24601117, 24741117, 24746543, (R) 040-24611582
Website : www.pansarigroup.com, E-mail : pansarigroup@yahoo.com

Spectrum™
Where service is religion

Bhagwan Pansari 9000715550
Nikhil Pansari 9000481117
Neeraj Pansari 9000581117

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष - यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। अटके काम पूरे होंगे, रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। मेहमानों का आगमन बना रहेगा, जीवन साथी से चल रहे मनमुटाव दूर होंगे। उच्च अधिकारियों से अनबन रहेगी। मान-सम्मान,यश प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा, बच्चों के कारण तनाव एवं चिंता बनी रहेगी। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। अपने परिश्रम से लक्ष्य की प्राप्ति करेंगे, विद्यार्थियों के लिये समय अनुकूल है। पढ़ाई में मन लगेगा।

वृषभ- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। नये लोगों से परिचय होगा। यात्रा में परेशानी, प्रशंसा, मन खुश, सभी कार्य पूरे होंगे। शुभ समाचार प्राप्त होगा। आर्थिक योजनाएं सफल होगी। किंतु मानसिक चिंता एवं परेशानी बनी रहेगी। समाज में ख्याति प्रतिष्ठा मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के संपर्क से अटके कार्य पूरे होंगे, मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान देवें, गुप्त शत्रु से सावधानी बरते। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी।

मिथुन- इस माह आपके लिये भौतिक सुख साधनों में बढ़ोत्तरी, बाहर जाने का अवसर मिलेगा। जीवन साथी का पूरा सहयोग मिलेगा। अविवाहितों के विवाह प्रस्ताव आएंगे। सगाई संबंधी बात बनेगी, धार्मिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। व्यय की अधिकता बनी रहेगी। घर-परिवार का माहौल शांतिपूर्ण बना रहेगा। पिता-पुत्र में प्रेम बढ़ेगा। जिस भी कार्य को करेंगे सफलता मिलेगी। वाहन से सावधानी रखे।

कर्क - इस माह आपको मान-प्रतिष्ठा यश कीर्ति, प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। नौकरी में आपका वर्चस्व बना रहेगा। मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा। उच्च अधिकारी आपके काम से प्रसन्न होंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में विशेष ध्यान देना पड़ेगा। परिवार एवं बच्चों के लिये समय निकालना पड़ेगा। अध्यात्म की ओर रुझान बना रहेगा। राजकीय कार्य में सफलता मिलेगी। व्यापार में ठोस निर्णय लेने पड़ेंगे। जीवन साथी से प्रेम स्नेह बढ़ेगा।

सिंह - इस माह में आप को नौकरी में तरक्की मिलेगी। विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बना लेंगे। शादी त्यौहार समारोह की खरीददारी में व्यस्तता बनी रहेगी। कुशल नेतृत्व के गुण विद्यमान रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। घर में नवीनीकरण, साज-सज्जा पर व्यय करेंगे। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। विज्ञान, गणित, आटोमोबाइल के क्षेत्र में विद्यार्थी सफलता हासिल करेंगे। उपहार की प्राप्ति होगी, धार्मिक कार्य,पूजा-पाठ सम्पन्न होंगे।

कन्या- यह माह आपके लिये शुभ फलदायक रहेगा। नये लोगों से दोस्ती होगी। न्यायालयीन प्रकरण में सफलता मिलेगी। भाई-बहनों में स्नेह बढ़ेगा, चापलुसों से सतर्क रहें। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। बच्चों को समय दें कुछ नये कार्य शुरू करेंगे, खानपान एवं स्वास्थ्य पर ध्यान देवे। नौकरी में प्रमोशन, सामाजिक कार्य में सफलता मिलेगी एवं आय बढ़ेगी। बेरोजगारों को कार्य/नौकरी मिलेगी। वाहन से सावधानी रखें। विद्यार्थी कॅरियर को लेकर परेशान एवं चिंतित रहेंगे। संतान के कार्यों में आ रही परेशानी समाप्त होगी।

तुला- इस माह में आपको राजकीय कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। राजनेता के संपर्क से लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा, रुके कार्य पूर्ण होंगे। उधार दिया धन मिलेगा, जीवन साथी के साथ खूबसूरत पलों का लुत्फ उठायेंगे। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर भाग लेंगे। मित्रों एवं परिजनों से मेल जोड़ बढ़ेगा। नौकरी में अधिकारी मेहरबान रहेंगे। वाहन सावधानी से चलायें, आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

वृश्चिक- यह माह सुख-शांतिदायक रहेगा। वाणी में मधुरता के कारण लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। मित्रों एवं परिवारजनों से स्नेह-प्रेम रहेगा। अविवाहित लोगों के विवाह प्रस्ताव आएंगे। रुका धन प्राप्त होगा, विद्यार्थियों को अध्ययन में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। यात्रा योग बनेंगे, मेहमानों का आगमन बना रहेगा। संतान से सुख मिलेगा, धार्मिक, मांगलिक महोत्सव में भाग लेंगे। संगीत, साहित्य, कला की ओर रुझान रहेगा। उच्च अधिकारी आपके कार्य की प्रशंसा करेंगे।

धनु- यह माह आपके लिये भाग्योदय कारक रहेगा। नया कार्य प्रारंभ करेंगे एवं सफलता भी मिलेगी। संतान की ओर से प्रसन्नता प्राप्त होगी। पुरस्कार-उपहार की प्राप्ति, बेरोजगारों को नौकरी मिलेगी। घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनेगा। नौकरी में प्रमोशन मान-सम्मान में वृद्धि घर-परिवार का वातावरण सुखमय बना रहेगा। घर में धार्मिक कार्य सम्पन्न होंगे। खरीददारी के योग भौतिक सुख-सुविधाएं प्राप्त होंगी। साझेदारी से लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य में लापरवाही न बरतें विपरीत योनी की ओर रुझान रहेगा। मन में उच्च विचार रहेंगे।

मकर- यह माह आपको सफलता प्रदान करेगा। विद्यार्थियों को अनुकूल परिणाम मिलेंगे। प्रियजन से भेंट, सम्पत्ति विवाद सुलझेंगे। शुभ समाचार मिलेगा। धार्मिक समारोह उत्सव में व्यस्तता बनी रहेगी। विरोधी परास्त होंगे अपनी योग्यता के बल पर अपने लक्ष्य की प्राप्ति करेंगे। घर परिवार को ज्यादा से ज्यादा समय देंगे। व्यय होगा। नौकरी में प्रमोशन, राजनैतिक संपर्क का लाभ मिलेगा। इंटरव्यू में सफलता, पुराने मित्र मिलेंगे। विद्यार्थियों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ- यह माह आपके लिये मध्यम फलदायी रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे। धार्मिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। अपनी चतुराई से हर कार्य को सरल बना लेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा, मान-सम्मान प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। उच्च अधिकारी एवं राजनेता के संपर्क का लाभ मिलेगा। नया कुछ करने के लिये उत्साहित बने रहेंगे। प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी, नई वस्तु खरीदने के योग। वैवाहिक जीवन में प्रेम भरी तकरार बनी रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन- यह माह आपके लिये शुभफलदायक रहेगा। युवा वर्ग उच्च शिक्षा प्राप्त कर कॅरियर की ओर कदम बढ़ाएंगे। काम के साथ परिवार का भी पूरा ध्यान रखेंगे। ससुराल से विशेष लाभ मिलेगा, राजकीय कार्यों सफलता, वेतन में वृद्धि होगी। आत्म-विश्वास से आगे बढ़ेंगे। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे, आकर्षक और तड़क-भड़क पर एवं घूमने-फिरने में समय व्यतीत होगा। नई वस्तुएं खरीदेंगे, खान-पान में सावधानी रखें, संतान के कार्यों से प्रसन्नता मिलेगी।

श्री मूलचंद अजमेरा

भीलवाड़ा। चित्तौड़ प्रांत के आरएसएस के संघ चालक रहे श्री मूलचंद अजमेरा का गत 13 सितम्बर को देहावसान हो गया। स्व. श्री अजमेरा कर्मयोगी व राष्ट्रीय विचारों से ओत-प्रोत समाजसेवी थे।

श्री राधेश्याम बबू

अमृतसर। स्थानीय माहेश्वरी सभा के वरिष्ठ सदस्य राधेश्याम साबू के भाई श्री हरिओम साबू का जोधपुर में गत दिनों 55 वर्ष की अवस्था में असामयिक निधन हो गया। स्व. श्री साबू पांच भाइयों में सबसे छोटे थे। आप अपने पीछे माता, पत्नी व बच्चे छोड़ गए हैं।

श्री मोहनलाल राठी

यवतमाल। स्थानीय श्रद्धा मेडिकल के संचालक श्री मोहनलाल राठी का 80 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे पुत्र सुरेश व पवन तथा दो पुत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्रीमती कृष्णादेवी चांडक

हिवरखेड। अखिल भारतीय माहेश्वरी धर्मशाला रामदेवरा के संस्थापक, अकोला, अर्बन बैंक हिवरखेड़ शाखा के पूर्व अध्यक्ष, श्रीमती गोदावरीबाई चांडक चेरिटी ट्रस्ट के संचालक वरिष्ठ समाजसेवी जीवनलाल चांडक की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णादेवी चांडक का स्वर्गवास गत 15 अगस्त को हो गया। आप अपने पीछे पुत्र-पौत्र आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती नम्रता काबरा

उदयपुर। श्रीमती नम्रता धर्मपत्नी रमेश काबरा का असामयिक निधन गत 2 सितम्बर को हो गया। श्रीमती काबरा वनवासी कल्याण परिषद की सक्रिय कार्यकर्ता भी थीं। आप अपने पीछे एक पुत्र व एक पुत्री छोड़ गई हैं।

दिवंगत आत्माओं को
'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार
की ओर से
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि...।

श्रीमती सुंदरदेवी सोनी

चित्तौड़गढ़। मेड़ता सिटी के पूर्व विधायक स्व. श्री गोरधन सोनी की धर्मपत्नी व राधामोहन सोनी की माता श्रीमती सुंदरदेवी सोनी का गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि से भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री नरेन्द्र मूना

बरेली। स्थानीय समाज के वरिष्ठ तथा माहेश्वरी महिला समिति बरेली की अध्यक्ष प्रभा मूना के पति श्री नरेन्द्र मूना का गत 9 अगस्त 2015 को 69 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आप अपने पीछे एक पुत्र तथा दो पुत्रियों का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती कमलाबाई परवाल

रतलाम। स्व. श्री बसन्तीलाल परवाल की धर्मपत्नी तथा समाज सदस्य रमेशचन्द्र व राजेश कुमार परवाल की माता एवं राघव, कपिल, गौरव, ऋतिक की दादी श्रीमती कमला बाई परवाल का गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे-पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

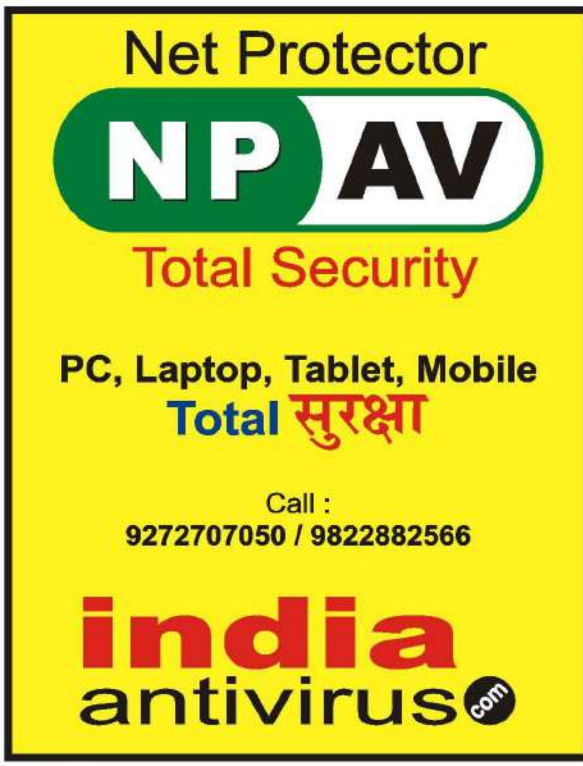

हीरे सा मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश

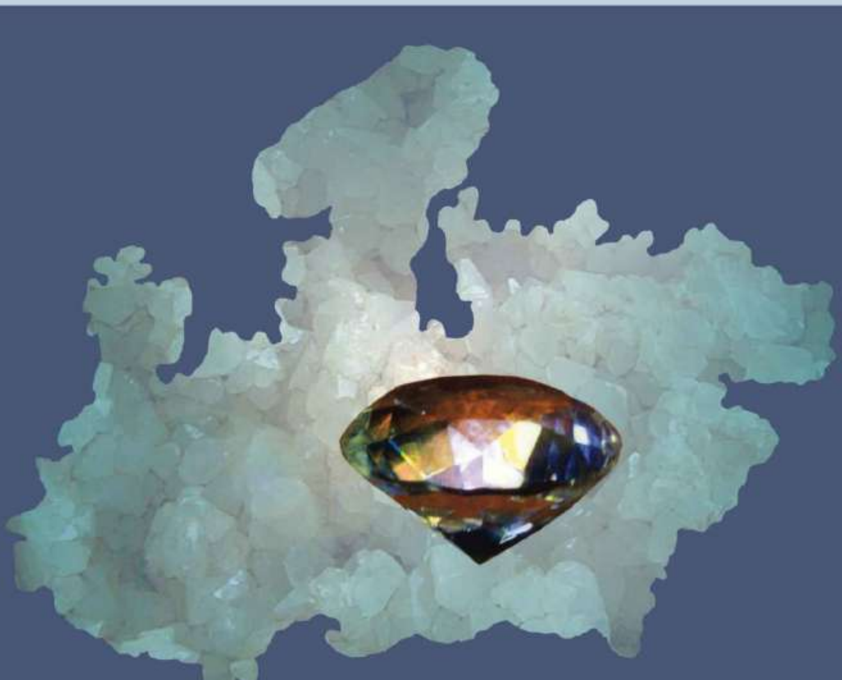

मध्यप्रदेश की धरती को रत्नगर्भा यूं ही नहीं कहा जाता। हमारा प्रदेश खनिज संपदा के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। हीरे के उत्पादन में जहां राज्य का एकाधिकार है वहीं इसे एशिया की एकमात्र ताम्र अयस्क की खुली और मैंग्नीज की सबसे बड़ी कार्यरत खदान वाले राज्य का भी गौरव प्राप्त है। इसके अलावा मुख्यत: इस्पात उद्योग में काम आने वाला डोलोमाइट, उर्वरक उद्योग का राक फास्फेट, एल्युमीनियम का बाक्साइट और डायस्पोर पायरोफिलाइट, चूना पत्थर, फायरक्ले, कोयले और स्लेट जैसे खनिजों के उत्पादन में भी हमारा प्रदेश अगली कतार में है। अलग-अलग किस्मों के संगमरमरी सजावटी पत्थर के साथ कोयले की परतों के बीच पाई जाने वाली प्राकृतिक गैस जिसे कोल बेड मीथेन कहा जाता है, पर आधारित उद्योग राज्य के नये उज्जवल संभावना वाले क्षेत्र हैं।

नई उम्मीदों का साथ
मध्यप्रदेश

D77468

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

Brijmohanlal Narayandas Vidur Rathi Charitable Trust

We Provide Scholarship to the
Needy Deserving Meticulous College Students
ONLY **'GIRLS'** For Commerce Stream

E-mail : svgslchn@gmail.com

Shri Veerganapathi Steels (P) Ltd.

Iron & Steel Material

"The Legend"
No. 177/2, Poonamallee High Road (Opp. Ega Theatre),
Kilpauk, Chennai - 600 010 (INDIA)
Telefax : 044-28361757, 2836 4360, 2836 3169, 4285 8006
E-mail : svgslchn@gmail.com

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015
Despatch Date - 02 October, 2015

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com